kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-14 | अंक-165 | गुरुवार, 17 जुलाई 2025 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

देश में छोटी जोत के हिसाब से छोटी मशीनें तैयार की जायेंगी तथा किसानों के साथ खाद-बीज आदि में धोखाधड़ी रोकने के लिए एक टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा।

शिवराज सिंह चौहान

शांति सैनिकों पर हमलों की जवाबदेही बेहद जरूरी : भारत 11

कमजोर लिस्टिंग और लोअर सर्किट के बाद एस्टन फार्मा की जोरदार वापसी 12

संक्षेप

धर्मांतरण के आरोपित छांगुर और नसरीन पहुंचे लखनऊ जिला जेल

लखनऊ। धर्मांतरण सहित विभिन्न राष्ट्र विरोधी मामलों का मुख्य आरोपित जलालुद्दीन उर्फ छांगुर और नसरीन को एटीएस ने बुधवार दोपहर जिला कारागार में दाखिल कर दिया। दोनों को अलग-अलग मुलाहिजा बैरक में रखा गया है। एटीएस दोपहर करीब ढाई बजे छांगुर और नसरीन को जिला कारागार लेकर पहुंची। जेल प्रशासन ने दोनों को भीतर लिया। जेल अधीक्षक एवं जेलर की मौजूदगी में सीसी कैमरे की निगरानी में छांगुर की पुरुष जेलकर्मी एवं नसरीन की महिला जेल कर्मियों ने तलाशी ली। जेल अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने दोनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसके बाद नसरीन को महिला बैरक और छांगुर को अलग मुलाहिजा बैरक में बंद करा दिया। जेल अधिकारी दोनों की निगरानी बढ़ाने के साथ सीसी कैमरे से भी नजर रख रहे हैं। वर्जन एटीएस के अधिकारियों ने बुधवार दोपहर छांगुर और नसरीन को दाखिल किया है। तलाशी एवं स्वास्थ्य परीक्षण के बाद दोनों को अलग-अलग मुलाहिजा बैरक में रखा गया है। दोनों की निगरानी की जा रही है।

ईरान की अनावश्यक यात्रा से बचें भारतीय नागरिक : भारतीय दूतावास

नई दिल्ली। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने क्षेत्र में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को देखते हुए भारतीय नागरिकों से ईरान की अनावश्यक यात्रा से बचने को कहा है। दूतावास ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा,ह्ल पिछले कई हफ़्तों के सुरक्षा संबंधी घटनाक्रमों को देखते हुए भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे ईरान की अनावश्यक यात्रा करने से पहले मौजूदा स्थिति पर ध्यानपूर्वक विचार करें। दूतावास ने कहा है कि भारतीय नागरिक ताजा क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर नज़र रखें और भारतीय अधिकारियों द्वारा जारी परामर्शों का पालन करें। ईरान में रहने वाले और स्वदेश वापस लौटने के इच्छुक भारतीय नागरिकों के लिए दूतावास ने कहा है कि उनके पास यह विकल्प है। दूतावास ने कहा,ह्ल जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में हैं और वहाँ से जाने के इच्छुक हैं,वे अभी उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ान और नौका सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

राजस्व वसूली में फिसड्डी सीतापुर के तीन जेई को चार्जशीट

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत निगम की एमडी रिया केजरीवाल ने सीतापुर के तीन जूनियर इंजीनियरों को राजस्व वसूली में फिसड्डी होने पर चार्जशीट दी है। इसमें रामपुर मथुरा, पोखरा कला, भवानीपुर (ग्रामीण) उपकेंद्र के जूनियर इंजीनियर पर कार्रवाई की गई है। एमडी बुधवार को बिजली सप्लाई व राजस्व वसूली की समीक्षा के लिए सीतापुर जोन का निरीक्षण किया था। इस दौरान एमडी ने संबंधित अधिकारियों को टर्न-अप बढ़ाने एवं राजस्व वसूली में वृद्धि करने के लिए निर्देशित किया गया।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

कम कृषि उत्पादन वाले 100 जिलों पर फोकस,1.7 करोड़ किसानों को फायदा मिलेगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश के एक सौ चुनिंदा जिलों में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए छह साल की 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' को मंज़ूरी दी जिस पर सालाना 24000 करोड़ रुपये खर्ज किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल के इस निर्णय के जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा, यह योजना चालू वित्त वर्ष से ही शुरू की जा रही है और यह छह वर्ष तक चलायी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना में उन जिलों को शामिल किया जा रहा जहां कृषि उपज कम है और खेती पिछड़ी है और जो ऋण वितरण के मामले में औसत ने नीचे हैं। श्री वैष्णव ने कहा कि योजना हर राज्य में कम से कम एक जिले के साथ शुरू की जाएगी और इससे कुल मिलाकर एक करोड़ 70 लाख किसानों को लाभ होने की उम्मीद है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बार के बजट में इस योजना के प्रस्ताव की घोषणा की था।

सूचना प्रसारण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, नीति आयोग के आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम से प्रेरित है और अपनी तरह की पहली योजना है जो विशेष रूप से कृषि और संबद्ध क्षेत्रों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि इस योजना

में इस समय 11 मंत्रालयों द्वारा चलायी जा रही 36 योजनाओं को जोड़ा जा रहा है जिन पर प्रति वर्ष 24,000 करोड़ रुपये का परिव्यय होगा।उन्होंने कहा कि बजट के प्रस्तावों के अनुसार इस योजना को राज्य सरकारों के निकट सहयोग से लागू किया जाएगा और इसमें निजी क्षेत्र को भी भागीदार बनाया जाएगा। मंत्री ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत और ब्लॉक स्तर पर कटाई के बाद भंडारण क्षमता बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य से कम से कम एक जिले का चयन किया जाएगा।

एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार योजना के प्रभावी नियोजन, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर समितियां गठित की जाएंगी। जिला धन-धान्य समिति द्वारा एक जिला कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा, जिसके सदस्य प्रगतिशील किसान भी होंगे।

सरकार ने कहा कि ज़िला योजनाएं फसल विविधीकरण, जल एवं मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती के विस्तार जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप होंगी। प्रत्येक धन-धान्य ज़िले में योजना की प्रगति की निगरानी मासिक आधार पर एक डैशबोर्ड के माध्यम से 117 प्रमुख निष्पादन संकेतकों के आधार पर की जाएगी। नीति आयोग ज़िला योजनाओं की समीक्षा और मार्गदर्शन भी करेगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक ज़िले के लिए नियुक्त केंद्रीय नोडल अधिकारी भी नियमित आधार पर योजना की समीक्षा करेंगे।

केंद्र ने कहा है कि योजना के अंतर्गत आने वाले इन जिलों में जैसे-जैसे लक्षित परिणामों में सुधार होगा, देश के लिए प्रमुख निष्पादन संकेतकों के संदर्भ में समग्र औसत में वृद्धि होगी।

कैबिनेट ने 2 बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी

सरकार ने नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन को और ताकत देने के लिए 20,000 करोड़ रुपए का स्पेशल फंड दिया है। इस फंड का इस्तेमाल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स जैसे सोलर, विंड, ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश के लिए किया जाएगा। नेशनल क्लीन इन्वेस्टमेंट लिमिटेड को क्लीन टेक्नोलॉजी और इनोवेटिव स्टोरेज के लिए 7,000 करोड़ रुपए की नई पूंजी मिलेगी। इससे नई तकनीक, इनोवेटिव एनर्जी स्टोरेज, बैटरी, स्मार्ट ग्रिड में इन्वेस्टमेंट किया जाएगा।

मोदी कैबिनेट ने शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन की सराहना की

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उनके ऐतिहासिक 18 दिवसीय मिशन के सफल समापन पर बुधवार को बधाई दी और कहा कि इससे देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंत्रिमंडल ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा को पूरे देश के लिए गर्व, गौरव और खुशी का क्षण बताया गया। इसमें कहा गया है कि इस यात्रा ने भारत ● शेष पेज 11 पर

वाराणसी, मुजफ्फरनगर व अलीगढ़ निकाय में कार्यरत तीन अफसरों पर अनुशासनिक कार्रवाई

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास विभाग ने कार्यों में लापरवाही बरतने वाले तीन अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई करते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। वाराणसी के उप नगर आयुक्त जितेंद्र कुमार आनंद को सभी दायित्वों को मुक्त कर दिया गया है। नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के कर निर्धारण अधिकारी दिनेश कुमार के खिलाफ उच्चाधिकारियों के प्रति अनुचित व्यवहार करने और नगर निगम अलीगढ़ में उप नगर आयुक्त अमित कुमार सिंह बिना किसी अनुमति कार्यालय से अनुपस्थित रहने पर अनुशासनिक कार्रवाई की गई है। इसके अलावा निकाय बोर्ड की बैठक में वर्चुअल शामिल होने पर नगर पंचायत कंट (शाहजहांपुर) की अध्यक्ष मुनरा बेगम को कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

जितेंद्र के खिलाफ जांच मुरादाबाद अपर आयुक्त प्रशासन को वाराणसी नगर में तैनात उप नगर आयुक्त जितेंद्र कुमार आनंद ने नगर पालिका परिषद बिजनौर में तैनाती के दौरान पंजाबी मार्केट की छतों पर बनी 30 दुकानों को आवंटन करने और किराए की रसीद जारी करने में लापरवाही बरती। इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में चल रहे वाद में शपथ पत्र दाखिल करने में अनियमितता की गई। इस पर उन्हें दायित्वों को मुक्त करते हुए मुरादाबाद के अपर आयुक्त प्रशासन को जांच सौंपी गई है। उन पर वाराणसी नगर निगम में तैनाती के दौरान लगभग 30 लाख रुपये अनियमित तरीके से भुगतान कराने का भी आरोप है। नियमतः भुगतान से पहले शासन से अनुमति लेना जरूरी था। नगर पालिका

❐ वाराणसी के उप नगर आयुक्त को दायित्वों से किया गया मुक्त

परिषद मुजफ्फरनगर के कर निर्धारण अधिकारी दिनेश कुमार के खिलाफ उच्चाधिकारियों के प्रति अनुचित व्यवहार व आदेशों की अवहेलना करने के साथ सार्वजनिक कार्यों को ठप करने और अधीनस्थ महिला अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप है। इनके खिलाफ अपर आयुक्त (प्रशासन) सहारनपुर मंडल को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। अलीगढ़ में उप नगर आयुक्त अमित कुमार सिंह बिना किसी अनुमति के कार्यालय से गायब रहने, गृहकर वसूली, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने, अतिक्रमण, सफाई-प्रवर्तन और आईजीआरएस से जुड़े कामों में लारवाही का आरोप है। उनके खिलाफ अपर आयुक्त (प्रशासन) अलीगढ़ को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। कंट पंचायत अध्यक्ष को नोटिस नगर पंचायत कंट (शाहजहांपुर) की अध्यक्ष मुनरा बेगम स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर 27 फरवरी 2024, 3 सितंबर 2024, 23 नवंबर 2024, ● शेष पेज 11 पर

यूपी के विधायकों को एआई का मिलेगा प्रशिक्षण

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विधायकों के कामकाज को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के प्रोफ़ेसरों द्वारा यह प्रशिक्षण दिलाने का कार्यक्रम तैयार किया गया है। इसके लिए आगामी मानसून सत्र के मध्य या अंत में विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण पूरी तरह स्वैच्छिक होगा और किसी के लिए अनिवार्य नहीं होगा। इसका मकसद विधानसभा के सदस्यों को एआई टूल को समझाना है, जिससे वे इसका उपयोग कर सकें। सत्र में यह बताया जाएगा कि किस प्रकार एआई विभिन्न क्षेत्रों में मददगार हो सकता है।

एआई से बिल ड्राफ्ट करने, कानूनी समस्याओं की पहचान करने और अन्य राज्यों या देशों के कानूनों की तुलना करने

❐ मानसून सत्र के मध्य या अंत में प्रशिक्षण प्रस्तावित

में विधायकों को आसानी होगी। एआई विधायकों की संपत्तियों या हितों से जुड़े संभावित जानकारियां भी दे सकता है। सोशल मीडिया, सर्वेक्षण और याचिकाओं के माध्यम से एआई नागरिकों की राय का विश्लेषण कर सकता है। किसी भी प्रस्तावित कानून के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों का पूर्वानुमान लगाने में मदद ली जा सकती है। एआई पुराने दस्तावेजों, बहसों और रिपोर्टों को क्रमबद्ध कर खोज सकता है। ● शेष पेज 11 पर

रूस ने अमेरिकी अल्टीमेटम को अस्वीकारा

मॉस्को/कीव। रूस ने यूक्रेन युद्धविराम पर सहमति के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 50 दिनों के अल्टीमेटम को खारिज करते हुए अमेरिका की ''कड़े टैरिफ'' लगाए जाने की धमकी को अस्वीकार्य करार दिया। रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने मंगलवार को ज़ोर देकर कहा कि उनका देश यूक्रेन संघर्ष के कूटनीतिक समाधान का पक्षधर है और बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा यदि इसका उचित जवाब नहीं मिलता है और राजनयिक स्तर पर इससे कोई लक्ष्य हासिल नहीं होता है तो हमारा विशेष सैन्य अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि रूस अपनी बात पर अडिग है और हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) इसे गंभीरता से लेंगे। श्री ट्रंप ने मंगलवार को उन आरोपों का खंडन किया जिनमें कहा गया था कि उन्होंने यूक्रेन को रूसी क्षेत्रों में घुसकर हमला करने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन्होंने कहा कि वह इस संघर्ष में किसी का पक्ष नहीं ले रहे हैं और उन्होंने यूक्रेन को केवल यह सलाह दी कि उसे लंबी दूरी के हथियारों से ''रूस को निशाना नहीं बनाना ● शेष पेज 11 पर

न्यायालय वकीलों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा पर सुनवाई को तैयार

केंद्र और बार काउंसिल को जारी किया नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों के सामने आने वाली समस्याओं, खासकर उनके विशेषाधिकारों के उल्लंघन को लेकर दायर एक याचिका पर केंद्र और अन्य से को जवाब तलब किया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने शीर्ष अदालत के अधिवक्ता आदित्य गोरे की ओर से दायर याचिका पर केंद्र, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) और अन्य को नोटिस जारी किए।

सुप्रीम कोर्ट में वकीलों की समस्याओं को लेकर याचिका दायर करने वाले गोरे केंद्र सरकार से साल 2014 से अधिवक्ता (संरक्षण) विधेयक को आगे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

पीठ ने गोरे की याचिका को जांच एजेंसियों की ओर से मामलों की जांच के दौरान कानूनी राय देने या पक्षों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को तलब

करने के मुद्दे पर लंबित स्वतः संज्ञान मामले के साथ संलग्न कर दिया। गोरे की ओर से पेश वकील निशांत आर कटनेश्वरकर ने कहा, 'याचिकाकर्ता एक वकील हैं और वह लगभग 11 वर्षों से बार काउंसिल सहित संबंधित प्राधिकारियों से इस विधेयक का ● शेष पेज 11 पर

अदालतों में टॉयलेट की कमी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देश की अदालतों और ट्रिब्यूनल्स में शौचालय सुविधाएं सुनिश्चित करने के अपने फैसले के पालन में 20 उच्च न्यायालयों द्वारा अनुपालन रिपोर्ट दाखिल न करने पर गहरी नाराजगी जताई और उन्हें आखिरी मौका देते हुए आठ हफ्ते का वक्त दिया है। जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने सख्त लहजे में कहा कि यदि अगले आठ सप्ताह में रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई, तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी को अपने फैसले में कहा था कि उचित स्वच्छता तक पहुंच संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है। अदालत ने विभिन्न ● शेष पेज 11 पर

अयोध्या में फिर दिखेगा प्राण प्रतिष्ठा जैसा उल्लास

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि परिसर श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य नवंबर पूरा होने की संभावना है। इस अवसर पर 161 फीट ऊंचे शिखर पर ध्वज पताका फहरायी जायेगी।

सूत्रों के अनुसार प्राण प्रतिष्ठा की तरह शिखर पर ध्वज पताका लगाने का समारोह भी ऐतिहासिक होगा जिसकी भव्यता देखते ही बनेगी और प्राण प्रतिष्ठा की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं श्री राम मंदिर पर ध्वज पताका फहरा सकते हैं। यह समारोह 24, 25 नवंबर को हो सकता है क्योंकि 25 नवंबर को विवाह पंचमी है इसी दिन प्रभु श्री राम का विवाह संपन्न हुआ था और यह महोत्सव अयोध्या के सभी मंदिरों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। सूत्रों की माने तो एक बार फिर अयोध्या ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को एक बार पुनः प्राण प्रतिष्ठा की याद दिलाई जाएगी।इसके लिए अभी से तैयारियां शुरू

❐ शिखर पर ध्वज पताका लगाने का समारोह भी ऐतिहासिक होगा

कर दी गई है। देश-विदेश के संत, धर्माचार्य भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखा जा रहा है। उनकी लिस्टिंग की जा रही है। ट्रस्ट के द्वारा प्राण प्रतिष्ठा की तर्ज पर मेहमानों की सूची बनाने की तैयारी चल रही है, ताकि कार्यक्रम में कोई कमी न रह जाए। श्रद्धालु घर बैठे इस कार्यक्रम ● शेष पेज 11 पर

भारत को स्वदेशी ड्रोन रोधी प्रणालियों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए : सीडीएस

'कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हाल के वैश्विक संघर्षों में यह बात सामने आई है कि कैसे ड्रोन ''युद्ध के रणनीतिक संतुलन को गैर आनुपातिक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।''

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ड्रोन और काउंटर-अनमैन्ड एरियल सिस्टम (सी-यूएएस) (मानवरहित हवाई रोधी प्रणाली) में आत्मनिर्भरता भारत के लिए 'रणनीतिक रूप से अनिवार्य'' है। यहां 'मानेकशॉ सेंटर' में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दिखाया है कि क्यों स्वदेशी रूप से विकसित मानव रहित हवाई प्रणालियां (यूएएस) और सी-यूएएस ''हमारे क्षेत्र और हमारी जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण हैं''। 'यूएवी और सी-यूएएस के क्षेत्र में विदेशी ओईएम से वर्तमान में आयात किए जा रहे महत्वपूर्ण घटकों के स्वदेशीकरण'

❐ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने 10 मई को ड्रोन और लोटर हथियारों का इस्तेमाल किया

❐ ड्रोन और मानवरहित हवाई प्रणालियों में आत्मनिर्भरता भारत के लिए रणनीतिक रूप से अनिवार्य

विषय पर थिंक टैंक 'सेंटर फॉर ज्वाइंट वारफ़ेयर स्टडीज' के सहयोग से एकीकृत रक्षा कार्मिक मुख्यालय (एचक्यू-आईडीएस) की मेजबानी में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि यह आयोजन हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में हो रहा है जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' भी शामिल है। इस संघर्ष ने यूएवी और सी-यूएएस के सामरिक महत्व और परिचालन प्रभावशीलता को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य संबोधन में सीडीएस ने कहा कि ड्रोन वास्तविकता का प्रमाण हैं और हाल के संघर्षों में उनके व्यापक

उपयोग ने दिखाया है कि कैसे ड्रोन ''युद्ध के रणनीतिक संतुलन को गैर आनुपातिक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''ड्रोन का असमान उपयोग बड़े प्लेटफॉर्म को संवेदनशील बना रहा है और सेनाओं को हवाई रणनीतिक सिद्धांत, सी-यूएएस के विकास और इसके अनुकूल युद्ध कौशलों के वैचारिक पहलुओं पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करता है। सीडीएस ने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान ने 10 मई को हथियार रहित ड्रोन का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, ''हालांकि उनमें से कोई भी वास्तव में भारतीय सैन्य या नागरिक बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सका। जनरल चौहान ने कहा, ''उनमें से अधिकतर को मार गिराया गया जबकि कुछ को जस की तस अवस्था में बरामद किया गया। सीडीएस ने जोर देकर कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने ''हमें दिखाया है कि हमारे भूभाग और हमारी जरूरतों के लिए स्वदेशी रूप से विकसित यूएएस, सी-यूएएस क्यों महत्वपूर्ण हैं''। आत्मनिर्भरता के सिद्धांत को रेखांकित करते हुए जनरल चौहान ने कहा, ''हम उन आयातित विशिष्ट तकनीकों पर निर्भर नहीं रह सकते जो हमारे आक्रामक और रक्षात्मक अभियानों के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, ''विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है, उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को सीमित करती है और इसके कारण महत्वपूर्ण पुर्जों की कमी होती है। इस कार्यक्रम में सैन्य अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, नीति निर्माता और निजी उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वदेशीकरण के लिए एक ''रणनीतिक रोडमैप'' विकसित करना है, जिसका व्यापक उद्देश्य महत्वपूर्ण यूएवी और सी-यूएएस घटकों के लिए विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करना है। कार्यशाला के लिए अपने संदेश में सीडीएस ने लिखा, ''सुरक्षा बलों की आमने-सामने की लड़ाई के विपरीत इस तरह के परोक्ष युद्ध में तेजी के बीच यूएवी एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं। भारत जैसे राष्ट्र के लिए यूएवी और सी-यूएएस प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता न केवल एक रणनीतिक अनिवार्यता है, बल्कि यह भारत को अपनी नियति तय करने, अपने हितों की रक्षा करने और भविष्य के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाने के बारे में भी है

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने दिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश

मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए दिया गया भौतिक प्रशिक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 34 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु बुधवार को लखनऊ के आवास विकास आयुक्त सभागार में भौतिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के आगरा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, औरैया, कन्नौज, इटावा, लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, झांसी, जालौन, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट, गोण्डा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, फतेहपुर, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं, अलीगढ़, मुरादाबाद, गोरखपुर और पीलीभीत जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूची के अद्यतनीकरण तथा निर्वाचन संबंधी कानूनी प्रावधानों एवं नियमों की जानकारी दी गई।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रशिक्षण सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की मंशा है कि मतदाता सूची पूर्णतः त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी हो, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार सुनिश्चित हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि हर मतदेय स्थल पर अधिकतम 1200 मतदाताओं की सीमा का अनुपालन किया जाए तथा एक ही परिवार के सभी सदस्यों के नाम एक ही पोलिंग बूथ में दर्ज हों। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब जिला निर्वाचन अधिकारियों का इस स्तर पर भौतिक प्रशिक्षण कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विशेष पुनरीक्षण अभियान से संबंधित अधिकारी तकनीकी और प्रक्रियात्मक पहलुओं से भलीभांति परिचित हों सके। प्रशिक्षण में ईआरओ नेट, बीएलओ ऐप और वोटर हेल्पलाइन ऐप के उपयोग, मतदेय स्थलों के सम्भाजन, बीएलओ की नियमानुसार नियुक्ति और निर्वाचन संबंधी कानूनी दिशा-निर्देशों पर विशेष जानकारी दी गई। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करना आवश्यक है, ताकि उनकी सहभागिता और विश्वास सुनिश्चित हो सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आयोग द्वारा पात्र नागरिकों के लिए 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई और 01 अक्टूबर अर्हता तिथियां निर्धारित की गई है। फार्म 6 में नये मतदाताओं को जोडने, फार्म 7 में नाम हटाने और फार्म-8 में संशोधन से संबंधित जानकारी अधिकतम लोगों तक पहुँचाई जाए। दिव्यांग मतदाताओं को शत प्रतिशत चिन्हित किया जाए। मतदाता फोटो पहचान पत्र का पोस्ट ऑफिस से समन्वय कर समय से वितरण सुनिश्चित कराया जाए, एनजीएस पोर्टल पर प्राप्त हो रही शिकायतों का समय से गुणवत्ता के साथ निस्तारण कराया जाए। सभी मतदेय स्थलों का फील्ड वेरिफिकेशन कराकर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ नियमित रूप से बैठक की जाए तथा उन्हें प्रत्येक बूथ पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का अनुरोध किया जाए। वोटर रजिस्ट्रेशन पोर्टल तथा वोटर हेल्पलाइन ऐप का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए, जिससे कि प्रत्येक पात्र नागरिक ऑनलाइन माध्यम से अपना मतदाता आवेदन फॉर्म भर सकें। बीएलओ को निर्देशित किया जाए कि वे प्रत्येक नागरिक से सत्य और पूर्ण जानकारी प्राप्त करें और दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करें। प्रत्येक बीएलओ को त्रुटिरहित ऑनलाइन फीडिंग करने की ट्रेनिंग भी कराई जाए। प्रशिक्षण के अंत में प्रशिक्षण से संबंधित परीक्षा एवं मूल्यांकन भी कराया गया। इसके पूर्व जनपद मेरठ तथा वाराणसी में जिला निर्वाचन अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कराया जा चुका है।

अटाला बमबाजी मामले में दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, 17 जिंदा देशी बम बरामद

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के अटाला स्थित बक्शी बाजार में 8/9 जुलाई की रात हुई बमबाजी की घटना में वांछित दो अभियुक्तों को खुल्दाबाद पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के कब्जे से कुल 17 अवैध देशी जिंदा बम और ?395 नकद बरामद हुए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में जीशान पुत्र स्व. मो. अली निवासी जीटीबी नगर, थाना करैली, तथा अनीश अहमद पुत्र स्व. नियाज अहमद निवासी चकमीरापट्टी, थाना धूमनगंज शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि जीशान के पास से 9 और अनीश के पास से 8 देशी बम बरामद किए गए हैं। दोनों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के आधार पर उनके खिलाफ विस्फोटक अधिनियम की धारा 4/5 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। पुलिस टीम में चौकी प्रभारी अटाला उपनिरीक्षक सुरेन्द्र यादव सहित छह अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

प्रयागराज आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण में लगातार तीसरी बार फिसड्डी

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला एक बार फिर जनशिकायत निस्तारण प्रणाली में नाकाम साबित हुआ है। लगातार तीसरी बार यह जिला प्रदेश में 75वें स्थान पर बना हुआ है। मुख्यमंत्री पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरती जा रही है। अधिकारियों द्वारा शिकायतों पर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही, जिससे आमजन की समस्याएं बनी हुई हैं। कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। हाल ही में एक साथ 16 लेखपालों को निलंबित किया गया था, लेकिन महज दो दिन बाद ही सभी को बहाल कर दिया गया। जनता की शिकायतों को गंभीरता से लेने की बजाय विभागीय उदासीनता और लीपापोती से प्रयागराज की छवि पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब ज़रूरत इस बात की है कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि जवाबदेही तय हो सके।

संत रविदास शिक्षा सहायता योजना सहित BOC बोर्ड की योजनाओं में तेजी के निर्देश

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में उए बोर्ड की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष रूप से संत रविदास शिक्षा सहायता योजना में आवेदन बढ़ाने और अन्य योजनाओं को गति देने पर जोर दिया गया। सीडीओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों तक पहुंचे। साथ ही जीरो पॉवर्टी पंजीकरण की कार्यवाही को प्राथमिकता से पूर्ण करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में डीपीआरओ, बीएसए, डीआईओएस, डीसी मनरेगा, डीडीओ, उप श्रमायुक्त, सहायक श्रमायुक्त सहित सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों को योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट समयबद्ध ढंग से प्रस्तुत करने को कहा गया।

गैरइरादतन हत्या के आरोपी को सिविल लाइन्स पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना सिविल लाइन्स पुलिस ने गैरइरादतन हत्या के एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी की बल्ली का टुकड़ा (आलाकत्ल) बरामद किया है। आरोपी की गिरफ्तारी प्रयागराज जंक्शन के तीसरे मार्ग पर निर्माणाधीन बिल्डिंग के पास एक टीन की झोपड़ी से मुखबिर की सूचना पर की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान संजय निषाद पुत्र स्व. राम अवतार निषाद, निवासी मोहल्ला अंबेडकर नगर, नौबस्ता, थाना कोतवाली, जनपद हमीरपुर, उम्र 32 वर्ष के रूप में हुई है। उसके खिलाफ सिविल लाइन्स थाने में मु0अ0सं0-292/2025, धारा 105 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई पुलिस उपनिरीक्षक विनय कुमार यादव और राजेश कुमार सिंह की संयुक्त टीम द्वारा की गई। अभियुक्त के विरुद्ध विधिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर मध्य रेलवे ने 27 ट्रेनों के प्रयागराज व कानपुर स्टेशनों पर ठहराव समय में किया संशोधन, 15 सितंबर से लागू होंगे नए समय

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर मध्य रेलवे ने परिचालनिक कारणों से प्रयागराज और कानपुर सेंट्रल सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकने वाली कुल 27 ट्रेनों के ठहराव समय में आंशिक संशोधन किया है। यह बदलाव 15 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पूर्व संबंधित ट्रेनों के संशोधित समय की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। संशोधन के अनुसार, प्रयागराज स्टेशन पर रुकने वाली प्रमुख ट्रेनों जैसे 11062 जयनगरऽलोकमान्य तिलक टर्मिनस, 12559 बनारसऽनई दिल्ली, 12792 दानापुरऽसिकंदराबाद, 11072 बलियाऽलोकमान्य तिलक टर्मिनस, 14005 सीतामढ़ीऽआनंद विहार, 11034 दरभंगाऽपुणे, 15004 गोरखपुर कानपुर, 12311 हावड़ाऽकालका सहित कई ट्रेनों के ठहराव समय में बदलाव किया गया है। इसी तरह कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर गोरखपुर से आनंद विहार टर्मिनस तक चलने वाली ट्रेनों 12595 व 12571 के समय में भी आंशिक संशोधन किया गया है। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए यह निर्णय लिया है ताकि ट्रेनों की समयबद्धता और परिचालन को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके । अधिकांश ट्रेनों के नए ठहराव समय 15 से 20 सितंबर 2025 के बीच विभिन्न तिथियों से लागू होंगे।रेलवे ने सभी यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अपने निर्धारित स्टेशन पर ट्रेन के संशोधित आगमन व प्रस्थान समय की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट, रेलवे पूछताछ सेवा अथवा संबंधित स्टेशनों पर प्राप्त करें।

दवा लेने के लिए घर से निकले सीआरपीएफ जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

बंथरा, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इलाके के नरेरा गांव निवासी सीआरपीएफ जवान सर्वेश यादव (39) की मंगलवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक मौत हो गई। सर्वेश बीती 6 जुलाई को छुट्टी पर घर आए थे। वह मणिपुर की 69वीं बटालियन में तैनात थे। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 11 बजे सर्वेश दवा लेने के लिए बाइक से घर से निकले और करीब 12 बजे कटी बगिया स्थित एक निजी अस्पताल से दवा लिया कुछ देर बाद उन्हें कटी बगिया तिराहे से करीब 500 मीटर दूर कानपुर रोड की पटरी के किनारे बेसुध अवस्था में पाया गया। उनकी बाइक पास में ही खड़ी थी। स्थानीय लोगों ने सर्वेश के परिजनों को सूचना दी इसके बाद परिजन उन्हें तुरंत पास के निजी अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजन शव को घर ले गए और रात में सर्वेश के विभागीय अधिकारियों को सूचित किया। बताते हैं कि सर्वेश मूल रूप से उन्नाव जिले के सोहरामऊ स्थित शेखपुर गांव के रहने वाले थे। इस समय वह अपने फूफा सोभनाथ के घर पर पिछले 10 वर्षों से पत्नी निशा, बेटे अंशुल और बेटी अनन्या के साथ नरेरा में रह रहे थे। बंथरा पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच पड़ताल में मौत हार्ट अटैक की वजह से होना प्रतीत होती है लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही इसका सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे में युवक की मौत से गुस्साए परिजनों ने किया हाईवे जाम

नगर निगम ने चार लाख की सहायता देकर शांत कराया मामला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ, पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन कॉलोनी सेक्टर-9 में मंगलवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोहनलालगंज के गोपाल खेड़ा निवासी युवक अनुज की मौत हो गई। हादसे से आक्रोशित परिजनों ने बुधवार को शव को हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।सूचना मिलते ही प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। अधिकारियों की पहल पर मृतक परिवार को तत्काल चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई, जिसके बाद जाम हटवाकर स्थिति सामान्य कराई गई।मौके पर एसीपी रजनीश वर्मा, एसडीएम अंकित शुक्ला, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार व नगर निगम के जोनल अधिकारी पहुंचे। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर स्थिति संभाली और निगम की ओर से चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की। साथ ही पांच लाख की अतिरिक्त सहायता हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष से संस्तुति भेजी गई है।नगर निगम ने डूडा योजना के तहत पीड़ित परिवार को आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यदि परिवार रोजगार की मांग करता है, तो योग्यता के आधार पर नौकरी की व्यवस्था भी की जाएगी।नगर निगम के अनुसार मंगलवार को उद्यान विभाग की टीम क्षेत्र में वृक्षों की छंटाई कर रही थी। यह कार्य स्थानीय नागरिकों की शिकायत के आधार पर किया जा रहा था और मौके पर बैरिकेडिंग व सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था। इसी दौरान अनुज की बाइक लगभग 50 मीटर पहले फिसल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।नगर निगम ने दिखाई संवेदनशीलता, मुकदमा भी दर्ज नगर निगम के अधिकारियों अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, उद्यान अधीक्षक शशिकांत शशि, और जोनल अधिकारी अजीत राय ने अनुज के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की और सहायता की प्रक्रिया पूरी की।वहीं, पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि मामले में नगर निगम के अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।इस दुखद घटना के बाद नगर निगम लखनऊ द्वारा दिखाई गई त्वरित मानवीय संवेदनशीलता और सहायता की क्षेत्रवासियों ने सराहना की है। निगम ने स्पष्ट किया है कि घटना में विभागीय लापरवाही नहीं थी, फिर भी मानवता के नाते परिवार को हर संभव मदद दी जा रही है।

गंगा-यमुना में उफान, प्रयागराज के निचले इलाके जलमग्न, प्रशासन अलर्ट मोड पर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । शहर में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे शहर के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा गहराता जा रहा है। बघाड़ा, सलोरी, दारागंज, नयापुरवा और गंगानगर जैसे इलाके जलमग्न होने लगे हैं। प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 88 बाढ़ चौकियों की स्थापना की है। साथ ही गक्टक्कऔर ट्रक्टक्ककी टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में तैनात कर दी गई हैं। बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविर और पुनर्वास केंद्र खोले जा रहे हैं, जहां आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। जल पुलिस और ट्रक्टक्ककी टीमें लगातार गश्त कर रही हैं और स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में मदद कर रही हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते बांधों से छोड़े गए पानी ने गंगा और यमुना के जलस्तर में तेजी ला दी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, सरकारी निर्देशों का पालन करें और जरूरत पड़ने पर घर खाली करने को तैयार रहें। प्रशासनिक सतर्कता और जनसहयोग से ही इस आपदा से प्रभावी रूप से निपटा जा सकता है।

भ्रष्टाचार चरम पर, अपराध बढ़े, पुलिस वसूली में व्यस्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। एक ओर जहां प्रयागराज के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर थाना पुलिस पर अवैध वसूली और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि थाने में आम नागरिकों की शिकायतों पर बिना दलालों की मध्यस्थता के कोई कार्रवाई नहीं होती। थाने में दिन-रात दलालों की आवाजाही बनी रहती है और कई पुलिसकर्मी वर्दी की आड़ में खुलेआम लेन-देन और सौदेबाजी में लिप्त हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि थाने में यदि कोई निर्दोष व्यक्ति किसी मामले में पकड़ लिया जाता है, तो उसे कई-कई दिनों तक बिना अरेस्ट मेमो बनाए रखा जाता है। इसके बाद धन उगाही कर उसे छोड़ दिया जाता है। यह कार्यवाही सीधे तौर पर डीएस संहिता की धारा 35(सी) का उल्लंघन है, जिसमें गिरफ्तारी के समय अरेस्ट मेमो देना अनिवार्य है।

इलाके में चोरी, लूट, धमकी और मारपीट जैसे मामलों की शिकायतों को या तो दर्ज ही नहीं किया जाता, और यदि दर्ज किया भी जाता है, तो मामलों का खुलासा महीनों तक नहीं हो पाता। हाल के दिनों में कई घटनाएं ऐसी सामने आई हैं जिनमें एफआईआर दर्ज करने में जानबूझकर देरी की गई या फरियादियों को टाल दिया गया। क्षेत्रीय जनता और सामाजिक संगठनों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से थाना एयरपोर्ट की कार्यप्रणाली की जांच कराने और अवैध वसूली में लिप्त पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो जनआंदोलन किया जाएगा। प्रयागराज पुलिस प्रशासन के लिए यह एक चिंताजनक संकेत है, जिसे नजरअंदाज करना क्षेत्रीय कानून व्यवस्था पर गंभीर असर डाल सकता है।

विश्व युवा कौशल दिवस के समापन समारोह में दिखी विरासत और तकनीक का संगम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विश्व युवा कौशल दिवस 2025 के समापन समारोह के अंतर्गत बुधवार को दिनभर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन के इस अवसर पर आयोजित पैनल चर्चा का पारंपरिक एवं आधुनिक स्किलिंग में संतुलन विषय पर विशेषज्ञों ने पारंपरिक हस्तकला, बुनाई, बढ़ईगिरी जैसे हुनर से लेकर डिजिटल स्किल्स, एआई, ऑटोमेशन जैसी आधुनिक तकनीकों के बीच तालमेल स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार साझा किए। चर्चा के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि उत्तर प्रदेश के कौशल विकास ढांचे में अब परंपरा और तकनीक एक साथ चल रही हैं, जिससे युवा न केवल आत्मनिर्भर बन रहे हैं, बल्कि नवाचार के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं।

कौशल मेले में आयोजित नियोक्ता सम्मेलन में दो प्रमुख क्षेत्रों के सीईओ और एचआर हेड्स ने मंच से सीधे युवाओं से संवाद स्थापित किया। उन्होंने बताया कि उद्योगों को किस प्रकार के कौशल की आवश्यकता है।

उत्तर रेलवे

ई ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/पी0एस0, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल– वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/ लॉट सं0	PARKING-LKO-LKO-MX-156-25-3 (Parking Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	14.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.07.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.07.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं0/ लॉट सं0	PARKING-LKO-LKO-PR-82-25-2 (Parking Premium)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	14.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.07.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.07.2025 समय 10:40 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

No: C/113-E-Auction Policy/2024/SKS Dt. 15.07.2025 2146/2025

ग्राहकों की सेवा में बुलंदियों के साथ

महिला ने लगाया ससुराल वालों पर मारपीट करने और हत्या कराने का संगीन आरोप, मुकदमा दर्ज

बंथरा, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बंथरा निवासी एक गर्भवती महिला ने अपने ससुराल पक्ष पर अपने साथ मारपीट व हत्या का संगीन आरोप लगाकर स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार प्रियंका गुप्ता ने अपने पति विशाल गुप्ता, सास मंजू गुप्ता, ससुर सुनील गुप्ता और ननद प्रिंसी पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। पीड़ित महिला के अनुसार आरोपियों द्वारा दो साल से उसके साथ मारपीट की जा रही है। आरोपियों द्वारा उसको प्रताड़ित करने के साथ-साथ उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को भी नुकसान पहुंचाने सहित उसे जान से मारने की धमकी भी दी जाती है। प्रियंका ने बताया कि उसका फोन और जेवरात भी आरोपियों ने अपने पास रख लिए हैं। सास-ससुर डंडे और थप्पड़ से मारते हैं। एक बार पति ने उसके सीने में इतनी जोर से मारा कि उसे बहुत दर्द भी हुआ। इसके बाद उसे डॉक्टर के पास भी नहीं जाने दिया गया। पीड़िता के बताया कि ननद की शादी के बाद भी वह अपने भाई से उसे पिटवाती है। ननद ने उस पर लोहे की रॉड से हमला भी किया है। आरोपी घर में ताला बंद करके मारपीट करते हैं। बंथरा पुलिस पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

काकोरी व दुबग्गा में 4 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एलडीए ने अवैध प्लाटिंग के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए काकोरी और दुबग्गा क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई की। बुधवार को एलडीए की प्रवर्तन टीमों ने कुल चार अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-3 और जोन-7 की टीमों द्वारा की गई। प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे के अनुसार, काकोरी के ग्राम समदा में राम गोपाल यादव, सरोज, अजीम, बृज किशोर और अन्य लोगों द्वारा करीब 10 बीघा क्षेत्रफल में बिना ले-आउट स्वीकृति के अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इसके अलावा, दिव्यांशु यादव द्वारा ग्राम चकौली में लगभग 2 बीघा और अशोक लोधी द्वारा किसान पथ के पास लगभग 5 बीघा भूमि पर भी अवैध प्लाटिंग का कार्य कराया जा रहा था। एलडीए की टीम ने इन सभी स्थानों पर अवैध निर्माणों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया। इसी क्रम में, प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि दुबग्गा क्षेत्र में के.के. सोनी और अन्य द्वारा रिंग रोड स्थित एसएचएम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के पास लगभग 3500 वर्गमीटर क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। इस मामले में विहित न्यायालय से ध्वस्तीकरण के आदेश प्राप्त होने के बाद एलडीए टीम ने कार्रवाई करते हुए विकसित की गई सड़क, नाली, बाउंड्रीवॉल समेत अन्य निर्माण कार्यों को ध्वस्त कर दिया।

चौक मंडल के तीन डिविजनों में बिजली विभाग की छापेमारी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी में बिजली विभाग ने चोरी पर नकेल कसने के लिए एक बार फिर सख्ती दिखाई है। मंगलवार सुबह लखनऊ मध्य क्षेत्र के चौक मण्डल में आने वाले 3 डिवीजनों में बिजली चोरी के खिलाफ 'मॉर्निंग रेड' अभियान चलाया गया। जिसमें 31 उपभोक्ताओं को रंगे हाथों बिजली चोरी करते पकड़ा गया। विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इन सभी के कनेक्शन काट दिए और एफआईआर दर्ज करा दी गई है। यह विशेष अभियान चौक डिविज़न के अधिशासी अभियंता रमन वासुमित्रा, ठाकुरगंज डिविज़न के अधिशासी अभियंता दीपक कुमार व रेज़ीडेन्सी डिविज़न के अधिशासी अभियंता जय प्रकाश के नेतृत्व में चलाया गया था। जिसमे सभी उपखंड अधिकारी व सभी अवर अभियंताओं सहित विभाग के अन्य लोग भी शामिल थे। अभियान को लखनऊ मध्य क्षेत्र के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल और चौक सर्किल के अधीक्षण अभियंता रमेश चंद्र पांडे के निर्देश पर अंजाम दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि तोप दरवाजा, ओल्ड बालागंज, रामनगर, सज्जाद बाग, नेपियर मजार, रौजा गांव, एल. पी रोड, बारूद खाना, वजीरगंज थाने के पीछे, व बसीरत खाना, तकिया जंगली शाह, विक्टोरिया स्ट्रीट, शाहगंज, अशरफाबाद, रामगंज, गिरधारी लाल माथुर रोड, बेल का टीला, मुफ्तीगंज, लंगर खाना, जूता बाजार, तुलसीदास मार्ग आदि क्षेत्र में करीब 127 कनेक्शनों की जांच की गई। इस दौरान 34 उपभोक्ताओं को 72.16 किलोवाट ताकि बिजली चोरी करते पाया गया। इसमें से कुछ उपभोक्ता मीटर की टर्मिनल प्रोटेक्शन बाईपास कर और कुछ उपभोक्ता केवल पर डायरेक्ट कटिया मार कर बिजली चोरी करते पाये गए। अधीक्षण अभियंता रमेश चंद्र पांडे ने बताया कि सभी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया की बिजली चोरी पर सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति मिलती रहे।

ग्राम सेवई में 4 करोड़ की सरकारी भूमि अतिक्रमण से मुक्त

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ नगर निगम ने ग्राम सेवई, तहसील सरोजनी नगर में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 4 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। यह अभियान मंडलायुक्त और नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चलाया गया। अभियान का संचालन अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह द्वारा गठित विशेष टीम ने किया। कार्रवाई की निगरानी संपत्ति प्रभारी संजय यादव ने की थी जबकि टीम का नेतृत्व नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार कर रहे थे। नगर निगम के लेखपाल संदीप कुमार और अजीत तिवारी तथा थाना सुशांत गोल्फ सिटी से आई पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही। टीम ने खसरा संख्या 829/0.1910 में दर्ज 0.155 हेक्टेयर भूमि पर वर्षों से बने अस्थायी अवैध निर्माणों को जेसीबी मशीन की मदद से ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने विरोध भी जताया, लेकिन प्रशासन ने शांति बनाए रखते हुए पूरी कार्यवाही सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूरी की। नगर निगम के अनुसार, मुक्त कराई गई भूमि शासन के स्वामित्व में पुनः सुरक्षित दर्ज कर ली गई है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत,साथी घायल

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र अयोध्या रोड पर स्थित आदर्श ढाबे के पास सुबह तड़के करीब पौने चार बजे अपाचे मोटरसाइकिल से फैजाबाद की ओर जा रहे दो युवकों को बस ने टक्कर मार दी, इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची चिनहट पुलिस आनन-फानन में दोनों घायलों को राममनोहर लोहिया अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस्ती जिले के छावनी निवासी 20 वर्षीय अमित मिश्रा पुत्र आदित्य मिश्रा उपरोक्त निवासी अपने मित्र आयुष पांडेय पुत्र अजय पांडेय बुधवार सुबह तड़के करीब पौने चार बजे अपाचे मोटरसाइकिल नंबर यूपी 51 बीयू 3059 पर सवार होकर होकर लखनऊ से फैजाबाद की ओर जा रहे थे कि जैसे ही चिनहट क्षेत्र के अयोध्या रोड पर स्थित आदर्श ढाबे के पास पहुंचे कि तेज रफ्तार से लखनऊ से फैजाबाद की तरफ जा रही बस यूपी 40 बी टी 8377 के चालक ने जोर दार टक्कर मार दी। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा के मुताबिक इस हादसे में 20 वर्षीय अमित मिश्रा की मौत हो गई, साथ में जा रहा आयुष गंभीर रूप से घायल हो गया। इंस्पेक्टर का कहना है कि नंबर के आधार पर बस की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में घरवालों को इसकी जानकारी दे दी गई है। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

कृषि भूमि की जारी मूल्यांकन सूची पर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन की आपत्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संगठन द्वारा प्रति हेक्टेयर एक करोड रुपए की मांग

सहायक महानिरीक्षक निबंधन द्वितीय को चार सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

लखनऊ। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने लखनऊ जिले में जारी हुई कृषि भूमि की मूल्यांकन सूची पर आपत्रि दर्ज कराते हुए बुधवार को सहायक महानिरीक्षक निबंधन द्वितीय को चार सूत्रीय माँग पत्र सौंपा। संगठन के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पूर्वी प्रताप बहादुर की अगुवाई में आए पदाधिकारियों का कहना है कि कृषि भूमि में केवल 15 प्रतिशत सर्किल बढ़ाया गया है जो महंगाई के इस दौर में काफी कम है।

दूसरे प्रस्तावित मूल्यांकन सूची 2025 में जो वृद्धि शहरी क्षेत्र की भूमि के लिए दर्शाई गई है वह उसकी वास्तविक मूल्य से कई गुना अधिक है जबकि ग्रामीण क्षेत्र की कृषि योग्य भूमि की कीमत उसकी बाजार मूल्य से काफी कम करके आंकी गई है। बाजार मूल्यांकन के आधार पर किसी भी कृषि योग्य भूमि की वर्तमान बाजार कीमत एक करोड रुपए से कम नहीं है इसी बाजार मूल्य के आधार पर जनपद की निबंधन कार्यालय में रजिस्ट्रियां कराई गई/कराई जा रही हैं।

वर्ष 2015 से करीब 10 वर्ष के अन्तरात के बाद अब

प्रस्तावित मूल्यांकन सूची वर्ष 2025 में जारी की जा रही है जोकि वास्तविक भूमि के बाजार मूल्य से बहुत कम है जबकि मूल्यांकन सूची वर्ष 2014 व मूल्यांकन सूची वर्ष 2015 में की गई मूल्य वृद्धि के अनुपातिक रूप से काफी कम है।

संगठन के पदाधिकारियों ने मांग की कि प्रस्तावित मूल्यांकन सूची वर्ष 2025 में प्रस्तावित मूल्यांकन को संशोधित करते डुए वास्तविक बाजार मूल्य के आधार पर एक करोड रुपए प्रति हेक्टेयर सामान्य भूमि दर जारी की जाए। इस मौके पर अध्यक्ष प्रताप बहादुर के साथ प्रमोद कुमार जिला अध्यक्ष लखनऊ, हरपाल वर्मा मंडल महामंत्री, दिनेश यादव महामंत्री पूर्वी, अधिवक्ता नरेंद्र सिंह एवं जिला प्रभारी रितेश सिंह चौहान के साथ अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शालिनी बनीं पहली महिला पुलिसकर्मी पूरे इलाके में खुशी की लहर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शालिनी शुक्ला ने छतौनी समेत आस-पास के गांवों का किया नाम रोशन

नगराम , लखनऊ । मोहनलालगंज विकास खंड की ग्राम पंचायत छतौनी नगराम जनपद लखनऊ की शालिनी शुक्ला ने अपने हौसले और मेहनत से एक नया इतिहास रच दिया है। बेहद साधारण और गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाली शालिनी को पुलिस विभाग में नौकरी मिली है। वे गांव की पहली महिला हैं जिन्हें यह गौरव हासिल हुआ है। अब उनकी पोस्टिंग गोरखपुर में हुई है।शालिनी के पिता राजेन्द्र शुक्ला एक सुरक्षा गार्ड की नौकरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते रहे। कठिन हालातों के बावजूद उन्होंने अपनी बेटी की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। शालिनी भी बचपन से पढ़ाई में तेज थीं और अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित रहीं। कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने पुलिस विभाग में चयनित होकर पूरे गांव का नाम रोशन किया।शालिनी की इस उपलब्धि से छतौनी गांव ही नहीं, आसपास के क्षेत्र में भी खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर की और शालिनी को बधाई दी। गांव की बेटियों के लिए वह अब प्रेरणा बन गई हैं।परिजनों का कहना है कि शालिनी ने यह साबित कर दिया कि संसाधनों की कमी अगर इरादे मजबूत हों, तो रास्ते में रुकावट नहीं बन सकती। अब गांव की अन्य बेटियां भी शालिनी को आदर्श मानकर सरकारी सेवा में जाने का सपना देख रही हैं।सचमुच, शालिनी शुक्ला ने साबित कर दिखाया है कि मेहनत, हौसला और आत्मविश्वास से कोई भी सपना हकीकत में बदला जा सकता है।

सीपीएल पब्लिक इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने स्वर्ण पदक हासिल कर किया विद्यालय का नाम रोशन

प्रधानाचार्य वीरेन्द्र कुमार ने प्रतिभाग करने वाले सभी छात्राओं को दी शुभकामनाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम , लखनऊ । नगराम क्षेत्र के लक्ष्मणपुर स्थित सी.पी.एल पब्लिक इंटर कॉलेज में 252 छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग विषयों की ओलंपियाड परीक्षा में प्रतिभा किया। शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्रों को स्वर्ण पदक एवं कांस्य पदक व प्रमाण पत्र दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि ब्लूम ओलिंपियाड प्रतियोगिता जनवरी में हुई थी जिसमें 252 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा किया जिसमें कक्षा 11 की छात्रा अल्का पटेल ने राजनीति विज्ञान में अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया साथ ही कक्षा 6 के छात्र अभिनय कुमार ने गणित विषय में गोल्ड मेडल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया । कक्षा 11 की छात्रा आर्तिका पटेल ने राजनीति विज्ञान में , कक्षा 8 की छात्रा तनु यादव ने हिंदी में ,कक्षा 9 की छात्रा हर्षिता जनरल नॉलेज में , कक्षा 9 के छात्र अनिकेत पटेल ने रीजनिंग में कास्य पदक प्रदान किया बाकी सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र दिया गया । प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने छात्रों को उत्साहवर्धन किया तथा भविष्य में और अच्छा व शानदार प्रदर्शन करने हेतु शुभकामनाएं दी।

ऐतिहासिक बुद्धेश्वर धाम मेले में पहली बार इतिहास में पसरा सन्नाटा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी पारा लखनऊ ।मोहन रोड स्थित पौराणिक तीर्थ स्थल बुधेश्वर महादेव मन्दिर में सावन के प्रथम बुधवार को लगे मेले में इतिहास में पहली बार आने वाले भक्तगणों ने दूरी बना ली।जबकि इससे पूर्व इस दिन लाखों की संख्या में लोग दर्शन करने आते रहे हैं।बुद्धेश्वर मन्दिर के चारों तरफ प्रशासन की कड़ी नाकेबंदी रही।अबतक सावन के हर बुधवार को लाखों लोग दर्शन करते थे।वहीं मेले में झूलों सहित बच्चों के मनोरंजन के लिए लगे संसाधनों पर भी पूरी तरह से सन्नाटा पसरा रहा।

बुधेश्वर बाबा के दर्शन के लिए मन्दिर में मंगलवार की रात 12 बजे बुधेश्वर बाबा का फूलों,मिष्ठान व विभिन्न प्रकार के फलों से श्रृंगार किया गया।श्रृंगार के बाद मंदिर में महा आरती के पश्चात मन्दिर के कपाट कुछ देर के लिए बंद कर दिए गये।मन्दिर के कपाट रात 2 बंजे खुलते ही पूरा इलाका जयकारों से गूंज उठा।बुधेश्वर मन्दिर मेला कमेटी के सदस्य राजेश शुक्ला,तारा चन्द्र रावत,राम शंकर राजपूत,सूर्यकान्त गुड्डु,पिंटू गुप्ता के अनुसार इस बार पहली बार ऐसा हुआ है की जहां हर बार लाखों लोग दर्शन करते थे,वहीं इस बार लगभग एक लाख भक्तों ने ही दर्शन किए हैं।

मेले में लगी दुकानों पर भी सन्नाटा मेले में कॉस्मेस्टिक,बर्तन,खिलौना,चूड़ी,मिष्ठान,फूलपत्री,लकड़ी के फर्नीचर,लइयया,पट्टी,सहित अनेक प्रकार की दुकानें लगी हैं।साथ ही मनोरंजन के लिए एक आध छोटे,बड़े झूलों लगे हैं।जहां सन्नाटा रहा।मेले में घर ग्रहस्थी सहित करीब 260 दुकाने लगी हैं।

चाक चौबंद रही मेले की सुरक्षा

मेले की सुरक्षा को लेकर मेला कमेटी के लोग पूरी तैयारी के साथ मुस्तैद रहे।वही जिला प्रशासन ने पीएसी के साथ ही राजधानी के पारा,काकोरी,दुबग्गा सहित विभिन्न थानों की पुलिस को लगाया गया था।जिला प्रशासन की ओर से एक कैम्प लगाया गया।जहां से बराबर एलाउंस मेन्ट होता रहा।मेले की व्यवस्था मेला प्रभारी व पारा थान प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने संभाली रखी थी।

प्रशासन ने एक किमी पहले लगाया बैरियर पुलिस प्रशासन ने मेले की गंभीरता को देखते हुए मोहान रोड पर एक किलो मीटर पहले ही बैरियर लगाकर मेला की तरफ आने वाले ट्रैफिक को रोक दिया।जबकि आलमनगर रोड पर रेलवे ओवरब्रिज से ट्राफिक रोक दिया।यही स्थित लगभग अन्य मार्गो पर भी रही। बुद्धेश्वर मंदिर विकास महासभा के अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने इस बार भक्तगणों के मेले में कम आने का कारण बताया कि उप जिलाशिकारी सदर व पुलिस की कार्यशैली की वजह से भक्तों ने दूरी बना ली है,प्रशासन ने मंदिर आने वाले चारों तरफ के रास्तों पर नाकेबंदी कर दी है,जिससे यहां आने वाले लोगों में काफी नाराजगी है।इतनी दूरी पर रोक देना बहुत गलत है।

दुबई गई महिला के घर में चोरी,मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दूसरी घटना में रेकी करने के बाद घर में घुसे हथियारबंद बदमाश चोरी करने से रहे असफल सीसीटीवी में हुए कैद

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर में एक महिला के दुबई जाने के बाद उसके घर में चोरी हो गई। यहां के सैनिक सोसायटी कॉलोनी

की रहने वाली रोशिता सिं 2 जुलाई को दुबई गई थीं और 14 जुलाई को सुबह घरेलू कर्मचारी ने फोन कर चोरी की सूचना दी। रोशिता जब दुबई से वापस आई तो पाया कि घर से सोने,चांदी के विभिन्न प्रकार के आभूषण सिक्के व घड़ियां भी चोरी हो गए। जिनकी कीमत लगभग 50 हज़ार रुपये थी। पीड़िता ने सरोजनी नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ अपनी छानबीन कर रही है दूसरी तरफ क्षेत्र में ही कुछ हथियार बंद बदमाशों ने एक घर की रेकी करने के बाद चोरी करने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार विष्णु लोक कॉलोनी कानपुर रोड निवासी प्रशांत कुमार मिश्रा के घर में 12 जुलाई की रात 1:45 बजे यह घटना हुई। एक बदमाश बाउंड्री लांघकर घर में घुसा और उसने मकान का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की जब दरवाजा नहीं टूटा तो वह गेट कूद कर फरार हो गया। घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी में कुछ बदमाशों के चेहरे और हथियार भी दिख रहे हैं। प्रशांत कुमार के अनुसार बदमाश घर में लूटपाट अथवा हत्या करने की नीयत से ही दाखिल हुए थे। घटना के बाद परिवार सदमें में है और पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। फिलहाल सरोजिनी नगर पुलिस मामला दर्ज करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छानबीन कर रही है।

नगरामः समाजसेवी पवन कुमार के तृतीय पुण्यतिथि मनाई गई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और श्रद्धांजलि दी

नगराम , लखनऊ। नगराम क्षेत्र के अनैया खरगापुर निवासी समाजसेवी पंडित पवन कुमार की तृतीय पुण्यतिथि मनाई गई , इस अवसर पर शांति पाठ के साथ पवन कुमार के पुत्र अमरेंद्र भारद्वाज समेत समस्त भारद्वाज परिवार की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि समाज सेवा में पवन कुमार का बहुमूल्य योगदान रहा है , उनके ही पद चिन्हों पर उनके बेटे अमरेन्द्र भारद्वाज खरे उतरे हैं और समाज सेवा के लिए अग्रसर माने जाते हैं। वह चाहे स्वर्ण समाज का हो या चाहे दलित परिवार से हो हर प्रकार से सहयोग करते हैं। इस मौके पर पूर्व सांसद कौशल किशोर , भाजपा विधायक अमरेश रावत , पूर्व विधायक अमरीश रावत , जिला अध्यक्ष कंग्रेस रुद्र दमन सिंह , राम बहादुर रावत, गोसाईगंज ब्लॉक प्रमुख डिंपल वर्मा , मनीष त्रिपाठी अतुल प्रताप सिंह राजेश द्विवेदी , पतंजलि योग समिति गंगागंज अध्यक्ष नागेश वर्मा, शंभू नाथ पांडेय साथ में क्षेत्र के प्रधान अशोक रावत, सुनील पटेल , सूर्य कुमार द्विवेदी, वीरेन्द्र शंकर मिश्रा, अविचल शुक्ला , सुधांशु मिश्रा, अमरेन्द्र यादव , नवनीत सिंह समेत? भारद्वाज परिवार एवं निगोहा पत्रकार क्लब के कई पदाधिकारी एवं सदस्यों ने पहुंच कर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया । इस दौरान भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में पहुंचकर लोगों ने प्रसाद पाया।

फिक पुलिस का सराहनीय कार्य : यात्री का खोया बैग कराया बरामद

सरोजनीनगर कैनविज टाइम्स संवाददाता। ट्राफिक पुलिस के टीएसआई जयराज व हेड कांस्टेबल प्रशांत गंगवार ने बुधवार को चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दुबई जा रहे आजमगढ़ निवासी हवाई यात्री आशुतोष सिंह के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी। आशुतोष अपनी उड़ान पकड़ने के लिए एयरपोर्ट जा रहे थे लेकिन उनका बैग आटों में ही छूट गया। बैग में उनका पासपोर्ट, पैसे व कुछ जरूरी कागजात थे। उन्होने इसकी जानकारी ड्यूटी पर तैनात ट्राफिक पुलिस के टीएसआई को दी। टीएसआई ने हमराह हेड कांस्टेबल के साथ मात्र 15 मिनट मे उस आटो व उसके चालक को खोज निकाला तथा आशुतोष को उनका बैग सकुशल सौंप दिया। आशुतोष ने यातायात पुलिस कर्मियों के इस सराहनीय कार्य के लिए उनका आभार व्यक्त किया है।

ईमानदारी की मिसाल बनी मोहनलालगंज पुलिस, गुम हुए मोबाइल लौटाए, लौटाई मुस्कान

मोहनलालगंज कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से गुम हुए मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए। वर्षों से खोए फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई।एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के कुशल निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में यह सराहनीय कार्य किया गया। इस कार्रवाई को आरक्षी रवि सिंह ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अंजाम दिया।मोबाइल फोन सुपुर्दगी के दौरान एसीपी रजनीश वर्मा और प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने सभी फोन उनके असली मालिकों को विधिवत प्रक्रिया के तहत सौंपे।पुलिस का कहना है कि गुमशुदा मोबाइल की तलाश के लिए लगातार प्रयास किया गया। सर्विलांस, ऋख्रक्त्रट्रैकिंग और साइबर सेल की मदद से मोबाइलों का लोकेशन ट्रेस किया गया, जिसके आधार पर 12 फोन अलग-अलग स्थानों से बरामद किए गए।

स्मार्ट सिटी के सपनों में बह गया फरीदीपुर

स्मार्ट सिटी के सपनों में बह गया फरीदीपुर, कन्हैया माधोपुर द्वितीय वार्ड की गलियों में झलकता है जनता का दर्द

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य को विकास के रास्ते पर दौड़ाने का दावा कर रहे हैं। स्मार्ट सिटी, मेट्रो, इन्वेस्टर्स समिट, ग्लोबल इवेंट्स – प्रदेश को एक नए युग की ओर ले जाने की कोशिश हो रही है। लेकिन राजधानी लखनऊ के कन्हैया माधोपुर द्वितीय वार्ड का फरीदीपुर मोहल्ला कुछ और ही कहानी बयां करता है। वहाँ सड़कें टूटी पड़ी हैं, गलियों में नालियों का गंदा पानी भरा है, और जनता की आवाज़ प्रशासन की बहरी दीवारों से टकराकर लौट आ रही है। फरीदीपुर की हालत ऐसी है कि बारिश आते ही पूरी गली नाले में तब्दील हो जाती है। सड़कें कहीं दिखती ही नहीं, हर तरफ कीचड़ और बदबू। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए कुर्सियों का सहारा लिया जा रहा है, और बूढ़े लोग गलियों में गिरने से डरते हैं। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि कई बार नगर निगम को शिकायत दी, लेकिन कभी कहा गया 'साहब मीटिंग में हैं'।कभी 'बजट नहीं आया', तो कभी सीधा फोन काट दिया गया। जब कोई नगर आयुक्त से संपर्क करता है, तो फोन कोई अन्य व्यक्ति उठाता है और कहता है कि ल्लसाहब व्यस्त हैं। समस्या बता दीजिए। लेकिन समस्या बताने के बावजूद उसका हल कहीं नहीं दिखता। निराश जनता जब डीएम कार्यालय में संपर्क करती है। तो वहां भी फोन कोई और उठाता है और एक और नंबर थमा दिया जाता है। जब डीएम आवास पर फोन किया जाता है, तो जवाब मिलता हैः ल्लयहां से कुछ नहीं हो सकता। इस तरह जनता प्रशासनिक व्यवस्था के उस चक्रव्यूह में फँस जाती है जहाँ कोई भी जिम्मेदार सामने आने को तैयार नहीं होता। कन्हैया माधोपुर द्वितीय वार्ड के फरीदीपुर में जो हो रहा है।वह सिर्फ एक वार्ड की समस्या नहीं है। यह पूरे सिस्टम की असंवेदनशीलता का जीवंत उदाहरण है। पार्षद कहते हैं बजट नहीं आया, विधायक महीनों से नहीं दिखे। और सांसद दिल्ली से ट्वीट कर रहे हैं। मोहल्ले के युवाओं का कहना है कि अब वे खुद सड़क और नाली की सफाई करेंगे क्योंकि सरकार सिर्फ वादे करती है, काम नहीं।

एक स्थानीय निवासी सुनीता देवी का कहना है

बेटा, हमें अब कोई आस नहीं रही। कीचड़ से सने कपड़े पहनकर जीना सीख लिया है। बस बच्चों को स्कूल भेजने में डर लगता है, कहीं गिर ना जाएं।

सरकार कहती है कि लखनऊ स्मार्ट सिटी बनेगा, लेकिन स्मार्ट सिटी का सपना तब टूट जाता है जब राजधानी के अंदर ही लोग खुद कीचड़ साफ करने को मजबूर हो जाते हैं। मुख्यमंत्री के हवाई दौरे तो बहुत हुए, लेकिन ज़मीन पर जो गंदगी, दुर्गंध और जनता की चीखें हैं – वो किसी हेलीकॉप्टर से नहीं दिखतीं।

जब पत्रकार ने इस मुद्दे को डीएम ऑफिस में उठाया तो अनौपचारिक रूप से यह स्वीकार किया गया कि ल्लकुछ क्षेत्रों में प्रशासनिक लापरवाही हुई है। लेकिन यह 'लापरवाही' नहीं, जनता की उपेक्षा है। विकास के दावे तब खोखले लगते हैं जब राजधानी के बीचोंबीच लोग जिंदा रहने की बुनियादी लड़ाई लड़ रहे होते हैं। फरीदीपुर अब सिर्फ एक मोहल्ला नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की उन हज़ारों बस्तियों का प्रतिनिधि बन गया है जो आज भी विकास की राह में पीछे छूट गईं। अगर सरकार ने अब भी ध्यान नहीं दिया, तो जनता खुद मैदान में उतरेगी और इस बार हाथ में झाडू, फावड़ा और मोबाइल कैमरा लेकर।

प्रशासन ने दिया समाधान का आश्वासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ,दिव्यांगजनों के अधिकार और समस्याओं को लेकर मोहनलालगंज तहसील में बुधवार को दिव्यांग विकास सोसाइटी के पदाधिकारियों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर किए जा रहे इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन को प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल हस्तक्षेप किया।बुधवार दोपहर, एसडीएम अंकित शुक्ला और एसीपी रजनीश वर्मा स्वयं मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। दोनों अधिकारियों ने दिव्यांगजनों की समस्याएं सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी सभी जायज मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।प्रशासन की पहल पर प्रदर्शनकारियों को जूस पिलाकर उनकी भूख हड़ताल समाप्त कराई गई। इस मौके पर एक सकारात्मक माहौल देखने को मिला, जहां अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच सहयोगात्मक संवाद हुआ।अधिकारियों ने यह भी आश्वासन दिया कि बुधवार को तहसील परिसर में एक विशेष बैठक बुलाई गई है, जिसमें दिव्यांग विकास सोसाइटी के सभी पदाधिकारियों को बुलाया गया है। इस बैठक में उनकी सभी मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी और संभावित समाधान निकाला जाएगा।

दिव्यांग विकास सोसाइटी के पदाधिकारियों ने प्रशासन की तत्परता की सराहना की और उम्मीद जताई कि बुधवार की बैठक में उन्हें ठोस परिणाम मिलेंगे। दिव्यांग विकास समिति की प्रमुख मांगे

दिव्यांगों के लिए पेंशन में सुधार रोजगार एवं स्वरोजगार योजनाओं में प्राथमिकता स्थानीय सरकारी कार्यालयों में सुगम प्रवेश की व्यवस्था मेडिकल प्रमाणपत्र प्रक्रिया में पारदर्शिता इस प्रदर्शन ने एक बार फिर दिव्यांगजनों की समस्याओं को सार्वजनिक मंच पर लाकर खड़ा किया है। अब देखने वाली बात यह होगी कि बुधवार को होने वाली बैठक में प्रशासन उनके लिए क्या कदम उठाता है।

बिजनौर पुलिस ने लूट के आरोपियों को माल सहित किया गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सरोजिनी नगर। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीती 30 मई को सतगुरु पुत्र गुरु दयाल निवासी ग्राम शिवपुरा थाना नगराम द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात लुटेरों द्वारा उनका ऑटो वह मोबाइल लूट का मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इसके आधार पर बिजनौर पुलिस द्वारा घटना की छानबीन में लगातार जांच पड़ताल करते हुए लगभग 50 किलोमीटर के दायरे में सीसीटीवी कैमरे की छानबीन व सर्विलांस की मदद से मंगलवार को पुलिस ने लूट में शामिल इम्तियाज सिद्दीकी पुत्र कमालुद्दीन मियां निवासी ग्राम महुअवां थाना कटेपा जनपद गोपालगंज बिहार उम्र 19 वर्ष हाल पता किराए का मकान सुनील बिल्डिंग फूल बाग में लेकर रह रहा था दूसरा आरोपी आकाश सोनकर पुत्र अशोक सोनकर निवासी बालदा चमन टुलिया कैसरबाग मंडी थाना कैसरबाग हाल पता किराए का मकान बटहा थाना विकास नगर लखनऊ 26 वर्ष व तीसरे आरोपी सिद्धार्थ सागर पुत्र संजय सागर निवासी सुपर कॉलोनी अंजुमन हाल निकट गांधी पार्क ऐशबाग थाना बाजार खाला 25 वर्ष हाल पता डॉक्टर ताराचंद बिल्डिंग बर्लिंगटन थाना हुसैनगंज को पुराना गुडौरा थाना बिजनौर से टूट के माल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से लूटा गया आटो व मोबाइल फोन भी बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया।

खजुरा से लखुवाबेहड तक हर पंचायत में गूंज रहा सदभावना एसएचजी घोटाले का शोर

सकरन की ग्राम पंचायतों में सोकपिट, गोट शेड, इंटरलाकिंग निर्माण कार्यों में सद्भावना स्वयं सहायता समूह ने की बालू, मौरंग, सरिया, ईंट व अन्य सामग्री की आपूर्ति आखिर अन्य समूहों की भावना से एडीओ आईएसबी ने क्यों किया खिलवाड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन, सीतापुर। क्षेत्र की 85ग्रामपंचायतों में तकरीबन 1000के लगभग महिला स्वयं सहायता समूहों में लगभग 150-200 समूह कुछ नहीं कुछ काम करके आमदनी में इजाफा करते हुए महिला सशक्तिकरण की ओर उनमुख हैं पर अभी भी 70फीसदी से अधिक समूह सिर्फ कागजी कार्यवाही तक ही सीमित हैं उन समूहों पर ध्यान नहीं देकर क्षेत्र के मात्र एक सद्भावना स्वयं सहायता समूह को विशेषाधिकार प्रदान करते हुए एडीओ आईएसबी व बी एम एम सहित अन्य जिम्मेदारों ने ग्राम पंचायतों में करवाए जाने वाले निर्माण कार्यों की सामग्री आपूर्ति ही नहीं हैंडपम्प मरम्मत जैसे कार्यों की जिम्मेदारी सौंप दी जिसके चलते अन्य समूहों की महिलाएं अपनी माली हालत को सुधारने के लिए प्रशासन की ओर कातर निगाहों से देख रहीं पर सकरन में भ्रष्टाचार के आलम के आगे नतमस्तक सिस्टम ने एक ही समूह को लाखों रूपए हड़पने का मौका दे दिया।सद्भावना एसएचजी के द्वारा चिल्हिया, भिठमनी, लखनियापुर, अदवारी, खजुरा, अंगरासी व लखुवा बेहड़ में सामग्री आपूर्ति व सेवा प्रदाता के रूप में फर्जीवाड़ा करते हुए खूब लूट की गई। समूह संचालिका के लूटकांड की लिस्ट इतनी बड़ी है कि क्षेत्र का हरेक समूह सदस्य सोचने पर मजबूर हो जाएगा, सद्भावना एस एच जी जोकि मनरेगा कार्यों में डिस्प्ले बोर्ड/सीआईबी आपूर्ति का काम करती है इसी के आड़ में उक्त समूह ने लाखों की सामग्री आपूर्ति तो कर दी पर वो काम आज तक धरातल पर दिख ही नहीं रहे :ग्राम पंचायत कल्ली में 20 सोकपिट व कई गोट शेड को सामग्री आपूर्ति की गई पर तफ्तीश में वो धरातल पर नजर ही नहीं आ रहे, राजेश्वरी पत्नी केशवराम, रामप्यारी पत्नी श्रीराम, शांति पत्नी श्रीकृष्ण, रामदेई पत्नी राजाराम, सुनीता पत्नी रामलखन, रूपरानी पत्नी विशम्भर, रामलली पत्नी प्यारेलाल, जगदेई पत्नी अयोध्या, ग्वाला पत्नी गुरुचरण, जगरानी पत्नी खगेश्वर, मैकिन पत्नी रामस्वरूप, सुखदेई पत्नी सुंदर, शिवदेवी पत्नी ओमप्रकाश, शिवरानी पत्नी हशचंद्र, चंद्रा पत्नी कैलाश, पराना पत्नी परसादी, रंजना पत्नी रामसिंह, शिवरानी पत्नी सोबरन, राजेश्वरी पत्नी राकेश कुमार के सोकपिट व संध्या एस एच जी की सदस्य कमला व फूलझारा के गोट शेड को प्रेरणा एस एच जी से सामग्री आपूर्ति की गई यही नहीं मदनापुर, कल्ली व अम्बाई में 7इंटरलाकिंग निर्माण में लाखों रुपयों की सामग्री सद्भावना एसएचजी ने बगैर दुकान के आपूर्ति कर दी पर समूह के अध्यक्ष कोषाध्यक्ष व सचिव के अलावा कोई भी सदस्य गरीबी रेखा के बाहर नहीं आ सका।आखिर ऐसे स्वयं सहायता समूह के कृत्यों, खातों व प्रपत्रों की जाँच कब? उत्तर प्रदेश राज्य आजीविका मिशन को चिढ़ा रहे सद्भावना व प्रेरणा समूह के द्वारा सामग्री आपूर्ति किए गए प्रोजेक्ट्स की जाँचोपरान्त कार्यवाई कब?

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

सीतापुर। विकास खंड पहला, थाना रामपुर कला क्षेत्र के आजसमयः लगभग सुबह 11:30 बजे महमूदाबाद-सिधौली रोड पर ग्राम पंचायत नया गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। ग्राम पंचायत नयागांव मजरा बलसिंहपुर के निवासी लाल बहादुर उर्फ जियालाल, पुत्र शिवराज (उम्र लगभग 42 वर्ष) साइकिल से खाद लेने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक बाइक सवार (वाहन संख्या ठघ 34ए उ3292) ने लापरवाहीपूर्वक साइकिल में टक्कर मार दी।इस हादसे में लाल बहादुर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना में बाइक सवार समेत एक अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।सूचना मिलते ही बेहमा चौकी इंचार्ज दिनेश सिंह, हेड कांस्टेबल राजमंगल मौर्य ,हेड कांस्टेबल रमाशंकर यादव मौके पर पहुंचे और घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली पहुंचाया गया।प्राथमिक जाँच जारी है, और संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री से अवैध कब्जे की शिकायत कर लगाई न्याय की गुहार

दबंगों के द्वारा किया जा रहा अवैध कब्जा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । प्रदेश में योगी सरकार भा माफियाओं के खिलाफ लगातार अवैध कब्जा करने वालो के खिलाफ बुलडोजर की कार्यवाही कर रही है। इसके बावजूद प्रदेश में कुछ दबंग अवैध कब्जा करने लगे हुए है मामला सीतापुर जिले के मछरेहटा थानाक्षेत्र का है ग्राम पेरिया कोड़र निवासी वरिष्ठ पत्रकार धीरेन्द्र श्रीवास्तव जो जनसंदेश टाइम्स समाचार पत्र में शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संवाददाता है । उनकी पैतृक सक्रमणीय भूमि पर गांव के ही दबंग कब्जा कर रहे है पीड़ित पत्रकार ने मुख्यमंत्री जनता दर्शन में शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।है जिसमें कहा गया है कि मेरी पैतृक सक्रमणीय भूमि गाटा संख्या 412 व गाता संख्या 358 पर गांव के की दिनेश पुत्र पतिराखन रामसहाय पुत्र भूधर रामसेवक पुत्र भूधर आदि अवैध कब्जा कर रहे हैं मना करने पर गली गलौज करते है और दबंगई दिखाते है मेरी पैतृक भूमि पर अनाधिकृत कब्जा कर लिया गया है जो बीस बर्ष पूर्व मेरे पिता उमेश चंद्र ने बटाई पर दी थी और अब जबरन अपने खेत में मिला लिया है। मछरेहटा थाना प्रभारी अमित पांडेय को कई बार फोन करने के बाद भी फोन नहीं उठते है जिससे प्रतीत होता है कि स्थानीय पुलिस विपक्षी गणों से मिली हुई है इसके साथ क्षेत्रीय विधायक रामकृष्ण भार्गव व उनके पुत्र के विपक्षी रिश्तेदार है डीएम व पुलिस अधीक्षक से कई शिकायत करने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।एक माह से बराबर अधिकारियों के ऑफिस के चक्कर लगाकर थक गया हूं इसी लिए मुख्यमंत्री की शरण में पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है।

जहांगीराबाद में चार दशक बाद भी नहीं बना यात्री प्रतीक्षालय

कैनविज टाइम्स संवाददात

रोजाना चार दर्जन से अधिक रोडवेज बसों का रहता है आवागमन, सैकड़ों की संख्या में रोज निकलते हैं यात्री दिल्ली, लखनऊ सीतापुर, बहराइच तक जाती हैं रोडवेज की बसें

बिसवां, सीतापुर। बहराइच- सीतापुर अत्यंत व्यस्ततम मार्ग पर स्थित प्रमुख कस्बा जहांगीराबाद में चार दशकों बाद भी आजतक प्रार्थना बस स्टाप यात्री प्रतीक्षालय न बनाये जाने से यहां से प्रतिदिन अपने गंतव्यों तक जाने वाले सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। परिवहन निगम से लेकर जनप्रतिनिधि व ग्राम प्रधान कोई भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। सीतापुर - बहराइच मार्ग पर पड़ने वाले इस प्रमुख कस्बे से होकर प्रतिदिन कैसरबाग डिपो की लगभग 15 बसों का रेउसा तथा 5 बसों का जहांगीराबाद तक आवागमन रहता है। इसके अलावा प्रतिदिन दो रोडवेज की बसें बहराइच से दिल्ली जाती हैं वह भी इसी कस्बे से होकर गुजरती हैं। बहराइच से सीतापुर तक सुबह से शाम तक लगभग हर आधे घंटे बाद बसों का आना-जाना रहता है बावजूद इसके जहांगीराबाद में कोई भी प्रार्थना बस स्टाप यात्री प्रतीक्षालय न होने से सभी बसें नहीं रुकतीं तथा यात्रियों को धूप और बरसात में खुले में खड़े होकर बसों की प्रतीक्षा करने पर मजबूर होना पड़ता है।

इस संबंध में ग्रामीणों ने कई बार उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के अधिकारियों से लेकर विधायक, सांसद तथा ग्राम प्रधान से गुजारिश की परन्तु किसी ने भी आजतक ध्यान नहीं दिया। जब जब चुनाव आता है जनप्रतिनिधि सिर्फ आश्वासन देते हैं। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में यात्रियों का लखनऊ, सीतापुर, रेउसा, बहराइच, महमूदाबाद, सिधौली, लहरपुर आदि स्थानों के लिए जाना होता है। जहांगीराबाद निवासी डा0 फुरकान अहमद अंसारी ने बताया कि चालीस साल पहले भी जो बसें यहां रुकती थीं वह भी सड़क किनारे इधर उधर खड़ी होती थीं और इतने साल बीत जाने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है।

राम सिंह वर्मा ने बताया कि रोजाना आधा सैकड़ा बसों का आवागमन जहांगीराबाद होकर बना रहता है फिर भी कोई रोडवेज बसों का यात्री प्रतीक्षालय व प्रार्थना बस स्टाप न होने से रोडवेज की सारी बसें ड्राइवर नहीं रोकते जिससे डग्गामार का सहारा लेना पड़ता है। राकेश कुमार ने बताया कि रोजाना इस कस्बे से सैकड़ों यात्रियों का आना-जाना बना रहता है। अगर यात्री प्रतीक्षालय बनवा दिया जाये तो यात्रियों को धूप और बरसात से बचाव हो सकेगा।

रबी अहमद मंसूरी ने कहा कि इतने बड़े कस्बे में आजतक एक भी यात्री प्रतीक्षालय प्रार्थना बस स्टाप नहीं है। यात्रियों को देखते हुए यहां एक बड़ा बस स्टाप बनना चाहिए क्योंकि बहराइच और सीतापुर के बीच में यह कस्बा पड़ता है।

कृषकों को गुणवत्ता उर्वरक एवं उचित दर पर उपलब्ध कराने डीएम ने गठित किया टीम

उन्नाव। प्रमुख सचिव (कृषि) आदेश के परिपालन में कृषको को गुणवत्ता उर्वरक एवं उचित दर पर उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी द्वारा जिले मे 03 टीमे गठित की गई, जिसने रविचंद्र प्रकाश उप कृषि निदेशक व संबंधित उप जिलाधिकारी द्वारा पुरवा व बीघापुर तहसील, शशांक जिला कृषि अधिकारी व संबंधित उप जिलाधिकारी द्वारा बांगरमऊ व हसनगंज तहसील, व अनुराग कुमार वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप ए व संबंधित उप जिलाधिकारी द्वारा सदर व सफीपुर तहसील की उर्वरक दुकानो पर सघन छापेमारी का अभियान चलाया। संयुक्त टीमो द्वारा जनपद मे कुल 65 उर्वरक दुकानो का निरीक्षण किया गया तथा संदिग्ध स्टाक से 16 नमूना लिये गये, और 8 प्रतिष्ठानों को कारण बताओ नोटिस व 3 दुकान चौरसिया खाद भंडार मटुकरी, श्री वैष्णो कीटनाशक एवं खाद बीज भंडार ब्योली इस्लामाबाद, शुक्ला पेस्टिसाइड एंड खाद भंडार ब्योली इस्लामाबाद को मौके पर प्रतिष्ठान बंद कर दिए जाने के कारण लाइसेंस निलंबित किया गया। ग्रहित नमूनो को परीक्षण हेतु प्रयोगशाला मे भेजा जाएगा।

पहाड़पुर में मनरेगा बना भ्रष्टाचार का पर्याय फर्जी हाजरी का खेल जारी

फर्जी हाजिरी का खेल, एक फोटो से ही लगाई जा रही हाजिरी, विकास खण्ड मछरेहटा की ग्राम पंचायत पहाड़पुर का मामला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। विकास खंड मछरेहटा सरकार भले ही ग्रामीणों को रोजगार देने के लिए मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं चला रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। विकास खंड मछरेहटा की ग्राम पंचायत पहाड़पुर में मनरेगा अब रोजगार नहीं, लूट का जरिया बन चुका है।

फर्जी हाजिरी का खेल, एक फोटो से ही लगाई जा रही हाजिरी क्यों

सबसे बड़ा सवाल यह है कि मजदूरों की उपस्थिति दर्शाने के लिए एक ही फोटो को बार-बार अपलोड किया जा रहा है। जिसमे महिलाओ की भी हाजरी लगाई जा रही है। लेकिन फोटो में कही भी कोई महिला दिखाई नही दे रही है। आखिर यह चुप्पी क्या इस बात की ओर इशारा तो नहीं करती कि भ्रष्टाचारियों को कहीं न कहीं से संरक्षण प्राप्त है।

सवाल जो शासन से पूछे जाने चाहिए

कब तक मनरेगा के नाम पर लूटी जाती रहेगी सरकारी धनराशि

फर्जी हाजिरी डालने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं

क्या पहाड़पुर जैसे गांवों में गरीबों का हक छीनना ही अब सिस्टम बन चुका है मनरेगा का असली हकदार– मजदूर या माफिया अब क्या प्रशासन कोई कार्यवाही करता है या की है भ्रष्टाचारियो की ढाल बनकर खड़ा दिखता रहेगा

देवालय के दोनों तरफ मदिरालय, विकास भवन के निकट प्राचीन हनुमान मंदिर फिर भी चंद कदमों की दूरी पर आखिर कैसे मिला ठेका, आपत्तियां दरकिनार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर, खीरी। आबकारी विभाग नशेड़ियों के लिए ठेका खोलने को सारे नियम कायदे दरकिनार कर देता है। इसके लिए न तो स्कूल से दूरी देखी जाती है और ना ही मंदिरों से। ऐसा ही मामला शहर के विकास भवन रोड पर स्थित प्राचीन ''हनुमान मंदिर'' पर देखने को मिला हालांकि यहां पर सभी नियमों को ताक पर रखकर नियम विरुद्ध शराब के ठेके खुलवा दिये गये हैं।

क्या कहते हैं नियम कायदे

नियमों की बात करें तो मन्दिर या किसी भी धर्मिक स्थल व स्कूल के आस पास शराब की दुकान संचालित नही किया जा सकता लेकिन यहां शराब दुकान संचालित कर आबकारी विभाग नियम कायदों को बौना साबित कर रहा है।मंदिर से 200 मीटर के दायरे में शराब की दुकान नहीं खोल सकते, इसके बावजूद शहर में बने प्राचीन हनुमान मंदिर के दोनों तरफ चंद कदमों की दूरी पर शराब का ठेका कैसे खुल गया!

स्थानीय लोग कई बार जताई आपत्तियां सुनवाई शिफर रही

सूत्रों की मानें सालों से बेधड़क हनुमान मंदिर के दोनों तरफ देशी व अंग्रेजी शराब की बिक्री की जा रही है।स्थानीय लोगों ने नाम न जाहिर होने पर बताया कि प्राचीन हनुमान मंदिर के दोनों तरफ शराब की दुकानें काफी समय से खुली है यहां पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। जिसके कारण मुख्य मार्ग का माहौल खराब रहता है। लोग दुकान के बाहर ही खड़े होकर शराब पीते रहते हैं हालांकि ऐसे में महिलाओं व बच्चियों का तो शाम के समय निकलना ही मुश्किल हो जाता है।

आबकारी विभाग द्वारा नियम कायदों की उड़ाई धज्जियां

जिले में आबकारी विभाग ने नियम कायदों को ताक पर रख कर शराब दुकानें खुलवा दी है आबकारी विभाग को शराब दुकान खोलते वक्त न ही देवालय दिखाई दिया न ही विद्यालय और विभाग ने यहां मदिरालय खोल दी हालांकि लोग परेशान है मन्दिर के दोनों तरफ देशी व विदेशी शराब की दुकान हटाने को लेकर शिकायत की गई लेकिन हालात जस का तस ही बनी हैं।

क्या बोले हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी

इस बाबत में जब विकास भवन के निकट प्राचीन हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी मुकेश तिवारी से उक्त मामले में जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि नियमों को ताख पर रखकर हनुमान मंदिर के दोनों तरफ दुकानें चन्द कदमों की दूरी पर खुली है हालांकि काफी सालों से ठेके खुले हैं कम से कम 35 सालों से मैं इन हनुमान मंदिर का पुजारी हूं हालांकि शिकायतें की गई किन्तु कार्यवाही शून्य रही।

सुलह-संवाद से सजेगा न्याय का रास्ता

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार पूरे देश में 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखीमपुर खीरी के अध्यक्ष से0 माऊज बिन आसिम के निर्देशानुसार जिले में भी व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, वीरेंद्र नाथ पाण्डेय ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य दीवानी मामलों का त्वरित, सौहार्दपूर्ण और सुलभ निस्तारण सुनिश्चित करना है। वैवाहिक विवाद, सड़क दुर्घटना क्षतिपूर्ति, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक मामले, सेवा विवाद, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण जैसे कई मामलों को आपसी सुलह से सुलझाया जाएगा।उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में आगे आकर अपने मामलों को आपसी सहमति से निपटाएं और न्याय प्रणाली पर बोझ को कम करते हुए अभियान को सफल बनाएं।

तहसीलदार व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सील किया हास्पिटल

लखीमपुर खीरी। सीएमओ डॉक्टर संतोष गुप्ता के निर्देश पर अंजली देवी पत्नी विपिन कुमार निवासी हैदर नगर तीन माह पूर्व पथरी के ऑपरेशन के दौरान महिला की मेडोलक्स हॉस्पिटल काचियानी मितौली में मृत्यु हो गई थी। जिसको लेकर आज मितौली नवागत तहसीलदार व स्वास्थ्य विभाग के जांच टीम के अधिकारियों ने पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में हॉस्पिटल को सीज कर दिया गया है।

पसगवां पुलिस ने अवैध तमंचा-कारतूस के साथ एक को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी, संकल्प शर्मा द्वारा जनपद खीरी में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी मोहम्मदी के कुशल मार्गदर्शन एवं थानाध्यक्ष पसगवां के नेतृत्व में थाना पसगवां पुलिस द्वारा एक अदद अवैध देशी तमंचा 315 बोर व एक अदद जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद कर अभियुक्त आशीष कुमार मिश्रा पुत्र राम लड़ैते मिश्रा निवासी राजापुर बेनी थाना मोहम्मदी जनपद खीरी को गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना पसगवां पर मु0अ0सं0 263/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रहा है।

भट्ट पुरवा कला में शिव मंदिर का निर्माण, 21 जुलाई को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह

धौरहरा खीरी। दिल्ली के सुप्रसिद्ध शिवभक्त और पेशेवर डॉक्टर, डॉ. संजय कुमार सिंह, पुत्र श्री सत्य कुमार सिंह, ने अपने पैतृक गांव भट्ट पुरवा कला में नीलेश्वर नाथ महादेव मंदिर का भव्य निर्माण करवाया है। सावन माह के पावन सोमवार, 21 जुलाई को इस मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन होगा। यह पावन कार्य चार विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार और वैदिक विधियों के साथ संपन्न किया जाएगा।डॉ. संजय कुमार सिंह ने बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व मध्यरात्रि में उन्हें एक दिव्य स्वप्न आया था, जिसमें स्वयं भगवान नीलकंठ महादेव ने दर्शन देकर एक भव्य शिवलिंग की स्थापना का संकेत दिया। इस अलौकिक स्वप्न के बाद उनकी नींद उड़ गई और तभी से उन्होंने मन में संकल्प लिया कि वे भोलेनाथ के लिए एक भव्य मंदिर बनाएंगे।संकल्प के साथ उन्होंने दिन-रात मेहनत कर मंदिर निर्माण का कार्य आरंभ किया और अब उस संकल्प को पूर्ण करते हुए, सावन के पावन अवसर पर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस मंदिर का नाम ''नीलेश्वर नाथ महादेव मंदिर'' रखा गया है।यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पूरे क्षेत्र के श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ा आध्यात्मिक उत्सव भी बनने जा रहा है। ग्रामीणों और भक्तों में इस समारोह को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का किया गया आयोजन

सीतापुर । किसान दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में दिनांक 16.07.2025 को मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में कृषि उत्पादन से सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगणों के साथ ही किसान एवं किसान यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। किसान दिवस में उप कृषि निदेशक, सीतापुर के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया गया। गत माह के किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों की निस्तारण स्थिति से जिला कृषि रक्षा अधिकारी, सीतापुर द्वारा अवगत कराया गया। बैठक में किसानों एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि बाजार में यूरिया एवं डी0ए0पी0 कम मात्रा में उपलब्ध है, जिससे किसानों को काफी परेशानी हो रही है। इसके क्रम में जिला कृषि अधिकारी, सीतापुर के द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद की लगभग समस्त साधन सहकारी समितियों पर उर्वरक उपलब्ध करा दिये गये है। जिला कृषि अधिकारी ने किसान भाई से अनुरोध किया कि आप लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरकों का क्रय करें एवं खेत में संस्तुत मात्रा में ही उर्वरक का उपयोग करें, अनावश्यक किसी भी प्रकार के उर्वरकों का भण्डारण न करें। यदि जनपद में कहीं भी उर्वरकों का विक्रय निर्धारित मूल्य से अधिक मात्रा में या किसी अन्य सामग्री को टैग करके किया जा रहा है तो उसकी सूचना तत्काल कृषि विभाग के अधिकारी को दे, उस पर त्वरित कार्यवाही की जायेगी। किसान भाई उर्वरक या अन्य कृषि से सम्बन्धित सामग्री जैसे बीज, कीटनाशक का क्रय करते समय विक्रेता से बिल अवश्य प्राप्त कर लें। यदि कोई विक्रेता बिल देने से इनकार करता है तो उसकी भी सूचना दें।

डीएम व एसपी ने राहत शिविरों और बाढ़ चौकियों का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और अपर पुलिस आयुक्त शिवहरी मीना ने बुधवार को राहत शिविर, बाढ़ चौकी प्राथमिक विद्यालय, सलारपुर विधानसभा क्षेत्र चिरईगाँव का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को जरुरी दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों और आसपास की बाढ़ चौकियों के बारे में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली और वहाँ आए लोगों से बातचीत भी किया। कहा कि राहत शिविर में आए परिवारों को सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जाए ताकि विस्थापित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।बाढ़ चौकी प्राथमिक विद्यालय, सलारपुर के निरीक्षण उन्होंने शिविर में आए लोगों की संख्या, उनके खाने पीने, रहने आदि के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार को हाईजेनिक किचन, शौचालय, गैस कनेक्शन, मेन्यू के अनुसार भोजन, टेंट की व्यवस्था, मौके पर डॉक्टर की उपलब्धता, विद्युत सेफ्टी,बेहतर साफ सफाई के प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फॉगिंग व चुनें का छिड़काव भी लगातार कराते रहें। जिलाधिकारी ने जनपद की सभी बाढ़ राहत चौकियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया, साथ ही बाढ़ से संबंधित सभी विभागों को भी तैयार रहने का निर्देश दिया।कहा कि राहत एवम सुरक्षा कार्यों में किसी भी तरीके की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।एसडीएम सदर ने बताया कि जनपद में 46 राहत शिविर बनाए गए हैं जिसमें से नगरीय क्षेत्र में 27, ग्रामीण क्षेत्र में 10, राजातालाब तहसील में 06 और पिंडरा में तीन राहत शिविर बनाए गए हैं। जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर से कहा कि वरुणा के तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ का विशेष प्रभाव है, लिहाजा इस क्षेत्र में सतर्कता बरती जाए।उन्होंने बाढ़ के लिए संवेदनशील तहसीलों(सदर और राजातालाब) के लिए सभी विभागों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम सदर अमित कुमार, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जोनल, संबंधित थानो के प्रभारी सहित अन्य अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत मटेहनी में सड़क पर जल भराव होने से ग्रामीणों ने जिला अधिकारी को दिया प्रार्थना पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद की विकासखंड धौरहरा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मटेहनी के मजरा शाहपुरवा में दर्जनों ग्रामीणों के द्वारा जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र दे कर अवगत कराया है कि हमारे गांव में पच्चीस वर्ष पुराना खड़ंजा लगा है, जिस पर हल्की सी बरसात में सड़क पर जल भराव हो जाता है और कीचड़ जमा हो जाता है।ग्रामीणों का आरोप है कि हनुमान यादव के घर से मेवालाल गुप्ता के घर तक करीब पंद्रह बीस वर्ष पुराना खड़ंजा लगाया गया था जो पूरी तरह से धस? गया है जिस पर हल्की सी बारिश होने पर जल भराव हो जाता है जिस पर बड़ी किल्लत झेलनी पड़ती है। जलभराव होने के कारण छोटे बच्चों को स्कूल तक पहुंचने में परेशानियां होती हैं और गांव में डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों ने की मांग

ग्रामीणों की मांग रास्ते की जांच कर रास्ते की इंटरलॉकिंग रोड का निर्माण करवाया जाए,जिससे ग्रामवासियों को जलभराव होने की समस्या का सामना करना न पड़ें। ग्रामीणों ने बताया कुछ दिन पहले खण्ड विकास अधिकारी धौरहरा को भी अवगत कराया गया था लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। शिकायत कर्ताओं को प्रधान दे रहे धमकी कह रहे चाहे जो भी करो रास्ता नहीं बनेगा?अब आगे देखना यह है कि जांच कर क्या कार्रवाई होती हैं या नही?

शिक्षक, साहित्यकार व सामाजिक कार्यकर्ता बनाएंगे भारत को विकसित: महेश चंद्र गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जन दृष्टि (व्यवस्था सुधार मिशन) के प्रेरणा पुंज देश के महान से शिक्षक स्व संतपाल सिंह राठौड़ की ग्यारहवीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पैतृक गांव नवीगंज में स्थित परिजनों व ग्राम वासियों द्वारा समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई साथ ही उनकी स्मृति में देश भर में उनके अनुयायियों द्वारा, संगठन के कार्यकर्ताओं, सहयोगियों, पदाधिकारियों व देश भर के उत्कृष्ट शिक्षकों द्वारा वृक्षारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। प्रभा शंकर मेमोरियल स्काउट भवन बदायूं में आयोजित दशम संतपाल सिंह राठौड़ स्मृति राष्ट्रीय सम्मान समारोह विकसित भारत को समर्पित रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक बिल्सी हरीश शाक्य व सन्त पाल सिंह राठौड़ के चित्र पर पुष्पार्चन कर, दीप प्रज्वलित कर किया गया। तदंतर राष्ट्र राग रघुपति राघव राजाराम व ध्येय गीत जीवन में कुछ करना है तो मन को मारे मत बैठो का सामूहिक गायन किया गया तथा संविधान की प्रस्तावना का भी सामूहिक वाचन हुआ। रुक्मिणी निषाद, बिहार द्वारा योग पर संगीत मय प्रस्तुति दी गई, जम्मू की आलिया थापा ने डोगरी नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। तत्पश्चात अतिथिगण द्वारा देश के अट्ठाईस राज्यों से आए १२५ उत्कृष्ट शिक्षकों को संतपाल सिंह राठौड़ स्मृति राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान २०२५ से सम्मानित किया। ७५ महानुभावों को उल्लेखनीय कार्य के लिए सन्त पाल सिंह राठौड़ स्मृति प्रकृति प्रहरी अलंकरण २०२५, नारी शक्ति अलंकरण २०२५, समाजसेवी सम्मान २०२५ तथा भारतीय हिन्दी सेवी सम्मान २०२५ से विभूषित किया गया।सम्मान समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध शिक्षाविद राम बहादुर पांडेय ने की मुख्य अतिथि के रूप में नगर विधायक व पूर्व मंत्री महेश चंद्र गुप्ता, विधायक बिल्सी हरीश शाक्य उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उप निदेशक माई भारत भारत सरकार छत्तीसगढ़ डॉ दिनेश यादव, स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश के प्रादेशिक उपाध्यक्ष व मुख्यायुक्त महेश चंद्र सक्सेना, ब्लाक प्रमुख दातागंज अतेंद्र विक्रम सिंह, डॉ कमला महेश्वरी, सेवा निवृत ए डी एम राम वीर सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रुप में विचार व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री व नगर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि बदायूं में पूरे भारत के दर्शन हो रहे हैं। उत्कृष्ट शिक्षकों के सम्मान का आयोजन एक सराहनीय पहल है।

उप निदेशक माई भारत छत्तीसगढ़ डॉ. दिनेश यादव ने कहा कि संत पाल सिंह राठौड़ एक आदर्श शिक्षक रहे हैं, उनकी स्मृति में आयोजित होने वाला यह समारोह प्रतिष्ठा प्राप्त करने के साथ ही वृहद स्वरूप ले चुका है

इस आयोजन से जुड़े संगठन के समस्त पदाधिकारी प्रशंसा के पात्र हैं। संत पाल सिंह राठौड़ स्मृति राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 2025 प्राप्त करने वाले सभी शिक्षक बधाई के पात्र हैं। आशा है कि सभी सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षक भारत को विकसित बनाने हेतु निरंतर नवीन ऊर्जा के साथ कार्य करते रहेंगे। शिक्षक, साहित्यकार और सामाजिक कार्यकर्ता भारत को विश्व गुरु बनाने में सहायक होंगे। देश को संतपाल सिंह राठौड़ जैसे महान शिक्षकों की जरूरत है। विधायक बिल्सी हरीश शाक्य ने कहा कि देश और समाज में सर्वाधिक आदर और सम्मान का पात्र शिक्षक होता है। शिक्षक को इस देश में राष्ट्रपति बनने का गौरव प्राप्त हुआ है, वहीं पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए पी जे कलाम ने कार्यकाल पूरा करने के पश्चात शिक्षक की भूमिका में आना अपना सौभाग्य समझा। शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं।

उत्कृष्ट शिक्षकों के सम्मानित होने से निश्चित रूप से युवा शिक्षक प्रेरणा प्राप्त करेंगे। संस्कारी नागरिकों का निर्माण कर भारत को विकसित बनाने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उप निदेशक माई भारत छत्तीसगढ़ डॉ दिनेश यादव ने कहा कि संत पाल सिंह राठौड़ एक आदर्श शिक्षक रहे हैं, उनकी स्मृति में आयोजित होने वाला यह समारोह प्रतिष्ठा प्राप्त करने के साथ ही वृहद स्वरूप ले चुका है। आज जन दृष्टि व्यवस्था सुधार मिशन के तत्वावधान में देश और दुनिया के 125 चयनित शिक्षकों को संत पाल सिंह राठौड़ स्मृति उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 2025 प्रदान किया गया है। ऐसे आयोजन सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अच्छे कार्यों की सराहना और प्रोत्साहन से हम सुपरिणाम प्राप्त कर सकेंगे। जन दृष्टि व्यवस्था सुधार मिशन के अध्यक्ष संस्थापक हरि प्रताप सिंह राठौड़ एडवोकेट ने संगठन के कार्यों और आयोजन की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन शिक्षकों को देश में विशिष्ट नागरिक का दर्जा प्रदान कराए जाने , स्नातक तक की निशुल्क शिक्षा दिए जाने के साथ ही भारतीय संविधान के अनुच्छेद २१ क तथा निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००९ को पूरी तरह क्रियाशील बनाए जाने के लिए देश व्यापी अभियान चलाएगा।

किशोरी ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

बदायूँ। अलापुर थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी ने गांव के ही एक युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। इस आरोप से पहले किशोरी के भाई ने आरोपी के खिलाफ छेड़खानी व जातिसूचक शब्द कहने के आरोप लगाए थे। इस आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो व एससीएसटी एक्ट के तहत छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस दुष्कर्म के आरोप की जांच कर रही है !अलापुर थानाक्षेत्र के एक कस्बा निवासी युवक ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि बीते दिन को शाम पांच बजे उसकी 15 वर्षीय बहन घर से बाहर गोबर डालने गई थी। वहां उसे एक युवक मिल गया। उसने बहन के साथ छेड़खानी की। विरोध करने पर उसके कपड़े फाड़ दिए। बहन ने शोर मचाया तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। आरोपी ने जाति सूचक शब्द भी कहे। इस आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। इधर, मंगलवार सुबह किशोरी ने मीडिया के सामने आकर आरोपी पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू कर दी। वही अलापुर इंस्पेक्टर ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। एक युवक हिरासत में दिया गया है उसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। आरोप सही पाए जाते हैं तो दर्ज रिपोर्ट में दुष्कर्म की धारा बढ़ा दी जाएगी। और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चौथे दिन भी नहीं लग सका गंगा में बहे हाथरस के युवक का सुराग

बदायूं। चौथे दिन भी गंगा में बहे हाथरस के छात्र का सुराग नहीं लग सका। हाथरस जिले के चंदपा थानाक्षेत्र के गांव भगना निवासी अभिषेक (18) रविवार की शाम को अपने 25 साथियों के साथ डाक कांवड़ लेकर कछला गंगा घाट पर आया था। उसका जत्था कासगंज की ओर रुका था। रात करीब एक बजे सभी गंगास्नान व जल भरने के लिए गंगा पर गए। गंगास्नान के दौरान गहरे पानी में जाने से अभिषेक डूबने लगा। जब तक गोताखोरों को बुलाया गया वह गंगा के तेज बहाव में बह गया।रात होने की वजह से गोताखोर उसकी तलाश नहीं कर सके। सोमवार व मंगलवार को अभिषेक की तलाश के लिए फ्लड पीएसी व गोताखोरों को गंगा में फिर उतारा गया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। थाना प्रभारी नीरज मलिक ने बताया कि गोताखोर लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन लापता छात्र का सुराग नहीं लग सका है।

हत्यारोपी शौर्य के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल

बदायूं। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने 15 जून को एमकॉम के छात्र कर्तव्य पटेल की हुई हत्या के मामले में हत्यारोपी शौर्य के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। हत्याकांड की विवेचना इंस्पेक्टर सिविल लाइंस मनोज कुमार ने की है।सिविल लाइंस थानाक्षेत्र के गांव बदरपुर निवासी कर्तव्य पटेल (24) एमकॉम का छात्र था। वह 15 जून की सुबह डीएम रोड पर टहलने निकला। तभी पीठ में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई थी। कर्तव्य पटेल के भाई हिमांशु पटेल ने डीएम रोड निवासी शौर्य ठाकुर के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। वहीं, परिजनों ने एक नेता पर हत्यारोपी की मदद करने का आरोप लगाया। परिजनों ने शहर में कैंडल मार्च निकालकर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। इसके बाद बैकफुट पर आई पुलिस ने अगले दिन ही घौंचा मोड़ के पास से शौर्य ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से तमंचा भी बरामद किया। पुलिस की पूछताछ में हत्यारोपी ने बताया कि वारदात के समय वह अपने कुत्ते को डीएम रोड पर टहलाने निकला था। इसी दौरान उत्कर्ष मिश्रा अपने दोस्तों कर्तव्य पटेल, अजय पटेल व रजत यादव के साथ दो बाइकों से आया। इन युवकों से उसकी बहस हुई। इससे उसे लगा कि वे लोग उसकी हत्या के इरादे से आए है। इससे वह घर से तमंचा निकाल लाया और उसने दो फायर किए। जिसमें एक गोली कर्तव्य पटेल की पीठ में लग गई। हत्याकांड की विवेचना इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने की। पुलिस ने हत्यारोपी के खिलाफ अहम साक्ष्य संकलित किए। एक महीने चली विवेचना के बाद पुलिस ने शौर्य ठाकुर के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। कर्तव्य हत्याकांड में हत्यारोपी के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में कई अहम साक्ष्यों के साथ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, गवाह व परिजनों के बयानों को आधार बनाया गया है।-रजनीश उपाध्याय, सीओ सिटी

जिला स्तरीय स्थाई समिति की बैठक संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद स्तर पर जिला प्रशासन व पत्रकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण सम्बंध स्थापित करने तथा प्रेस की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से गठित जिला स्तरीय स्थाई समिति की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। एडीएम प्रशासन ने कहा कि पत्रकार संविधान का चतुर्थ स्तंभ है इसलिए उनकी समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक के दौरान पत्रकारों ने अपना-अपना परिचय दिया तथा रोडवेज बसों में मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सुगमता के लिए सूची को सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज को उपलब्ध कराने के अनुरोध पर एडीएम प्रशासन ने सूची को एआरएम रोडवेज को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए वहीं आयुष्मान कार्ड को ठीक कराने के लिए प्रभारी आयुष्मान कार्ड जिला अस्पताल से समन्वय करने के लिए भी कहा गया। बैठक के समन्वय व जिला सूचना अधिकारी आशुतोष चन्दोला ने बैठक की मूल भावना व उद्देश्य से समिति के सदस्यों को अवगत कराते हुए बताया कि जनपद स्तर पर जिला प्रशासन व पत्रकारों के मध्य सौहार्दपूर्ण सम्बंध स्थापित करने तथा प्रेस की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया जाता है, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पदेन सदस्य होते हैं इसके अतिरिक्त चार मान्यता प्राप्त पत्रकार तथा एक पत्रकार ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रतिनिधि के रूप में समिति में नामित होते हैं तथा जिला सूचना अधिकारी इसके सदस्य सचिव होते हैं। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशों के क्रम में प्रत्येक माह बैठक का आयोजन कराने के निर्देश प्राप्त हुए हैं जिसका अनुपालन कराया जा रहा है।

29 जुलाई को दिव्यांगजनों हेतु होगा मोबाइल कोर्ट का आयोजन

बदायूँ। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 की मूल भावना के अनुसार सुदूरवर्ती पिछड़े क्षेत्रों व ग्रामीण इलाकों के लोगों (दिव्यांगजन), जोकि सरकार द्वारा उनके अधिकार एवं सुविधाओं हेतु चलाई जा रही योजनाओं व परियोजनाओं सें जागरूक नहीं हैं, के मध्य जागरूकता बढ़ाने के लिए व प्रभावी भागीदारी दिलाए जाने एवं उनकी समस्याओं के त्वरित रूप से स्थानीय स्तर पर निस्तारित कराए जाने के उद्देश्य से राज्य आयुक्त द्वारा जनपद बदायूँ हेतु 29 जुलाई 2025 निर्धारित करते हुए मोबाइल कोर्ट का आयोजन कराए जाने का निर्णय लिया गया है उन्होंने बताया कि 29 जुलाई 2025 को राजकीय महाविद्यालय आवास विकास कॉलोनी में प्रातः 10:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया जायेगा। जिसमें जनपद के दिव्यांगजन अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु स्वयं उपस्थित होकर व प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकेंगे।

एसपी ने मुख्य आरक्षी और आरक्षी को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद द्वारा मुख्य आरक्षी राजपाल तथा आरक्षी सोनवीर सिंह यातायात पुलिस मुरादाबाद को उनके द्वारा सूझबूझ, त्वरित कार्यवाही, सेवा, सुरक्षा, सद्भावना और मानवीय संवेदना, से किये गये सराहनीय कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र व 5,000/-रु0 का नकद ईनाम देकर उत्कृष्ट सेवा हेतु सम्मानित किया। रेलवे स्टेशन गेट नंबर-3 के समीप एक लॉ कॉलेज प्रचार वाहन (ओमनी वैन) चालक को वाहन चलाते समय सड़क पर अचानक हार्ट अटैक आ जाने के कारण अचानक वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई । वहाँ यातायात व्यवस्था ड्यूटी पर तैनात मुख्य आरक्षी राजपाल तथा आरक्षी सोनवीर सिंह द्वारा स्थिति को संभालते हुये चालक की हालत देखकर बिना समय गंवाए तत्परता से चालक को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) दिया गया जिससे चालक की हालत स्थिर हुई तथा तत्काल एम्बूलेन्स बुलवा कर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने समय रहते प्राथमिक उपचार किया गया जिससे चालक की जान बची सकी । उपरोक्त पुलिस कर्मीयों द्वारा उपर्युक्त विषम परिस्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्यवाही की गयी।

शासी निकाय की बैठक में हुआ 6.867 करोड़ रुपए की कार्ययोजना का अनुमोदन

बदायूँ। वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना एवं मूलभूत नगरीय सुविधाएं एवं आवास योजनान्तर्गत कार्ययोजना की स्वीकृति हेतु शासी निकाय की बैठक प्रभारी जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में 6.867 करोड़ रुपए की कार्ययोजना की डी.पी.आर. प्रस्तुत कर उसका अनुमोदन प्राप्त किया गया।बैठक में सीडीओ ने कहा कि सभी अधिशासी अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि जो प्रस्ताव उनके द्वारा बैठक में रखे गए हैं। उसपर पूर्व में किसी शासकीय योजना में कार्य न हुआ हो। उन्होंने कहा कि कार्य प्रारम्भ करने से पहले, कार्य के दौरान तथा कार्य के उपरान्त की जीओ टैगिंग वाली फोटो आवश्यक रूप से ली जाए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना अनुदान सं0-37 के अन्तर्गत 2.739 करोड रुपए, मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना अनुदान सं0-83 के अन्तर्गत 3.487 करोड़ रुपए एवं मूलभूत नगरीय सुविधाएं एवं आवास योजनान्तर्गत 0.641 करोड रुपए, इस प्रकार कुल 6.867 करोड़ रुपए का लक्ष्य कार्ययोजना व डी.पी.आर. प्रस्तुत कर उसका अनुमोदन प्राप्त किया गया। अपर जिलाधिकारी न्यायिक व परियोजना अधिकारी डूडा कल्पना जायसवाल ने बताया कि जनपद के मा0 जनप्रतिनिधिगण से प्रस्ताव आमन्त्रित किये गये। मा0 जनप्रतिनिधिगण द्वारा वर्तमान में उपलब्ध कराये गये प्रस्तावों के सापेक्ष मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना अनुदान सं0-37 के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद बदायूँ में 06 परियोजनाओं 106.25 लाख रुपए, नगर पालिका परिषद बिसौली में 01 परियोजना 43.15 लाख रुपए, नगर पालिका परिषद बिल्सी में 04 परियोजनाओं 38.27 लाख रुपए, नगर पालिका परिषद दातागंज में 14 परियोजनाओं 80.63 लाख रुपए, नगर पंचायत उसहैत में 04 परियोजनाओं 31.77 लाख रुपए, नगर पंचायत कछला में 05 परियोंजनाओं 59.33 लाख रुपए, नगर पंचायत रुदायन में 01 परियोजना 11.74 लाख रुपए, नगर पंचायत इस्लामनगर में 02 परियोजनाओं 39.37 लाख रुपए की कार्ययोजना प्रस्तुत कर उसका अनुमोदन बैठक में प्राप्त किया गया।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना अनुदान सं0-83 के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद बदायूँ में 07 परियोजना 100.21 लाख रुपए, नगर पालिका परिषद सहसवान में 02 परियोजनाओं 64.76 लाख रुपए, नगर पालिका परिषद दातागंज में 11 परियोजना 74.82 लाख रुपए, नगर पालिका परिषद बिल्सी में 08 परियोजना 79.05 लाख रुपए, नगर पंचायत उसहैत में 03 परियोजना 27.29 लाख रुपए, नगर पंचायत कछला में 01 परियोजना 3.57 लाख रुपए की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई है तथा मूलभूत नगरीय सुविधाएं एवं आवास के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद बिसौली की 01 परियोजना 36.51 लाख रुपए, नगर पंचायत वजीरगंज में 01 परियोजना 24.42 लाख रुपए की कार्ययोजना प्रस्तुत कर उसका अनुमोदन प्राप्त किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी व प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय अरुण कुमार, नगर मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार पाल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय मेगा बिजली बिल समाधान शिविर का होगा आयोजन

महराजगंज,रायबरेली। बिजली विभाग द्वारा मेगा बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन 3 दिन के लिए किया जा रहा है। जिसमें उपभोक्ता आकर अपनी बिजली संबंधित मामलों का शिकायती पत्र देकर निस्तारण कराए और सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का लाभ लें। यह उद्गार विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता संदीप कुमार पत्रकारों को जानकारी देते हुए व्यक्त कर रहे थे। बताते चलें कि, मेगा बिजली बिल समाधान शिविर उपभोक्ताओं को राहत देने हेतु किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को विद्युत संबंधित समस्याओं से छुटकारा व निजात मिल सके तथा उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए दिनांक 17, 18, व 19 जुलाई को तीन दिवसीय विशेष शिविर महराजगंज खंड कार्यालय, शिवगढ़ उपखंड कार्यालय, व बछरावां उपखंड कार्यालय में ऐसा आयोजन किया जाएगा। तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान विभाग की प्राथमिकता है इस शिविर में बिना किसी देरी के समाधान की दिशा में कार्य किया जा सके और 100% शिकायतों का समाधान शिविर स्थल पर या 1912 पर पंजीकरण के अनुसार किया जाएगा उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाएगा।

शासन ने बढ़ाई मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की धनराशि

बदायूं। मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए धनराशि को 51 हजार प्रति जोड़े को बढ़ाकर एक लाख रुपये प्रति जोड़ा कर दिया है। अब कन्या के बैंक खाते में 60 हजार रुपए तथा 25 हजार रुपए का उपहार शादी के दौरान वर-वधु को दिया जाएगा तथा 15 हजार रुपए प्रति विवाह आयोजन पर खर्च होंगे। जनपद को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के लिए 784 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि सरकार ने चयन के लिए आय सीमा को भी 02 लाख रुपए से बढ़कर 03 लाख रुपए कर दिया है। उन्होंने बताया कि प्राप्त नए निर्देशों के अनुसार कन्या जनपद बदायूँ की निवासी होनी चाहिए तथा वर किसी भी जनपद का हो सकता है। उन्होंने बताया कि शादी के दौरान वर-वधू की बायोमेट्रिक उपस्थिति भी लेने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। वर-वधु की ओर से 10-10 लोग हो सकते हैं। वर-वधु को दिए जाने वाला 25 हजार रुपए का उपहार शासन स्तर से उपलब्ध कराया जाएगा।

पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने किया सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा का उद्घाटन

बदायू। नगर पालिका बुद्धवार को पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने सघन दस्त नियंत्रण अभियान का विधिवत उदघाटन किया। यह अभियान 31 जुलाई तक चलाया जाएगा। पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने कहा कि सघन दस्त नियंत्रण अभियान का उदेश्य दस्त के कारण होने वाली शिशु-मृत्यु को कम करने के साथ निर्जलीकरण के मामलों में प्रबंधन के लिए सुविधा स्तर को सुदृढ़ बनाना एवं जागरूकता माध्यम से दस्त की रोकथाम और नियंत्रण कर समुदाय में जन-जागरूकता को बढ़ावा देना है। पखवाड़े में आशा के सहयोग से गृह-भ्रमण कर उपलब्ध फॉर्मेट के अनुसार ओआरएस के साथ जिंक टेबलेट पांच वर्ष उम्र के सभी बच्चों को मुहैया कराना है।

दो दिन से लापता महिला का शव नदी के पुल के पास मिलने से मची सनसनी

अनहोनी को लेकर रही चर्चा, पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आजमगढ़। जिले के देवगांव कोतवाली क्षेत्र के कपसेठा गांव में बुधवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब गांगी नदी में ग्रामीणों ने एक अर्धनग्न महिला का शव बहता हुआ देखा। यह दृश्य देखकर गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस हरकत में आ गई। मौके पर क्षेत्राधिकारी भूपेश पांडेय, कोतवाल विमल प्रकाश राय, फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड तथा एसओजी की टीम तत्काल पहुंची। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक छानबीन के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस जांच में मृतका की पहचान 37 वर्षीय प्रमिला पत्नी भानु निवासी चेवार पूरब बनवासी बस्ती के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, प्रमिला दो दिन पूर्व अपने घर से अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने उसे बहुत खोजा लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया था। बुधवार की सुबह उसका शव संदिग्ध अवस्था में गांगी नदी में पाया गया।महिला के शरीर पर कपड़े पूरी तरह से नहीं थे, जिससे यह संदेह और गहराता है कि उसके साथ किसी प्रकार की अनहोनी तो नहीं हुई है। देवगांव कोतवाल विमल प्रकाश राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि घटना के पीछे का सटीक कारण और परिस्थितियाँ पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगी।इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मृतका का पति भानु घटना के बाद से लापता है। पुलिस को शक है कि घटना में उसका हाथ हो सकता है, जिसके कारण उसकी तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस विभिन्न संभावित स्थानों पर छापेमारी कर रही है और भानु के मोबाइल की लोकेशन ट्रैक की जा रही है।प्रमिला का मायका जौनपुर जनपद के बर्दिया गांव में है, जो घटनास्थल से ज्यादा दूर नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के ससुर रामलाल पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और घटना की जानकारी दी।एसपी ग्रामीण मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह देवगांव कोतवाली क्षेत्र के कपसेठा गांव में एक महिला का शव मिलने कि सूचना पर स्थानीय पुलिस, सीओ और फील्ड यूनिट की टीम ने मौके पर पहुचकर शव को क़ब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान देवगांव कोतवाली के चेवार गांव निवासिनी प्रमिला पत्नी भानु के रूप में हुई है। इस घटना में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सांसद, अध्यक्ष ने किया जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दो खबर लगा दो हम ले आये

जिन सड़कों के टेण्डर की प्रक्रिया पूरी हो जाती है, उसका कार्य समय से प्रारम्भ करें- सांसदपाइप लाइन डालने के लिए काटी गयी सड़कों का रोड रेस्टोरेशन गुणवत्तायुक्त करें-मा0 सांसदजनता से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकता से करें- सांसदसड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए- सांसद

आजमगढ़ः सांसद लोकसभा सदर/अध्यक्ष धर्मेन्द्र यादव की अध्यक्षता में तथा सह अध्यक्ष सांसद लालगंज दरोगा प्रसाद सरोज की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गयी।प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की समीक्षा करते हुए मा0 सांसद जी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीएमजेएसवाई के अन्तर्गत बनने वाली सड़कों को निर्धारित समय के अन्दर गुणवत्तायुक्त पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि जो भी सड़क निर्माण कराया जाए, यह सुनिश्चित किया जाए कि उसमें कहीं भी जल जमाव न हो एवं वह सड़क 05 वर्ष से पहले नही टूटनी चाहिए। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन सड़कों के टेण्डर की प्रक्रिया पूरी हो जाती है, उसका कार्य समय से प्रारम्भ करायें एवं टेन्डर के अनुसार समय से कार्य न पूर्ण करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड करना सुनिश्चित करें। जन प्रतिनिधियों की मांग पर उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो सड़कें बेहद खराब/जर्जर स्थिति में उसकी मरम्मत/पुनर्निमाण के सम्बन्ध में तत्काल आवश्यक करना सुनिश्चित करें। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन प्रतिनिधियों को किसी तरह की गलत सूचना/गुमराह न करें। मा0 सांसद ने मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि जनता से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण शीर्ष प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाय। उन्होने मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि कराये गये विकास कार्यों के गुणवत्ता की जांच भी सुनिश्चित करायी जाय। मा0 सांसद ने एक्सीयन पीडब्ल्यूडी एवं आरईएस को निर्देश दिया कि जनपद में पीएमजेएसवाई से जुड़ी सड़कों का विस्तृत विवरण भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि सक्षम स्तर से उसकी पैरवी की जा

नगर पंचायत पाकबड़ा हुई स्थायी ईओ की नियुक्ति

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद की नगर पंचायत पाकबड़ा में आखिर कार शासन ने स्थाई ईओ की नियुक्ति कर ही दी है।जनपद रामपुर की मसवासी नगर पंचायत के ईओ विजय आनंद को शासन ने नगर पंचायत पाक बड़ा में स्थाई ईओ के रूप में नियुक्त किया है।जबकि इस्लामनगर नगर पंचायत के ईओ संतोष कुमार वर्मा को जनपद मऊ की नगर पंचायत मधुवन में दो माह बाद ही ट्रांसफर कर दिया है। यह दो माह पूर्व ही जनपद कुशीनगर से ट्रांसफर होकर यहां आए थे।उधर जनपद मुरादाबाद की ठाकुर द्वारा नगर पालिका परिषद में भी कोई स्थाई ईओ नहीं है।जबकि मुरादाबाद जनपद की ही अगवानपुर,कुंदरकी,उमरी कलां,ढकिया नगर पंचायत में भी स्थाई ईओ नहीं होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।लोगों ने यूपी के सीएम से सभी रिक्त स्थानों पर ईओ को नियुक्त करने की मांग की है।

किसान दिवस में हुआ कृषकों की समस्याओं का निस्तारण, दी योजनाओं की जानकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कार्यक्रम के बारे में अवगत कराते हुए अपील की कि समस्त किसान फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा ले। किसान फार्मर रजिस्ट्री अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र से या सेल्फ मोड़ से तथा सहायक मोड़ के माध्यम से पोर्टल पर स्वयं कर सकते है किसान दिवस के दौरान किसान नरव्रेश सिंह ने गन्ना भुगतान की समस्या रखी जिसके सम्बन्ध में जिला गन्ना अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि कृषको के गन्ना का रूका भुगतान जल्दी-जल्दी करा

कृषि वैज्ञानिक डा0 सौहार्द दुबे द्वारा फसल के कीट रोग की जानकारी विस्तार से किसानों को दी गई। किसान पुष्पेन्द्र ने पशुओं के गला घोटू टीकाकरण की समस्या रखी जिस सम्बन्ध में पशुपालन विभाग के प्रतिनिधि डा0 संजीव कुमार भुईयार द्वारा अवगत कराया

दिया जायेगा। किसान राजेश कुमार सक्सेना ने जनपद में यूरिया व डी0ए0पी0 की जानकारी चाही जिसके सम्बन्ध में जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया की जनपद में किसी भी प्रकार के उर्वरक की कमी नहीं है। किसान चिंरजीव सिंह ने बिजली की समस्या रखी जिस सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता विद्युत द्वारा विस्तार से जानकारी दी। कृषि वैज्ञानिक डा0 सौहार्द दुबे द्वारा फसल के कीट रोग की जानकारी विस्तार से किसानों को दी गई। किसान पुष्पेन्द्र ने पशुओं के गला घोटू टीकाकरण की समस्या रखी जिस सम्बन्ध में पशुपालन विभाग के प्रतिनिधि डा0 संजीव कुमार भुईयार द्वारा अवगत कराया की गला घोटू बीमारी का टीकाकरण किसान के घर-घर जाकर पशुओं को निःशुल्क अभियान चलाकर किया जा रहा है।उप कृषि निदेशक मनोज कुमार द्वारा किसान दिवस में उपस्थित अधिकारियों एवं किसान बन्धुओं का आभार व्यक्त किया। सम्बंधित विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी किसानों को दी। इस अवसर पर बैक, कृषि, ऊर्जा, सिंचाई, मत्स्य, नलकूप, गन्ना एवं उद्यान विभाग आदि से जुड़े हुए समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

करनैलगंज ब्लॉक के गांवों में मनरेगा में फर्जी मस्टररोल का खेल जारी

एपीओ व तकनीकी सहायक की मिलीभगत से सिर्फ कागजों में ही निपटा दिए जाते हैं मजदूर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। मनरेगा में फर्जी मास्टररोल और फर्जी के मामले में रुपईडीह,इटियाथोक,बेलसर,परस पुर,और तरबगंज ब्लॉक का नाम सबसे पहले सामने आता था।लेकिन एक कहावत गांव में कही जाती है कि तरबूज को देख कर खरबूज भी रंग बदलता है।ठीक उसी तरह करनैलगंज ब्लॉक भी उन ब्लॉकों की तरह मनरेगा कार्यों में फर्जी मास्टर रोल और उनके भुगतान में सभी ब्लाकों को पीछे छोड़ अव्वल नंबर पर अपनी जड़े जमाने में जुटा है।हम बात कर रहे हैं महा त्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की। जिसके तहत सरकार तमाम निचले स्तर के गरीबों और असहाय मजदूरों को वर्ष में मनरेगा योजना के तहत सौ दिन का कार्य देने के लिए कटिबद्ध है। परंतु देखा जा रहा है कि जनपद मुख्यालय 28 किलोमीटर कि दूरी पर स्थित का ब्लाक करनैलगंज एओपी,व तकनीकी सहायक और ग्राम प्रधानो के भ्रष्टाचार का अड्डा बनता जा रहा है। केंद्र सरकार की महत्व कांक्षी योजना मनरेगा के नियमों को ताक कर रख कर खुद की खाऊ कमाऊ नीति से उसकी गाइडलाइन के विपरीत फर्जी मस्टरोल का सहा रा लेकर फर्जी भुक्तान कराने में लगे हैं।जान कारों की माने तो इस उमश भरी गर्मी और तेज धूप जो सुबह से ही शरीर को पसीने से भोगो देने वाली रही और सभी लोग अपने अपने घरों में दुबक कर बैठे रहने को मजबूर थे तो ग्राम पंचायतों के प्रधान और सचिव भी बाहर निक लने के लिए सोचते होंगे लेकिन इस भीषण गर्मी में भी ग्राम प्रधान और सचिव गांवों में मनरेगा के मस्टरोल से खेल करने में जुटे थे।ब्लॉक कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर लाखों का वायरा न्यारा कर रहे थे।

इन गांवों में चल रहा फर्जी मस्टर रोल का खेल

मंगलवार को कड़ाके की धूप उमस भरी में इन गांव में फर्जी तरीके से चल रहे मास्टरोल।रेक्साडिया गांव में दो प्रोजेक्ट पर 130 मजदूर,पूरे अजब में दो प्रोजेक्ट में 88 मजदूर,नरायणपुर साल में दो प्रोजेक्ट पर 53 मजदूर,नकार में दो प्रोजेक्ट पर 74 मजदूर, नकाहारा में दो प्रोजेक्ट पर 57 मजदूर,मलौली में दो प्रोजेक्ट पर 68 मजदूर,लालेमऊ में दो प्रोजेक्ट पर 67 मजदूर, कंजे मऊ में दो प्रोजेक्ट पर 42 मजदूर, जहा गिर्वा में एक प्रोजेक्ट पर 58 मजदूर,बबियापुर गोसा ई में एक प्रोजेक्ट पर 75 मजदूर, अदृश्य तरीके से काम कर रहे है।यह तो महज एक बानगी है। तमाम अन्य ग्राम पंचायतों में भी मनरेगा योज ना में यही खेल जारी है।गांवों में फर्जी तरीके से मस्टररोल चालू कर ब्लॉक अधिकारियों के सा थ मिलीभगत कर मनरेगा मजदूर अदृश्य होकर जॉब कार्डों में अपनी हाजिरी लगा कर प्रतिदिन तकरीबन पांच लाख 28 हजार 444 रुपए केंद्र सरकार को चपत लगा कर भुगतान कराने में लगे हैं।

टीम गठित कर कराई जाएगी जांचः मंडलायुक्त

मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर की जा रही लूट के बारे में जिले के जिम्मेदार अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं,इस संबंध में जब देवीपाटन मंडल गोण्डा के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में भ्रष्टाचार किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टी म गठित कर मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।जब मिडिया की टीम ने इन गांवों में जाकर कार्यों का सत्या पन किया तो इक्का दुक्का कार्यों को छोड़ मज दूर तो मजदूर गांव में कहीं कोई काम होता धरा तल पर नहीं दिखा।

ईमानदारी से जांच हो तो नपेंगे कई जिम्मेदार

अगर जिले के जिम्मेदार अधिकारी इन मामलों को संज्ञान में लेकर कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करें तो सरकार के करोड़ों रुपए गबन होने से बच जाएंगे और शायद करनैलगंज ब्लॉक भी सीबीआई जांच की जद में आने से बच जाएगा ईमानदारी पूर्वक जांच हुई तो तमाम जिम्मेदारों की गर्दनें फंस सकती हैं।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होंगे प्रशिक्षक

बहराइच । जनपद के 52 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जाने के उद्देश्य से मार्शल आर्ट में ब्लैक बेल्ट योग्यता प्रमाण-पत्र धारक 17 लोगों का 03 माह के लिए प्रशिक्षक के रूप में चयन किया जायेगा। चयनित प्रशिक्षकों को सम्बन्धित प्रधानाचार्य द्वारा रू. 5,000=00 की दर से मानदेय दिया जायेगा। चयन की योग्यता रखने वाले 18 से 45 आयु वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी पंजीकृत डाक के माध्यम से अपने आवेदन पत्र जिला विद्यालय निरीक्षक बहराइच के कार्यालय में 28 जुलाई 2025 तक जमा कर सकते हैं।यह जानकारी देते हुए डीआईओएस सर्वदा नन्द ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी नाम, अभिभावक का नाम, जन्म तिथि, लिंग, निवास का पता, शैक्षिक एवं प्रशिक्षण योग्यता से सम्बन्धित विवरण तथा एक अदद फोटो के साथ निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन कर सकते हैं। श्री नन्द ने बताया कि प्रशिक्षक के रूप में यथा संभव महिला प्रशिक्षक का ही चयन किया जायेगा। महिला प्रशिक्षक ने मिलने की स्थिति में पुरूष प्रशिक्षक चयनित किये जायेंगे। इस सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी के लिए उनके कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

छांगुर बाबा देश का कैंसर : ओमप्रकाश राजभर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले में एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे पंचा यती राज कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर का अंबेडकर चौराहे पर जिला पंचायत विभाग के अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वा गत किया।महिला भाजपा कार्यकर्ताओं से मंत्री से मुलाकात न होने पर महिलाओं ने कहा कि भाजपा में महिलाओं का सम्मान नहीं हो रहा हैवही मीडिया से बातचीत में मंत्री राजभर ने छांगुर बाबा प्रकरण पर कहा जैसी करनी वैसी भरनी है,उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि छांगुर की मंशा पूरी नहीं होगी। मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सवाल उठाया कि छांगुर ने किस सरकार के समय में डेरा बनाया और कारोबार फैलाया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार को जैसे ही जानकारी मिली,तुरंत कार्र वाई की गई है।मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने छांगुर बाबा की तुलना कैंसर से करते हुए कहा कि जैसे कैंसर का पता चौथे चरण में चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।उन्होंने कहा कि छांगुर बाबा जैसे लोग देश के लिए कैंसर की तरह हैं।वहीं सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के बयान पाठशाला बंद करके मधुशाला खोल रहे हैं पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि गरी बों और गांव में एक भनक फैली कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई नहीं हो रही है।इस माहौल होने से सरकारी स्कूल से बच्चों को निकाल कर प्राइ वेट में ले जाने लगे अब बच्चों की संख्या कम हो गई अध्यापक कहीं स्कूल में छः बच्चे हैं तो कही बीस तो अब इन बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए एक विद्यालय न्याय पंचायत पर चला करके वहां समायोजित करने की तैयारी हो रही है।महाराष्ट्र में भोजपुरी भाषा बोलने पर रिक्शा चालक के साथ की गई मारपीट को ले कर के कहा कि देखिए हम उसकी निंदा करते हैं भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी है पूरे देश में हिंदी बोली जाती है। जो लोग इस तरीके का कृत्य कर रहे हैं वह संविधान को नहीं मानते हैं वह देश के लिए एक तरीके से हमारी नजर में विद्रो ह फैलाने का काम कर रहे हैं।सत्ता से बेदखल होने के बाद इस तरह का कृत्य यह लोग कर रहे है हम राज ठाकरे को कहेंगे आप संविधान पढ़ लीजिए संविधान को समझ लीजिए उसके बाद तब कोई काम करिए। वही विकास को लेकर उठाए जा रहे सवाल पर कैबिनेट मंत्रीओमप्रकाश राजभर ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर यह लोग विकास चाहते हैं तो बसपा कांग्रेस समाजवादी पार्टी से कहूंगा अगर आप मुसलमान के रहनुमा बनते है।तो अब 2027 का चुनाव आ रहा है यदि समाजवादी पार्टी कीसरकार बनेगी तो ऐलान करे कि मुसलमान का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा औकात है ऐलान कर ने की खाली बीस प्रतिशत वोट लोगे और साइ किल पर पीछे कैरियल पर बैठाओगे तो बैठते- बैठते मुसलमान का....दर्द कर रहा है।दे दो एक बार साइकिल चला ले।

331 छात्रों का भविष्य को लेकर राष्ट्रीय छात्र पंचायत ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं के द्वारा गोंडा स्थित राजकीय महाविद्यालय भवनि यापुर कला इटियाथोक में जाकर छात्र-छात्रा ओं से घर-घर जाकर मुख्यमंत्री के नाम से पत्र लिखवाया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडे ने बताया कि गोंडा जनपद में एक मात्र राजकीय महाविद्यालय है यह भी बंद हो गया यहां एडमिशन प्रक्रिया नहीं चल रही है यहां पर कोई टीचिंग स्टाफ नहीं है यहां पर कुल 331 छात्र हैं जिनका भविष्य अंधकार में है इसी को लेकर आज छात्र-छात्राओं व अभि भावकों के द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया है जिसमें हमारी यही मांग है कि जल्द से जल्द इस महाविद्यालय का पठन-पाठन प्रक्रिया प्रारं भ किया जाए अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो जिला प्रशासन बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहे व सतीश मिश्रा ने बताया कि मुझे एडमिशन लेना था जो कि मेरे गांव से काफी पास में पड़ता है यह महाविद्यालय लेकिन मैं कई बार गया हूँ इस महाविद्यालय में एडमिशन के लिए लेकिन वहां के स्टाफ के द्वारा बताया जाता है कि अभी हमारे यहां एडमिशन स्टार्ट नहीं है हमें समझ में नहीं आ रहा है कि हम एडमिशन कहां पर ले।इसी से परेशान होकर छत्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखी है कि हमारे गांव के बगल वाले राजकीय महाविद्यालय को पुन चालू किया जाए जिससे हम अपनी पढ़ाई वहां से कर सकें छात्र नेता राजेश मौर्य ने बताया है कि लगातार हम कार्यक्रम करते रहेंगे जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाएगी क्योंकि छात्र कल के नहीं आज के जिम्मेदार नागरिक हैं शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है अगर राजकीय महा विद्यालय करोड़ों रुपए लगाकर खोला गया है तो उसके संचालन के भी जिम्मेदारी सरकार को तय करनी चाहिए क्योंकि हमारे टैक्स के पैसे से ही महाविद्यालय की बिल्डिंग खड़ी हुई है इस अवसर पर जोगेंद्र,विक्रम,आकाश,शुभम तिवारी, अभिषेक गुप्ता,आदि उपस्थित रहे।

बहराइच एवं खीरी जनपदों में रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । रेल मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के बहराइच एवं खीरी जनपदों में रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए भीरा खीरी-रायबोझा (120 किमी) के मध्य नई ब्रॉड गेज रेलवे लाइन के निर्माण तथा मैलानी-भीरा खीरी (16 किमी) एवं नानपारा-रायबोझा (13 किमी) खंड के आमान परिवर्तन (मीटर गेज से ब्रॉड गेज) के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे (एफ.एल.एस.) की मंजूरी प्रदान की है। यह परियोजना हिमालय की तराई के क्षेत्रों को देश के ब्रॉड गेज नेटवर्क से जोड़ने के उद्देश्य से स्वीकृत की गई है, जिससे यह क्षेत्र विकास की मुख्यधारा में जुड़ेगा। इस सर्वेक्षण कार्य हेतु रु. 3.58 करोड़ की लागत निर्धारित की गई है। साथ ही, इस सर्वे के आधार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) भी तैयार की जाएगी। प्रस्तावित नई ब्रॉड गेज रेलवे लाइन 'दुधवा राष्ट्रीय उद्यान' के बाहर से होकर निर्मित की जाएगी, ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे। इस परियोजना के पूर्ण होने के पश्चात मैलानी से नानपारा तक ब्रॉड गेज मार्ग उपलब्ध होगा, जिससे इस क्षेत्र से दिल्ली सहित देश के पश्चिमी और उत्तरी भागों के साथ ही पूर्वी भारत, पीलीभीत एवं उत्तराखंड तक सीधा रेल संपर्क संभव हो सकेगा। इस रेल कनेक्टिविटी के सशक्त होने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि यहाँ के वन्य एवं कृषि उत्पादों को देश के महानगरों तक भेजना और विपणन करना अधिक सरल एवं सुलभ हो जाएगा।

गांजा तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ में एक आरोपी को लगी गोली, दो चढ़े हत्थे

आजमगढ़। जिले के थाना अतरौलिया पुलिस व एसओजी टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने गांजा तस्करी में लिप्त दो शातिर अपराधियों को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया। इन अपराधियों के कब्जे से दो अवैध देशी तमंचे, चार कारतूस तथा कुल 15 किलो 350 ग्राम नाजायज गांजा बरामद किया गया। अतरौलिया थानाध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा एवं एसओजी प्रभारी मनीष पाल को सूचना मिली थी कि दो बदमाश मोटरसाइकिल से अवैध सामग्री लेकर मदियापार-अहरौला मार्ग से गुजरने वाले हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम जमीन अगया अंडरपास के आगे चेकिंग शुरू की। इसी दौरान दो संदिग्ध बाइक सवार दिखाई दिए, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। पीछा करने पर ग्राम खदेरुपट्टी के पास बाइक फिसल गई और बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की जिसमें एक बदमाश सचिन पाण्डेय उर्फ आकृति पाण्डेय के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को इलाज हेतु सीएचसी अतरौलिया भेजा गया। दूसरे आरोपी नरसिंह यादव को भी मौके पर गिरफ्तार किया गया। दोनों के पास से .315 बोर के दो तमंचे, दो जिंदा और एक खोखा कारतूस एवं दो बोरियों में क्रमशः 10 किलो 150 ग्राम व 5 किलो 200 ग्राम गांजा मिला।

पुलिस की लापरवाही ने ले ली किशोरी की जान

परिजनों ने लगाया पुलिस पर आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। पुलिस की लापरवाही की कीमत किशो री को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।तीन दिन पूर्व यदि पुलिस ने आवश्यक कदम उठाया हो ता तो किशोरी की जान बच सकती थी।पूरा मा मला कटरा बाजार थाना क्षेत्र के देवापसिया चूटीपुर गांव का है।मंगलवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई।जहां 17 साल की एक किशोरी ने घर की छत पर बने कमरे में फां सी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है।इस दर्दनाक घटना के बाद परिवार व गाँव में गुस्से का महोल है।किशोरी के परिजनों का कहना है कि अगर पुलिस ने समय रहते उनकी शिकायत सुनी होती और आरोपियों पर कार्र वाई की होती,तो आज उनकी बेटी जिंदा होती। किशोरी के पिता ने तीन दिन पहले मारपीट व छेड़छाड़ का आरोप लगाया है किशोरी के पिता ने बताया कि तीन दिन पहले गांव के ही कुछ दबंग युवकों ने उनकी बेटी के साथ मारपीट की थी।आरोपियों ने उसे खेत में खींचने की भी को शिश की और अश्लील हरकतें कीं।पीड़ित परि वार ने घटना के तुरंत बाद कटरा बाजार थाने में तहरीर दी थी,और अपनी बेटी के साथ हुए जु ल्म की पूरी बात कटरा बाजार थाने की पुलिस को बताई थी, और थाने में लिखित तहरीर दी और पुलिस के सामने गिड़गिड़ाया कि साहब मेरी लड़की को गांव के ही कुछ लड़के परेशान कर रहे हैं।लेकिन पुलिस वालों ने कहा थाने से जाओ देख लेंगे और न तो जांच कि और न रि पोर्ट लिखी उस से डर के साये में बेटी जी रही थी।परिजनों के अनुसार, घटना के बाद से कि शोरी बेहद डर गई थी।वह घर से बाहर निकल ने में भी घबराने लगी थी।मां ने रोते हुए बताया वो कहती थी माई हमको उन लोगन से बचा लो हम कहीं नहीं जाएंगे नहीं तो वो लोग हमको मार डालेंगे।

घटना वाले दिन घर पर दी गाली गलौज

किशोरी के परिजनों के अनुसार वही आरोपी लड़के फिर से उनके घर के पास आए।उन्होंने गाली-गलौज की और परिवार को डराया-धम काया और गंदी-गंदी गालियां दी जिससे लड़की डर गई और डर के मारे छत पर चली गई।घरवालो ने समझा कि कुछ काम कर रहे होगी अ भी आ जाएगी।लेकिन थोड़ी देर बाद छत पर देखा तो दरवाजा अंदर से बंद था।परिजन जब काफी देर तक आवाज लगाते रहे तो कोई जवा ब नहीं मिला।उन्होंने दरवाजा तोड़ा तो किशोरी फांसी के फंदे से लटकी मिली।जब तक परिवा र के लोग कुछ समझ पाते तब तक किशोरी की मौत हो चुकी थी।मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है।गांव में भी मातम पसरा हुआ है।लोग एक-दूसरे से कह रहे हैं।अगर पुलिस ने पहले ही रिपोर्ट लिख ली होती तो इतना बड़ा हादसा न होता।

गांव वालो में गुस्सा पुलिस पर गंभीर आरोप

घटना के बाद से गांव वालो में गुस्सा और आक्रोश है।कई लोग जमा होकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस गरीबों की सुनती ही नहीं।एक बुजुर्ग ने बताया कि लड़की की जान बच सकती थी।पुलिस ने एक भी लड़के को पकड़ा होता तो वो फिर से आते ही नहीं।पुलिस ने किशोरी का जीवन बर्बाद कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर कटरा बाजार पुलिस मौके पर पहुंची।शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।वही अपर पुलि स अधीक्षक ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।परिवार की शिकायत के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।दोषियों को बक्सा नहीं नहीं जाएगा।

सिटी पॉवर हाउस में एसएसओ से मारपीट, 15 युवकों ने रात में की हाथापाइ

उन्नाव । सिटी पॉवर हाउस में एक गंभीर घटना सामने आई है। रात के समय ड्यूटी पर तैनात सब स्टेशन

पूरा घटना क्रम सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, पुलिस जांच में जुटी

ऑपरेटर (एसएसओ) पवन कुमार के साथ लगभग 15 अज्ञात युवकों ने मारपीट की है। पवन कुमार अपनी रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान कंट्रोल रूम में बिजली आपूर्ति की निगरानी कर रहे थे। इस दौरान कुछ युवक पॉवर हाउस में घुस आए। उन्होंने तकनीकी खराबी का बहाना बनाकर बहस शुरू की। बहस जल्द ही मारपीट में बदल गई। युवकों ने एसएसओ के साथ हाथापाई की और उन्हें धमकाया।बता दे कि घटना के बाद पवन कुमार ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना पॉवर हाउस के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित ने सदर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। ऊर्ज़ा विभाग के कर्मचारियों में इस घटना को लेकर रोष है। बिजली कर्मचारी संघ ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर कार्य बहिष्कार किया जाएगा। बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

सरकारी वेतन पर निजी अस्पतालों का गुणगान कर रहीं आशा कार्यकर्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। ग्रामीण क्षेत्र की गरीब महिलाओं को चिकित्सकीय सुविधा में सहूलियत मिल सके। इसके लिए आशा कार्यकर्ता को तैनात किया गया है।यह आशाएं सरकारी वेतन पर प्राइवेट अस्पतालों का गुणगान कर रही हैं।सरकारी योजनाओं का लाभ मरीजों तक न पहुंच सके, इसके लिए आशा बहुएं अपनी तरीके से काम कर रही है।ज्यादातर महिलाओं का प्रसव नि जी अस्तालों में कराया जा रहा है।इससे गरीब परिवारों को चिकित्सकीय सुविधाओं के लिए मोटी रकम खर्च करनी पड़ती है।सरकारी स्वा स्थ्य सेवा की जानकारी देना प्राथमिक सेवा उपलब्ध करवाना,जटिल केस को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में मदद करना,स्वास्थ्य योजना के प्रति जागरूक करना, ग्रामीण जनता को स्वच्छ पेयजल और शौचालय उपयोग की जानकारी देने के लिए आशा संगिनी व आशा कार्यकर्ता को तैनात किया गया है।इसके बावजूद लोगों का कहना है कि आशाएं अपने कार्यों से इतर होकर कमीशन खोरी की ओर बढ़ रही हैं। इस के लिए वह गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए उप केंद्र पर ले जाती हैं।जिसके बाद प्रसव में दिक्कतें होने एवं कुछ कमियां बता कर गरीब महिलाओं को बेहतर सुविधा देने की बात में फंसा कर प्राइवेट अस्पतालों में ले जाती हैं।जहां प्रसव के लिए आठ से दस हजार व आपरेशन होने पर 25 से 30 हजार रुपये चुकाना पड़ता।गरीबों को प्राइवेट अस्पतालों में प्रसव अथवा इलाज महंगा पड़ता है।इसके लिए गरीब आभूषण,खेत इत्यादि गिरवी रख कर अस्पताल का बिल चुकता करते हैं।गरीब प्रसूताओं का सुरक्षित प्रसव सरकारी अस्पता लों में हो सके।इसकी जिम्मेदारी आशा कार्य कर्ता पर होती है लेकिन ज्यादा कमीशन के लालच में आशा बहुएं प्राइवेट अस्पतालों में प्रसूताओं की डिलीवरी करा रही हैं।प्रसूताओं को संसाधनों की कमी के चलते बड़े सरकारी अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है।इस दौरा न आशा बहुए उनको सरकारी अस्पतालों में ले जाने के बजाय अधिक कमीशन के चक्कर में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करा देती हैं।जहां हर जांच में 15 से 20 फीसद कमीशन मिलता है लेकिन यह बिल चुकाना गरीबों के लिए दुश्वा रियां भरा रहता है।आए दिन घटनाएं घटती रहती हैं लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कुंभकर्णी के नींद में सोए रहते हैं।

शमा फाउंडेशन द्वारा पौधरोपण कर बच्चों को वितरण की किताबें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । शमा फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायत हेमरिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र नानहू पूर्वा में बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन फाउंडेशन की डायरेक्टर शमा परवीन की शादी की सालगिरह के अवसर पर किया गया, जिसमें बच्चों को शैक्षिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से ज्ञानवर्धन और मनोरंजन का अवसर प्रदान किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संध्या शुक्ला और विशिष्ट अतिथि ममता यादव ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बच्चों को ज्ञानभारती पुस्तकें, पेन और चॉकलेट जैसे उपहार वितरित किए गए।डायरेक्टर शमा परवीन ने बताया कि वे समाजसेवा के साथ बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने के उद्देश्य से इस प्रकार के आयोजन करती रहती हैं।फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष मोहम्मद अल्ताफ़ ने बच्चों को प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पुरस्कार पाकर बच्चे बेहद उत्साहित और खुश नजर आए।कार्यक्रम में तौहीद अहमद (पत्रकार), राशिद अली (पत्रकार), सलमान, समीर, जुबैदा, रीना, सूरज, पुष्पेन्द्र समेत सैकड़ों ग्रामीणों और अभिभावकों ने सहभागिता की।अंत में शमा फाउंडेशन टीम द्वारा एक पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें आंगनबाड़ी परिसर में पौधा लगाकर शमा परवीन को सालगिरह की शुभकामनाएं दी गईं।यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए सीखने और खुश होने का अवसर बना बल्कि समाज में शिक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का एक सराहनीय प्रयास भी रहा।

किसान नेता की ज़मीन पर कब्ज़े के खिलाफ डीएम, एसपी, कमिश्नर को संदीप पांडेय ने दिया ज्ञापन

आज़मगढ़। मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर संदीप पांडेय ने सोशलिस्ट किसान सभा के महासचिव राजीव यादव की ज़मीन पर कब्ज़े के खिलाफ मंडल आयुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर पूर्वांचल किसान यूनियन महासचिव वीरेंद्र यादव की ज़मीन पर कब्ज़े, हमीरपुर में बायो-सीएनजी गैस प्लांट, बिरादर गांव में ग्राम सभा के अधिकार और विभिन्न किसानों की भूमि के कब्ज़े के मामलों पर शिकायत पत्र दिया गया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में किसानों ने जुलूस निकालते हुए भू माफियाओं पर कार्रवाई करो, किसान नेताओं की ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा बंद करो, जब तक दुखी किसान रहेगा धरती पर तूफान रहेगा जैसे नारे लगाए।

विद्यालय मर्जर के विरोध में शिक्षकों ने सौंपा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। वर्तमान में परिषदीय विद्यालयों की कम छात्र संख्या के आधार पर विद्यालयों का पेयरिंग/मर्जर किए जाने की प्रक्रिया शासन स्तर पर तेज़ी से चल रही है, जो कि शिक्षा अधिकार अधिनियम-2009 एवं बाल अधिकारों की भावना के सर्वथा विपरीत है। अधिनियम के अनुसार प्रत्येक बच्चे के घर से 1 किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक विद्यालय और 3 किलोमीटर में उच्च प्राथमिक विद्यालय की स्थापना अनिवार्य है। वहीं उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष एवं शिक्षकों का कहना है कि विद्यालयों की स्थापना नियमानुसार हुई थी, लेकिन बीते वर्षों में निजी विद्यालयों को नियमों के विरुद्ध मान्यता देना, शिक्षक विहीन विद्यालयों में नियुक्ति न होना, शिक्षकों से गैर शैक्षणिक कार्य कराना जैसे कारणों से कुछ स्थानों पर छात्र संख्या घटी है। इसके लिए शिक्षक जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि वे लगातार गांवों में जाकर अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को विद्यालय में ला रहे हैं। सरकार को विद्यालय में आधारभूत संसाधन सुधारने चाहिए थे और 1 किलोमीटर के दायरे में चल रहे प्राइवेट प्राथमिक विद्यालयों को बंद कराया जाना चाहिए था और 3 किलोमीटर के दायरे में चल रहे प्राइवेट जूनियर विद्यालयों को बंद किया जाना था तब हमारी संख्या कभी काम नहीं होती लेकिन सरकार मानक को ताख में रखकर प्राइवेट विद्यालयों को मान्यता देती जा रही है वहीं यशस्वी विधायक कादीपुर ने आश्वासन दिया कि हम आपके सभी मांगों को मुख्यमंत्री तक अवश्य पहुंचाएंगे और उसका उचित निस्तारण किया जाएगा। और वहीं जिला मंत्री राम आशीष मौर्य ने कहा कि यदि विद्यालयों को दूरस्थ स्थानों में मर्ज कर दिया गया तो गांव और गरीब परिवारों के छोटे बच्चों, विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा गंभीर रूप से प्रभावित होगी। ड्रॉपआउट की संख्या में भारी वृद्धि संभावित है। यह स्थिति न केवल शिक्षा के अधिकार का हनन है बल्कि देश के भविष्य की नींव को कमजोर करने वाला कदम भी है।शिक्षक संगठनों ने मांग की है कि मर्जर की इस प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और शिक्षा अधिकार अधिनियम की मूल भावना के अनुरूप सभी बच्चों को उनके घर के पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रामानुज यादव,जिला उपाध्यक्ष रमेश तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी चन्द्रपाल राजभर, जिला अकाउंटेंट के.सी.मिश्रा, ,जिला संगठन मंत्री अरुण सिंह और इंद्रेश यादव, जिला प्रचार मंत्री राहुल मिश्रा और विनोद कुमार शर्मा सुनील कुमार यादव,ब्लॉक अध्यक्ष मोतिगरपुर मुकेश सिंह,ब्लॉक मंत्री कादीपुर वेदप्रकाश मिश्रा,देवी पाल, मुकेश वर्मा, कमलेश गिरी, पंकज सिंह, संजय यादव, अमित पांडेय, पीयूष कुमार, बृजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

अमेठी में इकतीस उर्वरक बिक्री केंद्रों पर की गई छापेमारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । शासन के निर्देश के क्रम में जिला कृषि अधिकारी डॉ राजेश कुमार ने बताया कि जनपद में खरीफ फसलों की बुआई तथा धान की रोपाई तेजी से होने के दृष्टिगत कृषकों को सभी प्रकार के गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की उपलब्धता निर्धारित दर पर सुनिश्चित कराने हेतु उर्वरकों की बिक्री की जांच के संदर्भ में शीर्ष संस्थाओं तथा निजी क्षेत्र के थोक एवं फुटकर विक्रेताओं व विनिर्माताओं के गोदामों बिक्री केंद्रों पर सघन निरीक्षण हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों एवं उप जिला मजिस्ट्रेटों की संयुक्त टीम गठित करते हुए जिलाधिकारी संजय चौहान द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद में उर्वरक बिक्री केन्द्र थोक फुटकर की सघन छापेमारी व उनके अभिलेख तथा स्टॉक की जाँच कर अधिक मूल्य पर बिक्री कालाबाजारी जमाखोरी अथवा अन्य प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही की जाय। उन्होंने बताया कि इस क्रम में तहसील अमेठी में उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र कुमार एवं उप जिला मजिस्ट्रेट आशीष सिंह, तहसील मुसाफिरखाना में जिला कृषि अधिकारी डॉ राजेश कुमार एवं उप जिला मजिस्ट्रेट अभिनव कनौजिया एवं तह?सील गौरीगंज में वरिष्ठ प्रा0 सहा0 ग्रुप ए (कृषि) डॉ अंकुर सिंह एवं उप जिला मजिस्ट्रेट प्रीति तिवारी तथा तहसील तिलोई में भूमि संरक्षण अधिकारी संदीप कुमार एवं उप जिला मजिस्ट्रेट अमित सिंह के द्वारा उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों एवं गोदामों में सघन छापेमारी की गई तथा जांच के समय रेट बोर्ड, उर्वरक प्राधिकार पत्र, स्टॉक और बिक्री रजिस्टर, कैश मेमो , पीओएस मशीन से उर्वरकों की बिक्री की जांच की गई तथा सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि पीओएस मशीन के माध्यम से बिक्री करें एवं कैशमेमो अवश्य दें। उन्होंने बताया कि जनपद में सघन निरीक्षण किए जाने के दौरान संयुक्त टीमों द्वारा कुल इकतीस उर्वरक बिक्री केंद्रों,गोदामों का निरीक्षण किया गया जिसमें चौदह संदिग्ध नमूनों को संकलित कर प्रयोगशाला में जांच हेतु भेजा गया साथ ही अनियमितता पाए जाने पर चार उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि कृषकों को उर्वरक से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

महिला थानाध्यक्ष ने स्कूली छात्राओं को पढ़ाया जागरुकता का पाठ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी ।मिशन शक्ति एंटी रोमियो अभियान के तहत बालिकाओं को जागरूक किया गया संदिग्धों की चेकिंग की गयी।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति अभियान के तहत नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन हेतु बालिकाओं में सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से महिला थाना की प्रभारी निरीक्षक कंचन सिंह द्वारा कस्बा अमेठी स्थित आरआरपीजी कालेज छात्राओं को 1090 वीमेन पॉवर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1076ऽमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइऩ, 102-स्वास्थ्य सेवा तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क तथा महिला सशक्तिकरण से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाओं के विषय में विस्तार से जानकारी देकर व जागरूकता संबंधी पम्पलेट वितरित कर जागरूक किया गया।इसी क्रम में एन्टी रोमियो टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर मनचलों द्वारा छेड़छाड़ व महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत सतत निगरानी करते हुए अभियान चलाया गया एवं संदिग्धों की चेकिंग की गयी।

अंकुरण रसोई ने अस्पताल प्रांगण में किया गया भोजन वितरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। प्रत्येक मंगलवार अंकुरण द्वारा जिला अस्पताल में रोटी खाओ-रोटी खिलाओ संस्था के सहयोग से किया जाता है। भोजन वितरण उसी क्रम में कल शाम मेडिकल कॉलेज प्रांगण में करीब 300 लोगों को भोजन वितरित किया गया। भोजन वितरण में शिवांश शुक्ला एवं अनुपमा द्विवेदी की तरफ से उनके बेटे के जन्मदिवस पर विशेष सहयोग था। मातृ शक्ति अनुपमा द्विवेदी, अनामिका श्रीवास्तव, रेनू श्रीवास्तव का भोजन वितरण कार्यक्रम के संचालन में विशेष योगदान रहा। भोजन वितरण कार्यक्रम में डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, अविनाश शर्मा, संजय श्रीवास्तव, मनमोहित सिंह, प्रतीक सिंह, मनीष राज, ओजस श्रीवास्तव, दीपक जायसवाल, सचिन तिवारी के साथ आदि लोग उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण महा-अभियान को पलीता लगा रहा नगरपालिका

सुल्तानपुर। वृक्षारोपण महा-अभियान 2025 की वास्तविकता सामने आई है। नगर पालिका परिसर में सैकड़ों पौधे सूखते मिले हैं। विभाग का दावा है कि सभी पेड़ लगा दिए गए हैं।

जिले में इस अभियान के तहत 55 लाख 89 हजार 400 पौधे लगाने का लक्ष्य है। इसमें 23 विभाग शामिल हैं। इनमें वन विभाग, ग्राम विकास, राजस्व, पंचायती राज, कृषि, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, परिवहन और उद्यान विभाग प्रमुख हैं। नगर पालिका परिषद को शहर के 25 वार्डों में 25,200 पौधे लगाने का लक्ष्य मिला था। नपा प्रशासन का दावा है कि उन्होंने अपना लक्ष्य पूरा कर लिया है। लेकिन बुधवार को सामने आए एक वीडियो ने इस दावे की पोल खोल दी है। वीडियो में नपा परिसर के अंदर सैकड़ों सूखे पौधे दिख रहे हैं। इस मामले में नगर पालिका के ईओ लाल चंद से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

अपोलो भट्टे के पास बाघ की चहलकदमी ग्रामीणों में दहशत वन विभाग की टीम अलर्ट

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। बाघ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा रहा है कि बाघ रोड पर चहलकदमी कर रहा हैं। वायरल वीडियो पूरनपुर धनाराघाट रोड का बताया जा रहा है। जब इस संबंध डिप्टी रेंजर कपील कुमार से बात की तो उन्होंने बताया कि वीडियो संज्ञान में आया और वीडियो की जाँच कराई जा रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम लगातार गस्त कर रही है।

सपा नेता ने अपने जन्मदिन पर किया पौधारोपण दिया पर्यावरण का संदेश

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर निवासी समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह यादव ने अपने 34 वे जन्म दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया है। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पवन यादव ने पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया है। पौधारोपण कार्यक्रम में सपा नेता पवन यादव ने पर्यावरण को स्वच्छ हरा-भरा एवं संतुलित रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण कर उसे बचाने का प्रयास करना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में भी बताया साथ ही अन्य लोगों से भी अपने जन्मदिन के अवसर पर पौधारोपण करने की अपील भी की है।

पत्नी को मौत के घाट उतारने वाला पति गिरफ्तार

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना बाजार शुकुल पुलिस ने एक युवक द्वारा मामूली विवाद में पत्नी की पिटाई कर मौत के घाट उतारने के आरोप में पति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गये युवक को जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव पूरे नजर अली मजरे अहमदपुर निवासी राजकुमार का अपनी पत्नी प्रेमलता से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था जिसमें पति द्वारा पत्नी की पिटाई कर दी गई थी जिससे महिला की मौत हो गई थी।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी पति राज कुमार पुत्र जगदम्बा निवासी ग्राम पूरे नजर अली मजरे अहमदपुर थाना बाजार शुकुल जनपद अमेठी उम्र करीब चौवालीस वर्ष को गिरफ्तार किया गया। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष अनिमेष कुमार ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक को जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने पचास ग्राम स्मैक के साथ युवक को भेजा जेल

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मुसाफ़िरखाना पुलिस ने नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत पचास ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत थाना मुसाफिरखाना के प्रभारी निरीक्षक विवेक सिंह द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान बचई उर्फ नन्दन पुत्र पाले उर्फ रामपाल निवासी ग्राम पूरे लालबहादुर का पुरवा थाना शिवगढ़ जनपद रायबरेली को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में युवक के कब्जे से पचास ग्राम स्मैक बरामद हुई है।इस सम्बंध में थाना मुसाफिरखाना के प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है।

चतुर्थ भव्य जला भिषेक काबड़ यात्रा का 4 को होगा आयोजन

पुरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। सावन माह के पांचवे सोमवार को पूरनपुर में चतुर्थ भव्य जलाभिषेक बाइक यात्रा भारतीय बजरंग द्वारा निकाली जाएगी। आयोजकों के अनुसार सभी भक्त सुब छह बजे कोतवाली रोड पर स्थित एक बैंक्वेट हाल के पास एकत्र होंगे। इसके बाद धनाराघाट शारदा नदी के तट से जल भरकर शाहजहांपुर के बंडा में स्थित सुनासर नाथ मंदिर पर जाकर जलाभिषेक करेंगे। जलाभिषेक बाइक यात्रा में सैकड़ों भक्त शामिल होंगे जिसकी समीक्षा बैठक साईं बैंक्वेट हाल मे सम्पन्न हुए जिसमे सभी नगर वासियों और ग्राम वासियों को एवं बजरंगी भाइयों को कावड़ यात्रा में आने के लिए आमंत्रित किया गया

सुन्दरपुर टोल के पास टैंकर की टक्कर से घायल कार चालक की उपचार के दौरान मौत, मामले में मुकदमा दर्ज

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। गजरौला थाना क्षेत्र के गांव बुढिया जमा इटौरिया निवासी सुरेन्द्र सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 9 जुलाई की रात में उनका पुत्र अमित सिंह कार लेकर जा रहा था। जैसे ही वह सुन्दरपुर टोल से कुछ ही दूरी पर पहुचा तभी वह कार साइड में लगाकर पेशाब करने लगा था। तेजरफ्तार से आ रहे टैंकर ने अमित सिंह टक्कर मार दी थी। जिसमें कार भी क्षतिग्रस्त हो गई थी और कार में सवार लोग भी घायल हो गए थे। जबकि अमित गंभीर घायल हो गया था। जिसका उपचार बरेली के एक अस्पताल में चल रहा था और 12 जुलाई को मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज किया है। बुधवार दोपहर 3:00 थाना अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है

पशुशाला में बंधी भैंस चोरी मामले में मुकदमा दर्ज

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव सुआवोझ के रहने वाले सुरेश कुमार ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया था। 14 जुलाई को दरवाजे के पास बनी पशुशाला से भैंस और पडरिया चोरी हो गई। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बुधवार दोपहर 3:00 बजे कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जाँच की जा रही हैं।

हरियाणा में ठेकेदार के साथ मजदूरी पर गया ग्रामीण गायब परिजनों ने पुलिस से की शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव मकरंदपुर के रहने वाले साजिद पुत्र बशीर ने वुधवार शाम 4:30 पर बताया कि एक माह पूर्व उसके पिता वशीर लोधीपुर के रहने वाले ठेकेदार बाबर और राशिद के साथ मजदूरी पर गए थे। जब से अबतक न तो उन से बात हुई और न ही कौई जानकारी मिल रही हैं। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कौई सुराग नहीं लगा सका। साजिद ने अपने पिता के बारे में दोनों ठेकेदारों से जानकारी की तो वह भी कौई जानकारी नहीं दे रहे हैं। जिसको लेकर परिजन काफी परेशान हैं। मामले में पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता के निधन पर नगर पालिका परिषद कार्यालय में हुई शोक सभा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष वरिष्ठ नेता राकेश गुप्ता के निधन पर नगर पालिका कार्यालय में शोक सभा आयोजित की गई। इस मौके पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।नगर पालिका कार्यालय में आयोजित हुई शोक सभा में पालिका अध्यक्ष डॉ आस्था अग्रवाल ने कहा कि पूर्व जिला अध्यक्ष श्री गुप्ता ने अपना पूरा जीवन संगठन के उत्थान में लगाया। वे प्रत्येक कार्यकर्ता से बहुत स्नेह भाव रखते थे।हर किसी कार्यकर्ता के सुख दुख में सहयोग करने के लिए आगे रहते थे। भाजपा के किसी नेता या कार्यकर्ता को जब दिक्कत आई थी। तो अपनी बात रखने उनके पास ही जाता था और वह हाई कमान तक कार्यकर्ता की बात को पहुंचाते थे और उसकी समस्या का समाधान करवाते थे। डॉ आस्था ने कहा कि में आज जो कुछ भी हूं, वह उन्हीं की वजह से हूं। राकेश गुप्ता के निधन से संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता स्तब्ध है। उनके साथ ही भाजपा में स्वच्छ राजनीति के एक युग का अंत हो गया है। वे सदैव याद किए जाएंगे।शोक सभा में भाजपा नगर अध्यक्ष इंद्रेश सिंह चौहान, सह मीडिया प्रभारी विपिन मिश्रा, सभासद वतनदीप मिश्रा,साकेत सक्सेना, रईस अहमद,ईओ संजीव कुमार,संतोष सक्सेना, रोशन लाल,राहुल सक्सेना, शंकर कुमार सहित काफी संख्या में नगर पालिका परिषद कर्मचारी मौजूद रहे है।

भाजपा जिला महामंत्री ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर सौंपा पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। भाजपा के जिला महामंत्री ने भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री को पत्र लिखकर जनता की समस्या से अवगत कराया तहसील कलीनगर मे रजिस्ट्री निबंधन कार्यालय न होने से कृषक बंधुयो को अन्य जनमानस को निबधन कार्य हेतु तहसील पूरनपुर जाना पड़ता है। निबंधन कार्यालय कलीनगर तहसील मे खोले जाने का आग्रह किया हैं। जिस पर केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा सांसद जितिन प्रसाद ने जिला महामंत्री को सभी समस्याओं का आश्वासन देकर जल्द से जल्द समाधान करने की बात कहीं हैं।

छह और विषयों की मिली मान्यता

सुलतानपुर । एमजीएस इंटर कालेज के इंटर की कक्षाओं में अब छह और विषय पढ़ाए जाएंगे। शासनादेश 2025 के अनुपालन में महात्मा गाँधी स्मारक इण्टर कालेज, सुलतानपुर को बालक/बालिका विद्यालय के रूप में इण्टरमीडिएट शिक्षा अधिनियम अन्तर्गत गृह विज्ञान, संगीत, कंप्यूटर विज्ञान, सिलाई, सैन्य विज्ञान व मनोविज्ञान विषय की मान्यता माध्यमिक शिक्षा परिषद के अपर सचिव डा. विनोद कुमार राय ने प्रदान किया। क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट संजय सिंह और प्रबंधक विनोद कुमार सिंह ने बताया विद्यालय को छह विषय की गृह विज्ञान, संगीत, कंप्यूटर विज्ञान, सिलाई, सैन्य विज्ञान व मनोविज्ञान की मान्यता परिषद ने प्रदान की है। परिषद द्वारा प्रदत्त मान्यता विद्यालय के शैक्षिक उन्नयन में अत्यंत सहायक होगा और आधी आबादी बालिकाओं की शिक्षा की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

जीआईसी के प्रधानाचार्य पर गबन के आरोप, हुई पुष्टि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। राजकीय इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ मनोज कुमार तिवारी पर शैक्षिक भ्रमण के नाम पर 357955 रुपया गबन करने की पुष्टि हुई। जांच अधिकारी द्वारा जीआईसी के प्रधानाचार्य पर गबन किए गए उपरोक्त शासकीय धन की वसूली करने और विभागीय कार्यवाही करने की गई संस्तुति। बताते चलें शिकायतकर्ता अमित कुमार ने जीआईसी के प्रधानाचार्य मनोज कुमार तिवारी पीईएस पर पुरातन छात्र सम्मेलन में प्राप्त धन, शैक्षिक भ्रमण के नाम पर आवंटित राशि एवं विद्यालय के अन्य मदो के सरकारी धन उपयोग अपने हित में करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत की थी। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने शिकायतकर्ता के द्वारा जीआईसी के प्रधानाचार्य पर लगाए गए गंभीर वित्तीय आरोपों की जांच के लिए सह जिला विद्यालय निरीक्षक सुल्तानपुर और सहायक वित्त एवं लेखाअधिकारी सुल्तानपुर को दो सदस्यीय जांच समिति बनाते हुए अनियमितता की जांच कराई। जांच समिति की रिपोर्ट में प्रधानाचार्य डॉ मनोज कुमार तिवारी ने विद्यालय के विकास के लिए शासन द्वारा आवंटित कंपोजिट ग्रांट, स्पोर्ट्स ग्रांट, टीएलएम ग्रांट, यूथ एवं इको क्लब ग्रांट, कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम ग्रांट, उपचारात्मक शिक्षण ग्रांट, सामुदायिक सहभागिता ग्रांट, एसएमडीसी प्रशिक्षण ग्रांट, खेलकूद सामग्री ग्रांट, गणित क्लब एवं विज्ञान क्लब ग्रांट, कंपोजिट ग्रांट, सामुदायिक सहभागिता ग्रांट, हेल्थ कैंप ग्रांट आदि के भुगतान में वित्तीय नियमों का पालन नहीं किया गया है। तो दूसरी तरफ राजकीय इंटर कॉलेज के छात्रों के शैक्षिक भ्रमण संबंधी भुगतान में प्रधानाचार्य के द्वारा गंभीर वित्तीय अनियमितता की गई है। प्रधानाचार्य मनोज कुमार तिवारी द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज के 1404 छात्रों को राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान,जायस अमेठी में शैक्षिक भ्रमण के लिए भेजना दिखा कर 696955 रुपए का आहरण किया गया। राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान,जायस अमेठी ने लिखित रूप से बताया है कि राजकीय इंटर कॉलेज से कुल 678 छात्रों ने शैक्षिक भ्रमण किया है। जांच अधिकारी ने अपनी जांच आख्या में स्पष्ट लिखा है की प्रधानाचार्य, राजकीय इंटर कॉलेज, द्वारा शैक्षिक सत्र 2024-25 में शैक्षिक भ्रमण पर भेजे गए विद्यार्थियों की वास्तविक संख्या 678 के अतिरिक्त अन्य छात्रों हेतु किया गया 357955 रुपए का भुगतान गबन की श्रेणी में आता है। प्रधानाचार्य ने शैक्षिक भ्रमण पर ले गए विद्यार्थियों की वास्तविक संख्या से 726 छात्रों का अधिक भुगतान कर कुल 357955 रुपए का गबन किया गया है जो अभिलेखानुसार पुष्टित है। प्रधानाचार्य द्वारा गबन किए गए शासकीय धन रुपया 357955 की वसूली करने और संबंधित के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही करने संस्तुति की गई।

क्षेत्रीय राजनीति की कुंठा

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारत की आत्मा, चेतना, अस्मिता और स्वाभिमान की प्रतीक है। यह भारतीय संस्कृति की वह अदृश्य डोर है, जो देश के कोने-कोने को जोड़ती है। दुर्भाग्यवश हिन्दी जब अपनी वैश्विक उड़ान भर रही है, उसी समय देश के भीतर कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक स्वार्थों के कारण हिन्दी का विरोध हो रहा है। खासकर महाराष्ट्र जैसे राज्य में, जहां मुंबई में हिन्दी फिल्मों का केंद्र है, वहां हिन्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, नारेबाजी और हिन्दी बोलने वालों पर हमले की घटनाएं चिंताजनक हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर जहां दुनिया हिन्दी को सम्मान दे रही है, वहीं भारत में कुछ शक्तियां इसे राजनीतिक हथियार बना रही हैं। यह सच है कि भारत में विविध भाषाओं और बोलियों का समृद्ध संसार है। संविधान 18वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता देता है। इनमें से हर भाषा का सम्मान और संरक्षण आवश्यक है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली हिन्दी के खिलाफ वैमनस्य फैलाया जाए। हिन्दी को थोपे जाने की राजनीति और विरोध दोनों ही गलत हैं। भाषा का विकास संवाद और सहमति से होता है, न कि टकराव से। आज जब हिन्दी आर्थिक, तकनीकी, सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से दुनिया में भारत की पहचान बन रही है, तब इसे विरोध का विषय बनाना केवल संकीर्ण राजनीति का परिचायक है। दुनियाभर में आज जब अपनी-अपनी भाषाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है, ऐसे समय में हिन्दी न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों को छू रही है। एक ओर जहां सैंकड़ों भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं, वहीं हिन्दी वैश्विक मंच पर तेजी से उभर रही है, जिसे लेकर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए। विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। 'एथ्नोलॉग' की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, हिन्दी के 61.5 करोड़ मूल वक्ता हैं। यह आंकड़ा भाषा के प्रसार और इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है। मन्दारिन और अंग्रेजी के बाद हिन्दी की यह स्थिति केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक स्वीकार भी है। वर्षों से हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर लाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। जून 2022 में जब संयुक्त राष्ट्र ने हिन्दी, उर्दू और बांग्ला में जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की तो यह हिन्दी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। इससे स्पष्ट हुआ था कि वैश्विक संस्थाएं अब भारतीय भाषाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती। दुनिया के 50 से अधिक देशों में 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी एक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, जापान, पोलैंड, नेपाल, फिजी, मॉरीशस जैसे देशों में हिन्दी के अध्ययन और शोध को लेकर विशेष रुचि देखी जा रही है। यूजीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत में हिन्दी सीखने आने वाले विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित फिजी में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। वहां फिजी हिन्दी महापरिषद जैसी संस्थाएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय हैं। मॉरीशस में 2002 में स्थापित विश्व हिन्दी सचिवालय हिन्दी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार का सशक्त मंच बना हुआ है। यहां से विश्व हिन्दी पत्रिका और विश्व हिन्दी समाचार जैसे प्रकाशनों के जरिए हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति मजबूत की जा रही है। रूस में भी हिन्दी साहित्य का प्रभाव गहराता जा रहा है। अनेक रूसी विद्वान तुलसीदास, प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा जैसे भारतीय लेखकों के साहित्य का रूसी में अनुवाद कर रहे हैं। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा और साहित्य का व्यापक अध्ययन होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि साहित्यिक दृष्टि से भी हिन्दी की जड़ें वैश्विक धरातल पर गहरी हो रही हैं। हिन्दी को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने भी सम्मान दिया है। 'बच्चा', 'अच्छा', 'दादागिरी', 'पंडित', 'जुगाड़', 'गुलाब जामुन' जैसे अनेक हिन्दी शब्द अब इस प्रतिष्ठित शब्दकोश का हिस्सा बन चुके हैं। यह उस सांस्कृतिक प्रभाव की मान्यता है, जो हिन्दी शब्दों के जरिए दुनिया में फैल रहा है।

शुभांशु शुक्ला की सफलता और अंतरिक्ष स्टेशन की महत्वाकांक्षा

इस अभियान पर इसरो का लगभग 548 करोड़ (59 मिलियन) का खर्च आया, जिसमें प्रशिक्षण, प्रक्षेपण का खर्च और वैज्ञानिक अनुसंधान शामिल था। शुक्ला को कोई सीधा वेतन नहीं दिया गया, जिससे यह साफ होता है कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य ज्ञान हासिल करना था। डॉकिंग, दल समन्वय और आपातकालीन प्रोटोकॉल में उनका अनुभव इसरो के गगनयान कार्यक्रम (जो 2027 में तय है) के लिए बहुत बहुमूल्य डेटा देगा। इसरो की 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की घोषणा से काफ़ी उत्साह है। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने एक मॉड्यूलर स्टेशन की योजनाओं के बारे में बताया, जिसकी शुरुआत 2028 तक एक एकल मॉड्यूल के प्रक्षेपण से होगी। शुरुआत में इसे 120–140 किमी की ऊंचाई पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को ठहराने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसे बाद में 15–20 दिनों के लंबे अभियान के लिए 400 किमी पर संचालित किया जा सकता है।

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई, 2025 को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से 18 दिन का ऐतिहासिक अभियान पूरा कर सकुशल धरती पर लौट आए हैं। उनका यह अभियान एक्सिओम-4 (एक्स-4) अंतरिक्ष यान से पूरा हुआ। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए बड़ी उपलब्धि है। शुभांशु शुक्ला की यह यात्रा अंतरिक्ष में मानव को भेजने की भारत की बढ़ती क्षमता को दिखाती है। साथ ही, यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 2035 तक अपना खुद का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की महत्वाकांक्षी योजना की नींव भी रखती है।

शुक्ला आईएसएस पर रहने और काम करने वाले पहले भारतीय बने हैं। वह राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। राकेश शर्मा 1984 में एक सोवियत अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष में गए थे। 39 साल के भारतीय वायुसेना अधिकारी शुक्ला एक्स-4 अभियान के चालक थे, जो इसरो, नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) और एक्सिओम स्पेस का एक साझा प्रयास था। 25 जून, 2025 को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से रवाना हुए शुक्ला और उनके दल में पेगी व्हिट्सन (यूएसए), स्लावोज उज्नांस्की-विस्निवस्की (पोलैंड) और टिबोर कपु (हंगरी) शामिल थे। उन्होंने 60 से ज़्यादा प्रयोग किए, जिनमें इसरो द्वारा डिज़ाइन किए गए सात प्रयोग भी शामिल थे।

शुक्ला के प्रयोगों का मुख्य ध्यान सूक्ष्मगुरुत्वाकर्षण अनुसंधान पर था, जो लंबे समय तक अंतरिक्ष अभियान के लिए बहुत ज़रूरी है। इनमें मूंग और मेथी के बीज अंकुरित करने, मायोजेनेसिस (शून्य गुरुत्वाकर्षण में मांसपेशी कोशिकाओं का विकास), साइनोबैक्टीरिया, सूक्ष्मशैवाल और भारतीय टार्डिग्रेड (ऐसे सूक्ष्मजीव जो अत्यधिक परिस्थितियों में भी जीवित रह सकते हैं) पर अध्ययन शामिल थे। एक ख़ास प्रयोग सूक्ष्मशैवाल को एक टिकाऊ भोजन स्रोत के रूप में विकसित करना था, जो भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक बड़ी अद्भुत खोज है। शुक्ला ने एक तैरते हुए पानी के बुलबुले का मज़ेदार प्रदर्शन भी किया, जहाँ उन्होंने खुद को ''पानी मोड़ने वाला'' बताया, जिसने लोगों का दिल जीत लिया।

इस अभियान पर इसरो का लगभग 548 करोड़ (59 मिलियन) का खर्च आया, जिसमें प्रशिक्षण, प्रक्षेपण का खर्च और वैज्ञानिक अनुसंधान शामिल था। शुक्ला को कोई सीधा वेतन नहीं दिया गया, जिससे यह साफ होता है कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य ज्ञान हासिल करना था। डॉकिंग, दल समन्वय और आपातकालीन प्रोटोकॉल में उनका अनुभव इसरो के गगनयान कार्यक्रम (जो 2027 में तय है) के लिए बहुत बहुमूल्य डेटा देगा। इसरो की 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की घोषणा से काफ़ी उत्साह है। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने एक मॉड्यूलर स्टेशन की योजनाओं के बारे में बताया, जिसकी शुरुआत 2028 तक एक एकल मॉड्यूल के प्रक्षेपण से होगी। शुरुआत में इसे 120-140 किमी की ऊंचाई पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को ठहराने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसे बाद में 15-20 दिनों के लंबे अभियान के लिए 400 किमी पर संचालित किया जा सकता है। यह गगनयान अभियान के बाद होगा, जिसका उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को स्वदेशी अंतरिक्ष यान और प्रक्षेपण यान का उपयोग करके कक्षा में भेजना है।

प्रस्तावित स्टेशन पदार्थ विज्ञान, जीव विज्ञान और खगोल भौतिकी में सूक्ष्मगुरुत्वाकर्षण अनुसंधान के लिए एक केंद्र के रूप में काम कर सकता है। यह इसरो के चंद्रमा और अंतरग्रहीय अन्वेषण के दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसमें 2040 तक चंद्रमा पर एक अंतरिक्ष यात्री अभियान की योजना भी शामिल है। शुक्ला के एक्स-4 अभियान ने कक्षीय संचालन, दल के स्वास्थ्य और प्रयोग प्रबंधन में महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जो सीधे स्टेशन के विकास में मदद करेगी। इसरो का अंतरिक्ष स्टेशन अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मंच के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें संभावित रूप से नासा, ईएसए और अन्य एजेंसियां शामिल होंगी, जो आईएसएस मॉडल के समान है। साझेदारी के प्रति खुले विचार लागत को कम कर सकती है और वैज्ञानिक परिणामों को बढ़ा सकती है, जिससे भारत आईएसएस के बाद के युग में एक अग्रणी के रूप में उभर सकता है, क्योंकि वर्तमान स्टेशन 2030 तक सेवामुक्त होने वाला है। हालाँकि, भू-राजनीतिक तनाव और चीन के तियांगोंग स्टेशन और एक्सिओम स्पेस जैसे निजी उपक्रमों से प्रतिस्पर्धा सहयोग को जटिल बना सकते हैं। तकनीकी चुनौतियाँ काफ़ी ज़्यादा हैं। इसरो को उन्नत जीवन-समर्थन प्रणालियों, विकिरण परिरक्षण और डॉकिंग तंत्र विकसित करने होंगे। पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान और प्रणोदन प्रणालियों में निवेश का लक्ष्य लागत को कम रखना है, जैसा कि ₹74 मिलियन के मंगलयान अभियान में दिखाया गया, भारत की किफायती इंजीनियरिंग के लिए प्रतिष्ठा का लाभ उठाना है। शुक्ला के अभियान ने वास्तविक समय टेलीमेट्री, आपातकालीन प्रतिक्रिया और दल समन्वय में इसरो की विशेषज्ञता को बढ़ाया है, जो अंतरिक्ष स्टेशन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। शुक्ला के अभियान ने भारत में व्यापक गर्व पैदा किया है, जिसमें स्मृति ईरानी जैसे नेताओं ने इसे ''भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक बड़ी छलांग'' बताया है। जनता में उत्साह स्पष्ट है, हालांकि कुछ लोग इसकी जटिलता के कारण अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल के लिए 2028 की समय-सीमा पर सवाल उठाते हैं।

धन की व्यवस्था एक चुनौती बनी हुई है, सरकार अंतरिक्ष आकांक्षाओं और स्वास्थ्य सेवा जैसी ज़मीनी प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बना रही है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, इसरो के लागत-प्रभावी दृष्टिकोण की सराहना की जाती है, लेकिन व्यापक गगनयान के बाद के परीक्षणों की आवश्यकता को देखते हुए 2028 की समय सीमा की व्यवहार्यता पर सवाल उठाया जाता है। शुक्ला का अभियान और इसरो के अंतरिक्ष स्टेशन की योजनाएँ अंतरिक्ष अन्वेषण को लोकतांत्रिक बना सकती हैं, ब्राजील या दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों को प्रेरित कर सकती हैं। इस परियोजना से भारत के विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) शिक्षा और एयरोस्पेस उद्योगों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे नवाचार और रोज़गार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। शुक्ला के जनसंपर्क प्रयासों ने, जिसमें छात्रों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत शामिल है, एक नई पीढ़ी को प्रेरित किया है। शुभांशु शुक्ला के एक्स-4 अभियान ने भारत को मानव अंतरिक्ष उड़ान में एक उभरते हुए सितारे के रूप में स्थापित किया है, जो गगनयान कार्यक्रम और इसरो के अंतरिक्ष स्टेशन आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करता है। भारत का अंतरिक्ष स्टेशन एक साहसी सोच है, जो अन्वेषण के अगले युग में नेतृत्व करने के अपने इरादे का संकेत देता है। तकनीकी, वित्तीय और राजनयिक चुनौतियों के बावजूद, इसरो का ट्रैक रिकॉर्ड और शुक्ला की सफलता सितारों के बीच भारत के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का संकेत देते हैं।

डॉ. आर. बी. चौधरी

अमर्यादित नहीं हो सकती है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

जब हम विरोध, आलोचना और असहमति के वास्तविक स्वरूप को भूलते हैं तब हमारी अभिव्यक्ति घृणा और नफरत में बदल जाती है। मौजूदा समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय विचार के संगठनों एवं कार्यकर्ताओं पर टिप्पणी का स्वर ऐसा ही दिखायी पड़ रहा है, जो अमर्यादित है। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसी ही अमर्यादित अभिव्यक्ति के मामलों की सुनवाई के दौरान बहुत महत्वपूर्ण बातें कहीं है, जिन पर हमें गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ है। इस पर किसी प्रकार के बाहरी प्रतिबंध लगाना उचित नहीं होगा। लेकिन यदि इसी प्रकार अमर्यादित लिखा-पढ़ी, बयानबाजी और कार्टूनबाजी जारी रही तब समाज में वैमनस्य और सांप्रदायिक तनाव को फैलने से रोकने के लिए कुछ न कुछ युक्तियुक्त प्रबंध करने ही पड़ेंगे। सोशल मीडिया के इस दौर में किसी को भी अमर्यादित और असीमित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती है। नागरिकों को भी समझना चाहिए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की एक मर्यादा है, उसे लांघना किसी के भी हित में नहीं है। उचित होगा कि नागरिक समाज इस दिशा में गंभीरता से चिंतन करे। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ही कहा है कि ह्लअभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत इस्तेमाल समाज में नफरत और विघटन को जन्म दे सकता है। इसलिए नागरिकों को चाहिए कि वे जिम्मेदारी से बोलें, संयम रखें और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करें।

हमारे यहाँ तो महापुरुषों ने भी कहा है कि जो व्यवहार हम अपने लिए अपेक्षित करते हैं, वही व्यवहार हमें सामने वाले के साथ करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ के सामने आया वजाहत खान का मामला ऐसा ही है, जिसमें हिन्दू देवी पर तो आपत्तिजनक पोस्ट कर रहा है लेकिन इस्लाम के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के विरुद्ध शिकायत दर्ज करा है। जब पलटकर किसी ने हिन्दू धर्म का अपमान करने के आरोप में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी, तो वह न्यायालय में पहुँच गया है। याद हो कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनौली ने ऑपरेशन सिंदूर के समय भावावेश में आकर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। हालांकि जब उसे अपनी गलती का अहसास हुआ तो उसने बिना शर्त माफी भी माँग ली और अपना वह वीडियो भी हटा लिया था। लेकिन इसके बावजूद वजाहत खान ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी थी। हालांकि ऐसा करते समय वजाहत खान ने अपने गिरेबां में झांककर नहीं देखा कि वह क्या कर रहा है? जब आप अपनी आस्था पर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी सुनना पसंद नहीं करते तब आपको दूसरों के देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणियां करने का अधिकार किसने दे दिया है? अच्छा ही हुआ कि वजाहत खान जैसों को आईना दिखाने के लिए हिन्दू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने पर उनके विरुद्ध भी प्रकरण दर्ज करा दिया गया है। अब उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मोल समझ आएगा। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा है कि लोगों को हेट स्पीच क्यों अटपटे और गलत नहीं लगते हैं। ऐसे कंटेंट पर नियंत्रण होना चाहिए। साथ ही लोगों को भी ऐसे नफरत भरे कंटेंट को शेयर करने और लाइक करने से बचना चाहिए। इसी प्रकार, सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय के बेहद आपत्तिजनक कार्टून को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए सख्त टिप्पणी की है। न्यायालय ने कार्टूनिस्ट की मानसिकता पर प्रश्न उठाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर बनाए गए इस आपत्तिजनक कार्टून को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ह्लआजकल कार्टूनिस्ट और स्टैंडअप कॉमेडियन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं। क्या ये लोग कुछ भी बनाने और बोलने से पहले सोचते नहीं है? न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि ह्लअभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर इस प्रकार के घृणित व्यंग्य चित्रों को संरक्षण नहीं दिया जा सकता है। हेमंत मालवीय के कार्टून में कोई परिपक्वता नहीं है। ये वास्तव में भड़काऊ है। याद हो कि इस कार्टूनिस्ट के मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय भी फटकार लगा चुका है।

सेहत मंत्र

व्हीटग्रास जूस पीने से सेहत को मिलते हैं गजब के फायदे

हम गेंहू के आटे की रोटियाँ तो खाते हैं लेकिन गेंहू के ज्वारे के जूस यानी व्हीटग्रास जूस के फायदों के बारे में ज्यादातर लोगों को जानकारी नहीं होती है। डॉक्टर्स के अनुसार गेहूं के ज्वारे शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसमें मैग्नीशियम, क्लोरोफिल, कैल्शियम, आयोडीन, सेलेनियम, जिंक, आयरन, फाइवर, विटमिन के, विटमिन बी, सी और ई जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। जो के स्वास्थ के लिए फायदेमंद होते हैं। व्हीटग्रास जूस के सेवन से शरीर को कई तरह से लाभ होता है। वजन कम करने के लिए व्हीटग्रास जूस का सेवन फायदेमंद माना जाता है। इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसके साथ ही इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है। व्हीटग्रास जूस का सेवन करने से वेट लॉस में मदद मिलती है। व्हीटग्रास जूस का सेवन करने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। इसमें कई तरह के एंजाइम्स और फाइबर मौजूद होते हैं जो पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इसके साथ ही यह भोजन को पचाने में सहायक है। व्हीटग्रास जूस का सेवन करने से आर्थराइटिस की समस्या में आराम मिलता है। इसमें कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो जोड़ों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। एनीमिया के रोगियों को भी व्हीटग्रास जूस का सेवन अवश्य करना चाहिए। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर में खून की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। व्हीटग्रास जूस हमारे दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इस जूस का सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल स्तर को कम करने में मदद मिलती है।

धर्म मंत्र

विष्णु के 108 पवित्र मंदिरों में से एक है पद्मनाभस्वामी मंदिर

हमारी संस्कृति में मंदिरों का क्या महत्व है ये तो हम सभी जानते हैं। हर मंदिर का अपना महत्व होता है और कुछ ऐसा ही केरल राज्य के तिरुअनन्तपुरम में स्थित भगवान विष्णु के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर के साथ भी है। कहा जाता है कि जहां मंदिर बना है वहां भगवान विष्णु की प्रतिमा प्राप्त हुई थी जिसके चलते यहां मंदिर का निर्माण किया गया। इस मंदिर को सबसे अमीर मंदिरों में से एक माना जाता है। यहां लोग दूर-दूर से विष्णु जी के दर्शन करने आते हैं। तो चलिए जानते हैं कि आखिर इस मंदिर की मान्यता क्या है और किसने कराया था मंदिर का निर्माण। क्यों प्रसिद्ध है पद्मनाभस्वामी मंदिरः यहां भगवान विष्णु के भक्त हाजरी लगाने आते हैं। मान्यता है कि इस स्थान पर विष्णु भगवान की प्रतिमा प्राप्त हुई थी जिसके बाद उसी स्थान पर इस मंदिर का निर्माण किया गया है। इस मंदिर के गर्म कक्ष में भगवान विष्णु की विशाल मूर्ति स्थापित है। इसी प्रतिमा को देखने के लिए लोग दूर-दराज से आते हैं। यहां पर भगवान विष्णु शेषनाग की शयन मुद्रा में स्थित हैं। ऐसा माना जाता है कि विष्णु भगवान के अंनत नामक नाग के नाम पर इस मंदिर का नाम रखा गया है। यहां पर एक सोने का स्तंभ भी बना हुआ है। यह बेहद खूबसूरत है। यह मंदिर भगवान विष्णु के 108 पवित्र मंदिरों में से एक है। यहां पर भगवान विष्णु भुजंग सर्प अनंत पर लेटे हुए हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर में पुरुष सिले हुए वस्त्र पहनकर प्रवेश नहीं कर सकते हैं। क्योंकि वस्त्र सिलने के बाद अशुद्ध हो जाते हैं।

पर्यटन

बिहार की राजगीर गुफा में छिपा है हर्यंक वंश का खजाना

भारत विविधताओं वाला देश है। उत्तर में हिमालय है तो दक्षिण में कन्याकुमारी है। पश्चिम में कच्छ है तो पूर्व में बंगाल की खाड़ी है। इसके साथ ही कई ऐसे रहस्यमयी स्थान है जो विज्ञान के लिए आज भी पहेली बनी हुई है। इन पहेलियों में एक पहेली सोन भंडार है जो कि बिहार राज्य के राजगीर में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि इस जगह पर सोने का खजाना है, जिसे हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार की पत्नी ने छिपा रखा है। आज तक कोई इस खजाना तक नहीं पहुंच पाया है। अंग्रेजों ने एक बार कोशिश भी की थी, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाए थे। यह स्थान बिहार राज्य के राजगीर में स्थित है। इतिहास की माने तो हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार को सोने चांदी से बेहद लगाव था। इसके लिए वह सोना और उसके आभूषणों को इकठ्ठा करते रहते थे। उनकी कई रानियां थी, जिनमें एक रानी बिम्बिसार की पसंद का पूरा ख्याल रखती थी। जब अजातशत्रु ने अपने पिता को बंदी बना लिया और कारागार में डाल दिया। तब बिम्बिसार की पत्नी ने राजगीर में यह सोन भंडार बनवाया था। इस गुफा में राजा द्वारा इकठ्ठा किए गए सभी खजानों को छिपा दिया गया था। आज तक यह गुफा विज्ञान के लिए पहेली है। इस गुफा में दो बड़े कमरे एक समान बनाए गए थे। एक गुफा में सैनिक रहते थे। जबकि दूसरे कमरे में खजानों को छिपाया गया था। इस कमरे को एक बड़े से चट्टान से ढका गया है, जिसे आज तक कोई खोलने में कामयाब नहीं हो पाया है। इस दरवाजे पर शंख लिपि में कुछ लिखा है। इस बारे में कहा जाता है कि अगर कोई इस लिपि को पढ़ने में सफल हो जाता है तो वह सोन भंडार को खोल सकता है। आजादी से पूर्व अंग्रेजों ने एक बार तोप से इस दरवाजे को उड़ाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें इसमें सफलता नहीं मिली। इसके बाद से किसी ने दरवाजे को खोलने की कोशिश नहीं की है।

नकली शिक्षा पर असली चोट

बिना मान्यता स्कूल पर गिरी गाज, शिक्षा विभाग की सख्ती से मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी । शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होता है जब उसे वैधता और गुणवत्ता का सहारा मिले। लेकिन जब शिक्षा जैसे पवित्र कार्य को अवैध तरीके से किया जाए तो यह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ के समान है। ऐसे ही एक मामले में बनीकोडर शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत संचालित श्रीमती ब्रह्मा देवी मेमोरियल संस्थान को सहायक शिक्षा अधिकारी संजय कुमार राय ने निरीक्षण के दौरान बिना मान्यता के संचालित पाया। यह संस्थान नर्सरी से लेकर कक्षा 10 तक बच्चों को शिक्षा देने का दावा कर रहा था, लेकिन किसी प्रकार की वैधानिक मान्यता न होने के बावजूद निर्बाध रूप से चल रहा था। यह न केवल विभागीय नियमों का उल्लंघन था, बल्कि विद्यार्थियों के शैक्षिक हितों के साथ बड़ा खिलवाड़ भी। संजय कुमार राय की तत्परता और कड़ी कार्रवाई सराहनीय है। उन्होंने तत्काल विद्यालय बंद करवा दिया और बच्चों की शिक्षा बाधित न हो, इसके लिए पास के

सरकारी या मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नामांकन के निर्देश दिए। साथ ही स्कूल प्रबंधक को सख्त चेतावनी दी कि यदि दोबारा बिना मान्यता के संचालन किया गया तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई केवल एक स्कूल तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरे क्षेत्र में संचालित अन्य अवैध शिक्षण संस्थानों को भी साफ संकेत दे गई कि अब शिक्षा विभाग की नजर पैनी है और 'बिना मान्यता के कोई मेहरबानी नहीं।' आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो इस बात पर भी सवाल उठता है कि आखिर यह विद्यालय अब तक कैसे चल रहा था? क्या स्थानीय स्तर पर निगरानी तंत्र निष्क्रिय था या फिर उदासीनता बरती गई? ऐसे मामलों में सिर्फ कार्रवाई नहीं, बल्कि जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। फिर भी यह तथ्य नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता कि संजय कुमार राय जैसे अधिकारी विभाग में सजगता और जवाबदेही का प्रतीक बनकर उभरे हैं। उनकी यह पहल न केवल अनुशासन की मिसाल है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और वैधता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण भी। बिना मान्यता स्कूलों की बढ़ती संख्या पर शिक्षा विभाग की यह पहली ठोस चोट है। उम्मीद है यह लहर पूरे जिले में असर डालेगी, और असली शिक्षा को नकली ढांचे से मुक्त करे ।

सीडीपीओ ने लिया सम्भव अभियान का जायजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) अर्चना वर्मा ने 15 जुलाई से चल रहे संभव अभियान की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने कई गांवों का दौरा किया और लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। सीडीपीओ ने बुधवार को किंतूर सहित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों के घरों का दौरा भी किया। बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा वितरित राशन की जानकारी ली। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को शत-प्रतिशत ईकेवाईसी पूरा करने के निर्देश दिए।संभव अभियान के तहत सीडीपीओ ने स्वयं गर्भवती महिलाओं और बच्चों का वजन

तथा लंबाई मापी। इन आंकड़ों को पोषण ट्रैकर में दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि अभियान में विशेष रूप से कम वजन और कम लंबाई वाले बच्चों की पहचान की जा रही है। सीडीपीओ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

दानपात्रों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, 25 पेटियों से निकले 53 लाख 99 हजार रुपए

मीरजापुर। मां विंध्यवासिनी धाम में एक बार फिर श्रद्धा और आस्था ने नया कीर्तिमान रच दिया। भक्तों के समर्पण ने जब दानपात्रों के ढक्कन खुलवाए, तो उसमें से निकली राशि ने सबको चौंका दिया। कुल 25 दानपात्रों की तीन दिनों तक चली गणना में कुल 53,99,886 रुपये की राशि निकली। यह रकम भक्तों द्वारा मंदिर में अर्पित की गई थी, जिसे पूरी पारदर्शिता के साथ सीसीटीवी कैमरे और पुलिस सुरक्षा के बीच गिना गया। यह गणना केवल मां विंध्यवासिनी मंदिर की ही नहीं थी, बल्कि इससे जुड़े तीन प्रमुख मंदिर मां अष्टभुजी, काली खोह और विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में लगाए गए दानपात्रों की संयुक्त प्रक्रिया थी।

प्यारेपुर तालाब पर भूमाफिया का कब्जा, प्रशासन मौन

ग्राम प्रधान ने डीएम से की शिकायत, तालाब के अस्तित्व पर संकट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी । सफदरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम प्यारेपुर सरैया में स्थित राजस्व अभिलेखों में दर्ज तालाब पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ग्रामीणों और ग्राम प्रधान द्वारा कई बार आपत्ति जताने के बावजूद स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सभा प्यारेपुर सरैया के गाटा संख्या 53, रकबा 0.8638 हेक्टेयर भूमि राजस्व रिकॉर्ड में तालाब के रूप में दर्ज है। बावजूद इसके, कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा तालाब में डंपर व ट्रैक्टर ट्रालियों के माध्यम से मिट्टी भराव कर उसकी पटाई की जा रही है, जिससे तालाब का प्राकृतिक स्वरूप नष्ट होने की कगार पर पहुंच चुका है। इस प्रकरण को लेकर ग्राम प्रधान इंदुकुमार ने जिलाधिकारी को प्रार्थनापत्र सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने और उसके संरक्षण की मांग की है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि राजस्व कर्मियों की शह पर तालाब की भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में गांव को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, ग्राम सभा की परिसंपत्तियों का संरक्षण अधर में लटक जाएगा।ग्राम प्रधान इंदुकुमार ने कहा कि यह न सिर्फ ग्रामवासियों के हितों का हनन है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की खुली लूट है। उन्होंने चेताया कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामवासी आंदोलन को विवश होंगे।

सीसी रोड से खुले विकास के द्वार, मंत्री सतीश शर्मा ने किया लोकार्पण

लोखड़िया मार्ग अब होगा 'कनेक्टिविटी का मॉडल' जनसभा में बोले मंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। प्रदेश सरकार की विकासपरक नीतियों के अनुरूप रामसनेहीघाट क्षेत्र में अधोसंरचना के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई। स्थानीय विकास खंड अंतर्गत जिला पंचायत द्वारा 28.70 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री श्री सतीश शर्मा एवं जिला पंचायत सदस्य अभिषेक वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस सीसी मार्ग की लंबाई 430 मीटर है, जो सादुल्लापुर संपर्क मार्ग से लोखड़िया गांव तक निर्मित किया गया है। लोकार्पण समारोह के अवसर पर एक जनसभा का आयोजन भी किया गया,

जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं भाजपा पदाधिकारी शामिल हुए।

जनसभा को संबोधित करते हुए श्री सतीश शर्मा ने कहा,

''यह सड़क लोखड़िया, भोजपुर, सादुल्लापुर समेत दर्जनों गांवों के लोगों के लिए जीवन रेखा सिद्ध होगी। इससे न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि स्थानीय व्यापार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच भी सहज होगी।'' उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का समग्र विकास हो रहा है।

''2017 से पहले का उत्तर प्रदेश अपराध, भ्रष्टाचार और अराजकता के लिए जाना जाता था, लेकिन आज यही प्रदेश विकास, सुशासन और भयमुक्त समाज की नई पहचान बन चुका है।''

मंत्री शर्मा ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की प्राथमिकता में ग्रामीण क्षेत्रों का बुनियादी विकास सर्वोपरि है।

''हर गांव, हर मजरे तक पक्की सड़क, स्वच्छ जल, बिजली, और डिजिटल सुविधा पहुँचाना सरकार का संकल्प है, जिसे पूरा किया जा रहा है।''

इस लोकार्पण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा नेता जवाहरलाल वर्मा, ग्राम प्रधान दिलीप मौर्या, किशोरी लाल मौर्या, राजेपुर प्रधान रमेश वर्मा, भवनियापुर खेवली प्रधान उदय राज रावत, संतोष वर्मा, राहुल, राम तीरथ, कल्लू रावत सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। जनसभा के दौरान लोगों ने खुशी जताई और सरकार की योजनाओं की सराहना की।सम्पर्क मार्ग की यह परियोजना न केवल एक निर्माण कार्य है, बल्कि यह ग्रामीणों की उम्मीदों को पंख देने वाला एक कदम है।

हत्या के मामले में दो सगे भाईयों सहित तीन दोषियों को उम्रकैद

हमीरपुर। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के गांव इचौली में एक व्यक्ति को पीट पीटकर हत्या के मामले में बुधवार को तीन आरोपितों को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सहायक शासकीय अधिवक्ता चन्द्र प्रकाश गोस्वामी ने बुधवार को बताया कि मौदहा थाना क्षेत्र के पुरवा इचौली में 3 मार्च 2018 को हुये जुग्गीलाल की हत्या के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम ने तीन अभियुक्तों को उम्रकैद सजा के साथ ही दस-दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। उन्होंने बताया कि 3 मार्च 2018 को मौदहा कोतवाली क्षेत्र के नायक पुरवा इचौली में उस वख्त हडकंप मच गया था, जब करीब शाम सात बजे गाँव के ही चन्द्रपाल कोरी के घर के सामने रास्ते में खडी उसकी मोटर साइकिल हटाने को पडोसी बलराम के कहने पर चन्द्रपाल के भाई रामू ने गाली देते हुये लात घूसों से बुरी तरह मारना पीटना शुरू कर दिया। इसी बीच अपने पुत्र को पिटता देख उसका पिता जुग्गीलाल मौके पर उसे बचाने आ गया। जिसके बाद पड़ोसियों ने मिलकर लात घूसों और लाठी डंडों से उसके पिता को बुरी तरह पीट-पीटकर बेहोश कर दिया। जबकि घटना को अंजाम देने के बाद तीनों लोग मौके से फरार हो गये।

जेबीएस अनुदेशकों को प्रबंधक पूनम ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। टिकैतनगर स्थित जेबीएस संस्थान दुल्हदेपुर की प्रबंधक पूनम सिंह ने संस्थान के अनुदेशकों को सम्मानित किया। यह सम्मान व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग उत्तर प्रदेश के अंतर्गत मिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया।जेबीएस आईटीआई को जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। संस्थान की ओर से यह सम्मान आईटीआई के प्रधानाचार्य हिमांशु प्रताप सिंह ने प्राप्त किया। इसके बाद संस्थान की प्रबंधक पूनम सिंह ने सभी अनुदेशकों को सम्मानित किया।कार्यक्रम में जेबीएस पीजी कॉलेज के विभागाध्यक्ष

बाल गोविन्द वर्मा, आनंद सिंह और मोहम्मद शुऐब मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी प्राध्यापक, प्राध्यापिकाएं, छात्र-छात्राएं और शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित थे।

मंडलायुक्त ने 40 ईओ को दी अनंतिम प्रतिकूल प्रविष्टि

मुरादाबाद। मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने बुधवार को मंडल के सभी नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने समीक्षा के बाद मंडल के 40 नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को अनंतिम प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। आरोप था कि इन अधिकारियों ने समय रहते हुए विकास कार्यों पर धन खर्च नहीं किया था। इस मामले में सुधार लाने के लिए अधिशासी अधिकारियों को जुलाई तक का अल्टीमेटम दिया गया है। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने मंडल के सभी नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया कि जांच में आया कि मंडल के पांचों जिलों के 40 अधिशासी अधिकारियों ने समय रहते हुए धन खर्च नहीं किया।

प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्र व देश सर्वोपरि : प्रो. एस पी सिंह बघेल

एजेंसी

फिरोजाबाद। केंद्रीय मंत्री प्रो. एस पी सिंह बघेल ने बुधवार को बिहार चुनाव में मतदाता सूची पर सवाल उठाने वाले नेताओं को जवाब देते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्र व देश सर्वोपरि है। केंद्रीय मंत्री प्रो. एस पी सिंह बघेल बुधवार को फिरोजाबाद के नगला दखल पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने एनसीईआरटी की 8वीं क्लास में औरंगजेब, अकबर और अन्य मुस्लिम शासकों को क्रूर अत्याचारी लिखे जाने पर मौलानाओं द्वारा उठाए गए सवालों पर पलटवार करते हुए कहा कि औरंगजेब क्रूर शासक था वह प्रतिदिन जब तक हजार दो हजार लोगों के धर्म परिवर्तन नही करा देता था और हजार दो हजार जनेऊ नही उतरवा देता था तब तक वो खाना नही खाता था। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने बिहार चुनाव में मतदाता सूची पर विपक्ष का चुनाव आयोग पर सवाल खड़े करने पर कहा कि बीएलओ या संविधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े करना आने वाले चुनाव में हार को कन्वेंस करना है। इसको कहते है नाच न आये आंगन टेड़ा, हम भी चुनाव ईवीएम से सत्ता में हारे थे। जो राजनैतिक दल सवाल उठा रहे है वह भी ईवीएम से जीते है।

उनहोंने महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर मारपीट पर कहा कि जो क्षेत्रीय दल है वो कूपमंडूक है जो राज्य के बाहर जाने की कल्पना ही नही करते। ऐसे लोग अपने राज्य के लोगों को भाषा के नाम पर बरगलाते है और दूसरे राज्यों में जाने से अपने साये से भी डरते है। इसके साथ ही उन्होंने ट्रंप के बयान को लेकर कहा कि भारत अपनी विदेश नीति में दखल बर्दाश्त नहीं करता है। प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रहित व देश सर्वोपरि है। इस दौरान कई भाजपा नेता मौजूद रहे।

फांसी फंदे पर झूला यवक

निन्दूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के चकिया गांव निवासी विवेक गुप्ता 22 वर्ष पुत्र राम गनेश ने मंगलवार की रात अपने सोने वाले कमरे में गमछे से फंदा लगाकर आत्म हत्या ?की । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिये भेजा। क्षेत्रीय चौकी इंचार्ज श्रीकांत मिश्रा ने बताया कि युवक मंदबुद्धि व शराब का आदी था। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

अवधेश बने भाकियू के प्रांत प्रभारी

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन भदौरिया गुट के अध्यक्ष ठाकुर हाकिम सिंह भदौरिया द्वारा समाजवादी पार्टी के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अवधेश कुमार यादव को यूनियन के प्रदेश प्रभारी पद पर मनोनीत किया गया।इस मौके पर सचिव कृष्णपाल शर्मा उपाध्यक्ष इंद्र कुमार चौहान सलाहकार रमेश गुप्ता एवं अध्यक्ष महिला मोर्चा लखनऊ वंदना यादव व अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

दिल्ली की बाइक सफदरगंज में बरामद

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। बीते दो दिनों से लावारिस हालत खड़ी दिल्ली नम्बर की बाईक को ग्रामीणों की सूचना पर सफदरगंज पुलिस ने बरामद की। बताते चले कि सफदरगंज थाना क्षेत्र के जैदपुर रोड पर ग्राम सराय का स्थान के एक कच्चे रास्ते पर गत सोमवार से दिल्ली प्रांत की नम्बर डी एल 5 एस बीबी 5063 जामुन पेड़ के नीचे खड़ी थी ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक अभिमन्यु सिंह ने बरामद कर थाने पर खड़ी करा दिया है।

समाजसेवी ने दरोगा पर अभद्रता व चेकिंग के नाम पर परेशान करने का लगाया आरोप

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर कला के रहने वाले समाजसेवी मुकर्रम अहमद खा ने वुधवार शाम चार बजे बताया कि मंगलवार की रात लगभग 9 बजे उनका भांजा बाइक से डेरी पर जा रहा था। तभी उसकी बाइक का पुलिस ने चालान कर दिया। जब इस संबंध में वह जानकारी करने पुलिस चौकी पर पहुंचे तो आरोप है वहां मौजूद दरोगा ने उनके साथ अभद्रता करते हुए। पुलिस चौकी से भगा दिया और रोज चलाना काटने की चेतावनी दी और कहा कि हम किसी नहीं डरते हैं। जबकि उक्त दरोगा का माधोटांडा थाने में ट्रांसफर हो चुका है। उसके बाद भी वह शेरपुर पुलिस चौकी पर ही जमें बैठे हैं।समाजसेवी ने मामले में प्रभारी निरीक्षक पूरनपुर से शिकायत कर उक्त दरोगा के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

मुंशीगंज पुलिस ने दो जनरेटर और एक बाइक के साथ युवक को पकड़ा

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मुंशीगंज पुलिस ने दो अदद डीजी किर्लोस्कर जनरेटर व एक अदद मोटरसाइकिल के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गये युवक को जेल भेज दिया है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर थाना मुंशीगंज पुलिस द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान थाना मंशीगंज में वांछित व मुकदमा उपरोक्त से संबंधित एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल संख्या यूपी 36 एस 2208 पर सवार विवेक कुमार पुत्र रवीन्द्र नाथ निवासी ग्राम मसूधी थाना दुर्गागंज जनपद भदोही को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई पूंछतांछ में युवक ने बताया कि मैं हेतवी कन्सट्रक्शन लिमिटेड शाखा गौरीगंज के स्टोर दरपीपुर में सुपर वाइजर हूं तथा कर्ज में डूबा हुआ हूं।बीती चौदह जुलाई को दो अदद डीजी किर्लोस्कर जनरेटर सड़क पर खाली आ रही दो पिकअप गाड़ियों में भाड़े पर लादकर बेचने के उददेश्य से दरपीपुर स्टोर रूम से कम्पनी के उच्चाधिकारियों को बिना बताये निकाल लाया था और कम्पनी की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल संख्या यूपी 36 एस 2208 को भी साथ लेकर चला आया था। पुलिस ने पकड़े गये युवक की निशानदेही पर दो अदद डीजी किर्लोस्कर जनरेटर टिकरी के पास से बरामद किया गया।बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धाराओं की बढ़ोतरी की गयी।इस सम्बंध में थाना मुंशीगंज के प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ विधिक कार्यवाही करते हुये जेल भेज दिया गया है।

चेकिंग के दौरान विद्युत चोरी करते पकड़े गए तीन व्यापारी

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। बुधवार को अधीक्षण अभियंता बी.के.जैन को जनपद में विद्युत चोरी से संबंधित चेकिंग के दौरान विवेक सोनी पुत्र अनिल सोनी सोनी कंपलेक्स इंडियन बैंक दरियापुर सुल्तानपुर चेकिंग के दौरान डायरेक्ट बिना कनेक्शन के लगभग 12 किलोवाट का विद्युत चोरी पाई गयी।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत,परिजनों में मचा कोहराम

एजेंसी

जौनपुर । सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कोठवार घनघनुवा गांव निवासी एक युवक मंगलवार की रात गिरधरपुर गांव में बिजली का तार जोड़ने गया था तार जोड़ते समय करंट की चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई। घर से सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। कोठवार घनघनुवा गांव के निवासी गुलशन कुमार (30) पुत्र दयाराम गिरधरपुर गांव में रात को बिजली का तार जोड़ने गया था। स्थानीय लोगों के अनुसार गुलशन बिजली का तार जोड़ते समय अचानक हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई और उनका एक हाथ बहुत बुरी तरह झुलस गया आसपास के लोग जब तक मौके पर पहुंचे, तब तक उसकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। आनन-फानन में उसे पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार सुबह सूचना मिलते ही सरायख्वाजा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि युवक को करंट एक हाथ से लगा जिससे वह बुरी तरह झुलस गया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अक्सर गांवों में बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिजली मरम्मत के कार्य कराए जाते हैं। कई बार लोग अपनी जान जोखिम में डालकर निजी स्तर पर इन कार्यों को करते हैं। क्योंकि विभागीय जिम्मेदारियां समय पर पूरी नहीं होतीं। गांव में बिजली की खराबी कई दिनों से बनी हुई थी और गुलशन को निजी तौर पर बुलाया गया था, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

कुशियारा फाल में डूबे युवक का शव तीसरे दिन बरामद

एजेंसी

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के कुसियारा फाल में सोमवार शाम डूबे युवक का शव तीसरे दिन बुधवार को बरामद कर लिया गया। शव घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूर बरम बाबा मंदिर के आगे नर्सरी के पास नदी में उतराया मिला। मृतक की पहचान रामपुर वासित अली गांव निवासी 18 वर्षीय अमजद शेख के रूप में हुई है, जो दोस्तों के साथ घूमने गया था।

घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया, लेकिन परिजन पोस्टमार्टम से इनकार करते हुए सीधे अंतिम संस्कार की जिद पर अड़ गए। काफी मान-मनौव्वल और लिखा-पढ़ी के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। ज्ञात हो कि सोमवार को अमजद अपने साथियों के

साथ कुशियारा फाल की सैर पर गया था। इस दौरान वह नदी पार करते समय तेज बहाव में फिसलकर पानी में डूब गया। उसके डूबने की खबर मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस की मौजूदगी में दो दिनों तक नदी में खोजबीन चलती रही, लेकिन सफलता नहीं मिली। बुधवार दोपहर करीब एक बजे उसका शव नर्सरी के पास बरम बाबा मंदिर के आगे नदी में तैरता हुआ मिला। लालगंज पुलिस ने एक बार फिर लोगों से अपील की है कि किसी भी जलप्रपात या नदी क्षेत्र में सावधानी बरतें। खासकर बारिश के मौसम में जलस्तर तेजी से बढ़ जाता है और हादसों की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। पुलिस ने युवाओं से अपील की है कि रोमांच की खोज में अपनी जान जोखिम में न डालें।

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 टेस्ट ड्रॉ, हामज़ा शेख़ के शतक ने इंग्लिश टीम को हार से बचाया

एजेंसी

बेकेनहम । भारत और इंग्लैंड के बीच बेकेनहम में खेला गया अंडर-19 टेस्ट मुकाबला मंगलवार को रोमांचक अंदाज़ में ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 63 ओवरों में 350 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 270 रन बनाकर मैच बचा लिया।

अंतिम दिन की शुरुआत भारत ने 229 रनों की बढ़त और सात विकेट शेष रहते की थी। विहान मल्होत्रा (63) ने तेज़ शुरुआत करते हुए कुछ आकर्षक शॉट्स खेले, लेकिन वह एलेक्स ग्रीन की गेंद पर विकेटकीपर थॉमस रियू को कैच दे बैठे। बारिश के चलते खेल थोड़ी देर बाधित हुआ, लेकिन फिर खेल शुरू होते ही भारत को झटके लगे।

ग्रीन और मिंटो ने क्रमशः अभिज्ञान कुंडू (11) और राहुल कुमार (11) को पवेलियन भेजा। आर्ची वॉन (6/84) ने मोहम्मद इनान (5), हेनिल पटेल (0) और दीपेश देवेन्द्रन (4) को आउट कर भारत को संकट में डाला, लेकिन आर.एस. अम्बरीश ने 53 रनों की तेज़ पारी खेलते हुए भारत को 248 तक पहुंचाया। उन्हें मेयस ने रन आउट किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और तीन विकेट जल्दी गिर गए। लेकिन फिर हामज़ा शेख़ (112) और बेन मेयस (51) ने 119 रनों की साझेदारी कर टीम को संभाला। मेयस के आउट होने के बाद थॉमस रियू (50) ने आक्रामक रुख अपनाया और इंग्लैंड को जीत की उम्मीद दी। हालांकि दो तेज़ रन आउट–शेख़ और एकांश सिंह–ने भारत को मैच में वापसी का मौका दिया। इसके बाद रियू भी आउट हो गए, लेकिन राल्फी एल्बर्ट और जैक होम ने अंतिम 11.5 ओवरों तक टिककर खेला और इंग्लैंड को हार से बचा लिया।

आईएसएल स्थगित होने के बाद सुनील छेत्री ने भारतीय फुटबॉल की स्थिति को बताया बेहद चिंताजनक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दिग्गज और रिकॉर्ड गोलस्कोरर सुनील छेत्री ने देश में मौजूदा फुटबॉल हालात को 'बेहद चिंताजनक' बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के स्थगित होने के बाद खिलाड़ियों और स्टाफ की बढ़ती अनिश्चितता और डर को लेकर अपनी चिंता जताई।

छेत्री ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ल्लभारतीय फुटबॉल की मौजूदा स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। मुझे खिलाड़ियों, स्टाफ मेंबर्स, फिजियो, मसाज करने वालों, बल्कि अन्य क्लबों से भी कई संदेश मिले हैं। हर कोई परेशान है, डरा हुआ है और इस अनिश्चितता को लेकर आहत है।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत की शीर्ष पुरुष फुटबॉल लीग आईएसएल को अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया गया है, क्योंकि आईएसएल के आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के बीच इस महीने की शुरुआत में कोई समझौता नहीं हो सका।

छेत्री ने हालांकि उम्मीद भी जताई कि हालात जल्द सुधरेंगे। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि जो लोग खेल का संचालन कर रहे हैं, वे सीजन को दोबारा शुरू कराने के लिए प्रयासरत हैं। मैं आशावादी हूं कि जल्द ही कोई ठोस समाधान निकलेगा।ङ्क

छेत्री आईएसएल के उद्घाटन सीज़न में मुंबई सिटी एफसी का हिस्सा थे और 2013 से दो चरणों में बेंगलुरु एफसी से जुड़े हैं। वह क्लब के साथ अब तक सात खिताब जीत चुके हैं, जिनमें दो आई-लीग और एक आईएसएल खिताब शामिल है। अपनी पोस्ट में उन्होंने खिलाड़ियों और फुटबॉल से जुड़े तमाम कर्मियों के लिए एकजुटता का संदेश भी दिया। उन्होंने लिखा, ल्लमेरे पास शायद सभी जवाब न हों, लेकिन मेरा संदेश उन सभी के लिए है जिनकी रोज़ी-रोटी इस खेल से जुड़ी है। हम इस तूफान को एक साथ पार करेंगे। एक-दूसरे का साथ दें। अभ्यास जारी रखें और खुद को बेहतर बनाते रहें। फुटबॉल फिर शुरू होगी... और जल्द ही होगी।ङ्क

संक्षिप्त समाचार

तीसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के चलते इंग्लैंड पर गिरी गाज, डब्ल्यूटीसी अंक कटे

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ जारी एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड टीम पर दो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक कट गए हैं। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को दी। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लिश टीम को इस रोमांचक मुकाबले में भले ही 22 रनों से जीत मिली हो, लेकिन ओवर रेट की गलती की कीमत उन्हें अंक कटौती के रूप में चुकानी पड़ी। इसके अलावा टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया। इस कटौती के बाद इंग्लैंड के कुल डब्ल्यूटीसी अंक 24 से घटकर 22 रह गए हैं। इससे उनकी पॉइंट्स प्रतिशत (पीसीटी) भी 66.67 फीसदी से घटकर 61.11 फीसदी हो गई है। इस बदलाव के चलते इंग्लैंड टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में दूसरे से तीसरे स्थान पर फिसल गई है, जबकि श्रीलंका ने उन्हें पछाड़ते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस गलती की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है और दोषी मान लिया, जिससे किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। यह सजा आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा सुनाई गई।

वर्ल्ड एथलेटिक्स एथलीट्स कमीशन चुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा

नई दिल्ली। वर्ल्ड एथलेटिक्स एथलीट्स कमीशन के अगले चुनावों के लिए 2025 में उपलब्ध छह सीटों के लिए दस उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गई है। यह चुनाव सितंबर में टोक्यो वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 के दौरान 8 से 20 सितंबर के बीच होंगे। चुनाव में वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए मान्यता प्राप्त सभी एथलीट मतदान के पात्र होंगे। पहली बार एथलीट ऑनलाइन या व्यक्तिगत रूप से वोट डाल सकेंगे। साथ ही, मतदान की अवधि को विस्तारित किया गया है, ताकि जो एथलीट देर से आएं या पहले लौटें, उन्हें भी वोट देने का पूरा मौका मिल सके। पिछले वर्षों की तरह मतदान करने वाले एथलीटों को रिले बैटन उपहार स्वरूप दिए जाएंगे। चुनाव के योग्य वही एथलीट होंगे, जिन्होंने पिछले दो विश्व चैंपियनशिप में से कम से कम एक में हिस्सा लिया हो, या हालिया ओलंपिक खेलों में भाग लिया हो, या फिर इस साल के वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रतिभागी हों। उपलब्ध छह सीटों में से एक डिप्टी चेयर का पद भी शामिल है, जिसे चुनावों के बाद कमीशन के नए सदस्य आपस में चुनेंगे।

घोषित 10 उम्मीदवारों के नाम मुआथ अलखावाल्देह (जॉर्डन), एंड्रियास आल्मग्रेन (स्वीडन), लिया अपोस्तोलोव्स्की (स्लोवेनिया), जोआन चेलिमो (रोमानिया), लिसान्ने डी विटे (नीदरलैंड्स), रामिल गुलियेव (तुर्किये), थिया ला फोंड (डोमिनिका), अन्ना रिज़िकओवा (यूक्रेन), हसन तफ्तियन (ईरान), और जिया ट्रेविसान (इटली)। इन सभी उम्मीदवारों के विस्तृत प्रोफाइल वर्ल्ड एथलेटिक्स लाइब्रेरी में उपलब्ध हैं। 25 अगस्त से आधिकारिक प्रचार अवधि शुरू होगी, जिसके दौरान उम्मीदवार अपनी–अपनी प्रचार गतिविधियां चला सकेंगे। वर्ल्ड चैंपियनशिप के अंतिम दिन 21 सितंबर को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। गौरतलब है कि दिसंबर 2016 में स्वीकृत गवर्नेंस और इंटेग्रिटी सुधारों के तहत वर्ल्ड एथलेटिक्स में एथलीटों की भागीदारी को औपचारिक रूप से संस्थागत रूप दिया गया था। 2019 से, एथलीट्स कमीशन के चेयरपर्सन और एक अन्य सदस्य (एक पुरुष और एक महिला) को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल में पूर्ण मतदान अधिकारों के साथ शामिल किया जाता है।

दीपिका ने रचा इतिहास, पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका ने इतिहास रच दिया है। वह प्रतिष्ठित पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। यह अवॉर्ड उन्हें नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए 2024–25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में किए गए शानदार गोल के लिए मिला। इस अवॉर्ड के लिए दुनियाभर के प्रशंसकों ने वोटिंग की थी।

21 वर्षीय दीपिका ने भारत और वर्ल्ड नंबर–1 नीदरलैंड्स के बीच खेले गए मैच में 35वें मिनट में यह गोल किया था। उस समय भारत 0–2 से पीछे चल रहा था।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: जो रूट फिर बने नंबर–1 बल्लेबाज, बोलैंड ने हासिल की करियर बेस्ट रैंकिंग

एजेंसी

नई दिल्ली । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट एक बार फिर आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 बन गए हैं। उन्होंने यह स्थान एक हफ्ते पहले ही अपने साथी यॉर्कशायर खिलाड़ी हैरी ब्रूक से गंवाया था, लेकिन भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 104 और 40 रनों की पारियों के दम पर वह शीर्ष पर लौट आए हैं। 34 वर्षीय रूट अब आठवीं बार टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बने हैं। वह दिसंबर 2014 में कुमार संगकारा (37 वर्ष) के बाद इस स्थान पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज हैं।

रूट के टॉप पर लौटने के साथ रैंकिंग में बदलाव भी देखने को मिले हैं, हैरी ब्रूक तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं और केन विलियमसन दूसरे स्थान पर आ गए हैं। स्टीव स्मिथ ने यशस्वी जायसवाल को पीछे छोड़कर चौथा स्थान हासिल किया है। शुभमन गिल तीन स्थान नीचे खिसककर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

रवींद्र जडेजा की शानदार बल्लेबाजी (72 और नाबाद 61 रन) ने उन्हें पांच स्थान ऊपर उठाकर 34वें स्थान पर पहुंचा दिया है। केएल राहुल, जिन्होंने लॉर्ड्स टेस्ट में 100 और 39 रन बनाए, पांच स्थान की छलांग लगाकर 35वें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को 77 रन और 5 विकेट की ऑलराउंड परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें बल्लेबाजों में दो स्थान की बढ़त के साथ 42वां स्थान, और गेंदबाजों में एक स्थान की बढ़त के साथ 45वां स्थान मिला है। टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में पांच ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज टॉप-10 में शामिल हैं। स्कॉट बोलैंड, जिन्होंने वेस्ट इंडीज के खिलाफ किंग्स्टन टेस्ट में दोनों पारियों में तीन-तीन विकेट और दूसरी पारी में हैट्रिक ली, छह स्थान की छलांग लगाकर करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। बोलैंड अब पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, नाथन लायन और मिशेल स्टार्क के साथ टॉप-10 में शामिल हो गए हैं। इस तरह का वर्चस्व 1958 के बाद पहली बार देखने को मिला है जब इंग्लैंड के छह गेंदबाज टॉप-12 में थे। भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सात विकेट के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, और उनका कगिसो रबाडा पर 50 अंकों का मजबूत बढ़त कायम है। वेस्ट इंडीज की टीम भले ही दूसरे टेस्ट में 27 रनों पर ऑल आउट हो गई हो, लेकिन उनके लिए अच्छी खबर यह रही कि शमार जोसेफ ने आठ विकेट के दम पर करियर बेस्ट 14वां स्थान हासिल किया है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख बना हुआ है। सोना आज के कारोबार में 450 रुपये से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चांदी के भाव में आज 5,000 रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,280 रुपये से लेकर 99,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,000 रुपये से लेकर 91,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,14,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

स्पिट्जेन लाइटएथलेटिक लुजर्न में भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अनिमेष कुजूर का शानदार प्रदर्शन, पदक से चूके

एजेंसी

नई दिल्ली । स्विट्ज़रलैंड में आयोजित विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर मीट 'स्पिट्जेन लाइटएथलेटिक लुजर्न' में भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अनिमेष कुजूर ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने बुधवार को 100 मीटर दौड़ में 10.28 सेकंड और 200 मीटर में 20.79 सेकंड का समय निकाला।

हालांकि वह पदक जीतने से चूक गए, लेकिन प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के छह पुरुष धावकों में वह सबसे सफल एथलीट रहे। कुजूर 100 मीटर में आठवें और 200 मीटर में नौवें स्थान पर रहे।

कुजूर के 4ब100 मीटर रिले के साथी मणिकांत होबलिदार और अमलान बोरगोहेन इस बार फॉर्म में नजर नहीं आए। होबलिदार ने 200 मीटर दौड़ 21.36 सेकंड में पूरी की, जबकि अमलान समय निकालने में भी नाकाम रहे। भारत के पांच धावकों अनिमेष कुजूर, मणिकांत होबलिदार, जयराम डीएम, ललु भोई और गुरिंदरवीर सिंह ने 100 मीटर में भाग लिया। इनमें केवल कुजूर टॉप-10 में जगह बना पाए, जबकि बाकी खिलाड़ी शीर्ष 15 में भी नहीं आ सके। महिला लंबी कूद में मौमिता मंडल ने 6.34 मीटर की छलांग लगाकर सातवां स्थान प्राप्त किया। वहीं, दो बार की एशियन चैंपियनशिप पदक विजेता शैली सिंह को इस बार निराशा हाथ लगी। वह 6.13 मीटर के साथ दसवें स्थान पर रहीं और अंतिम तीन प्रयासों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकीं। मौमिता मंडल ने महिला 100 मीटर हर्डल्स हीट्स में भी भाग लिया, जहां उन्होंने 13.48 सेकंड में दौड़ पूरी कर 13वां स्थान हासिल किया। पुरुष भाला फेंक में 2018 के राष्ट्रीय जूनियर चैंपियन साहिल सिलवाल ने ग्रुप बी में 77.52 मीटर भाला फेंककर तीसरा स्थान पाया, जबकि कुल मिलाकर वह सातवें स्थान पर रहे। यह उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (81.81 मीटर) से काफी कम रहा। भारत की एकमात्र महिला भाला फेंक प्रतिभागी और राष्ट्रीय खेलों की रजत पदक विजेता करिश्मा सनिल ने 53.93 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 12वां स्थान प्राप्त किया। उन्होंने प्रतियोगिता की शुरुआत 47.48 मीटर से की थी और अंतिम प्रयास में सुधार किया।

वेस्टइंडीज की शर्मनाक हार के बाद सीडब्ल्यूआई ने बुलाई आपात बैठक

एजेंसी

किंग्स्टन (जमैका)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली शर्मनाक हार, खासकर अंतिम टेस्ट में महज 27 रन पर ढेर होने के बाद क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने अपनी क्रिकेट स्ट्रैटेजी कमेटी की एक आपात बैठक बुलाई है, जिसमें सर क्लाइव लॉयड, सर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा को विशेष आमंत्रण भेजा गया है। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने एक बयान में कहा, ''तुरंत प्रभाव से, मैंने क्रिकेट रणनीति और ऑफिशिएटिंग कमेटी के अध्यक्ष को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज, विशेष रूप से अंतिम मैच की समीक्षा हेतु आपात बैठक बुलाने की सलाह दी है। इस बैठक में पहले से ही शामिल पूर्व दिग्गज जैसे डॉ. शिवनारायण चंद्रपॉल, डॉ. डेसमंड हेन्स और इयान ब्रैडशॉ के साथ अब इन महान बल्लेबाजों की भी राय ली जाएगी। पूर्व स्पिनर दिनानाथ रामनाराइन ने बोर्ड की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक तीखा लेख साझा किया है। उन्होंने लिखा, ''बोर्ड के सदस्य खुद को मनमाफिक वेतन देते हैं, खिलाड़ियों का चयन व्यक्तिगत निष्ठा के आधार पर होता है, और राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन को कोई महत्व नहीं दिया जाता। उन्होंने आगे कहा, ''जहां प्रशंसक खामोशी के साथ इस खेल से दूर होते जा रहे हैं, वहीं अधिकारी कुर्सियों से चिपके हुए हैं। हार के बाद भी कोई आत्मचिंतन नहीं, कोई जवाबदेही नहीं।'' रामनाराइन ने यह भी याद दिलाया कि यह वही प्रणाली है जिसकी वजह से वेस्टइंडीज को यूएसए जैसी टीम से 100 रन से हार का सामना करना पड़ा और अब 27 रन पर ऑल आउट होने जैसी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि यह बैठक केवल प्रतीकात्मक नहीं है, ''ये वही लोग हैं जिन्होंने हमारे क्रिकेट के स्वर्णिम युग को परिभाषित किया है।

जापान ओपन 2025: सात्विक–चिराग और लक्ष्य सेन दूसरे दौर में, पीवी सिंधु बाहर

एजेंसी

टोक्यो । जापान ओपन 2025 में भारत के लिए मिश्रित नतीजे देखने को मिले। बुधवार को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी.सिंधु एक बार फिर पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं, जबकि लक्ष्य सेन और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। 30 वर्षीय सिंधु को कोरिया की सिम यू जिन से 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह साल 2025 में सिंधु की पांचवीं पहले दौर में हार है। सिंधु शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आईं, गलतियों की वजह से अंक गंवाती रहीं और लम्बाई का सही आकलन करने में भी संघर्ष करती दिखीं। पहले गेम में उन्होंने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन सिम ने वापसी करते हुए गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु 1-6 से पीछे हो गईं। उन्होंने स्कोर 11-11 तक जरूर बराबर किया, लेकिन इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने तेजी से अंक बटोरते हुए सीधे गेमों में मुकाबला जीत लिया। पुरुष युगल में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी ने कोरिया के कंग मिन ह्युक और किम डोंग जू को 21-18, 21-10 से मात दी। मुकाबला सिर्फ 42 मिनट चला। पहले गेम की शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन एक बार भारतीय जोड़ी ने लय पकड़ी तो उन्होंने दूसरा गेम पूरी तरह से अपने कब्जे में ले लिया। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन, जो इस सीजन में कई पहले दौर की हारों से जूझ चुके हैं, ने चीन के वांग झेंग शिंग को 21-11, 21-18 से हराकर जोरदार वापसी की। वर्ल्ड नंबर 18 लक्ष्य ने पहले गेम में 11-2 की बढ़त लेते हुए आसानी से जीत हासिल की। दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने थोड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य की शुरुआती बढ़त निर्णायक साबित हुई। अब प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में लक्ष्य सेन का मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त और मेज़बान जापान के कोडाई नारोका से होगा।

डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर बनी अनिश्चितता और डॉलर की मांग में तेजी आने के कारण आज रुपया अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिरावट के साथ बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 12 पैसे फिसल कर 85.94 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 85.82 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ ही की थी।

इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 16 पैसे की कमजोरी के साथ 85.98 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया 23 पैसे की कमजोरी के साथ 86.05 के स्तर तक गिर गया था, लेकिन इसके बाद डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया निचले स्तर से 32 पैसे की रिकवरी करके 85.73 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण बढ़ी डॉलर की मांग के कारण रुपया गिरकर 85.94 के स्तर पर बंद हुआ।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि डॉलर इंडेक्स की मजबूती और विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार से अपने पैसे की निकासी के साथ ही अमेरिकी टैरिफ की अनिश्चितता को लेकर कारोबारियों के बीच बनी बेचैनी ने भी भारतीय मुद्रा को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाई। कैपेक्स गोल्ड एंड इंवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता के अनुसार अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के अनुमान से अधिक रहने के कारण डॉलर को सपोर्ट मिला है। इसका असर आज मुद्रा बाजार में डॉलर की कीमत में तेजी के रूप में नजर आया।

भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर के मुकाबले आज कमजोरी जरूर दिखाई, लेकिन ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले रुपया आज मजबूत बना रहा। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 32 पैसे की मजबूती के साथ 115.13 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 45 पैसे की मजबूती के साथ 99.82 के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा।

बिहार चुनाव से पहले बेंगलुरु में कांग्रेस का बड़ा दांव

ओबीसी मीट में 50% आरक्षण सीमा तोड़ने का संकल्प

एजेंसी

बेंगलुरु। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग को रिझाने के लिए शिक्षा, नौकरियों और अन्य क्षेत्रों में आरक्षण की 50% की सीमा को तोड़ने का संकल्प लिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस की ओबीसी परिषद की बैठक में इसका ऐलान किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओबीसी सलाहकार परिषद की दो दिवसीय बैठक बेंगलुरु में आयोजित की गई थी। आज बैठक का दूसरा और आखिरी दिन है। कांग्रेस द्वारा गठित ओबीसी सलाहकार परिषद को देश भर में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर रणनीति बनाने का काम सौंपा गया है।

परिषद की बैठक में केंद्र से तेलंगाना जाति सर्वेक्षण के मॉडल के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तावित जातिगत गणना कराने का आह्वान किया गया। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के नेतृत्व में यहां हुई दो दिवसीय बैठक में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया। सिद्धरमैया ने परिषद में पारित प्रस्तावों को 'बेंगलुरु घोषणा' नाम देते हुए कहा, जनगणना में प्रत्येक व्यक्ति और जाति के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक, रोज़गार, राजनीतिक पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि दूसरा प्रस्ताव आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को समाप्त करने का था, जिससे शिक्षा, सेवा, राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों में ओबीसी के लिए उपयुक्त आरक्षण सुनिश्चित हो सके। सिद्धरमैया ने बुधवार को बेंगलुरु में हुई परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।

सिद्धरमैया ने कहा कि बैठक में पारित तीसरे प्रस्ताव में कहा गया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15(4) के अनुसार निजी शिक्षण संस्थानों में ओबीसी के लिए आरक्षण होना चाहिए। सलाहकार परिषद ने सर्वसम्मति से 'न्याय योद्धा' राहुल गांधी को समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के लिए सामाजिक न्याय का मुद्दा उठाने के लिए धन्यवाद दिया। सिद्धरमैया ने कहा, ''राहुल

जी के दृढ़ निश्चय ने मनुवादी मोदी सरकार को भारत में जातिगत गणना की न्यायोचित और संवैधानिक मांग के आगे झुकने पर मजबूर कर दिया। भारत के सभी पिछड़े वर्गों की ओर से, परिषद हृदय से उनकी सराहना करता है और इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए राहुल गांधी के योगदान को श्रेय देता है।''

जातिगत गणना को लेकर केंद्र द्वारा किये गए फैसले को मील का पत्थर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भारतीय संविधान द्वारा परिकल्पित सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक छोटा सा कदम है। सिद्धरमैया ने कहा, ''न्याय योद्धा राहुल गांधी जी के साहसी और अडिग नेतृत्व में, भारत सामाजिक सशक्तिकरण के अंतिम संवैधानिक उद्देश्य को साकार करने और प्राप्त करने के लिए नियत है, जिससे हमारे महान राष्ट्र में एक समतावादी और समान समाज का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने परिषद से राष्ट्रव्यापी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक जाति जनगणना पूरी करने के लिए मौजूदा सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि पिछड़े वर्गों के लिए 75% आरक्षण या जाति जनगणना के आधार पर आनुपातिक प्रतिनिधित्व के लिए संघर्ष किया जाना चाहिए। उन्होंने निजी क्षेत्र में भी आरक्षण की वकालत की। सिद्धारमैया ने जोर देकर कहा कि अगर अल्पसंख्यकों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) सहित अन्य हाशिए पर पड़े समुदायों की बात नहीं सुनी जाती, तो भारत एक सच्चा लोकतंत्र नहीं रह सकता। ओबीसी परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''अगर ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यकों यानी अहिंदा समुदायों - की सिर्फ़ गिनती की जाती है, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी जाती, तो भारत एक सच्चा लोकतंत्र नहीं रह सकता।' उन्होंने आगे कहा, ''यह सिर्फ आरक्षण की लड़ाई नहीं है। यह उन लोगों के लिए सम्मान, पहचान और असली ताकत की लड़ाई है, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से इससे वंचित रखा गया है।'' अहिंदा कन्नड़ में अल्पसंख्यातरु, हिंदुलिदावरु और दलितरु (अल्पसंख्यक, ओबीसी, एससी) का संक्षिप्त रूप है। कर्नाटक के सामाजिक न्याय के संघर्ष से उपस्थित लोगों को अवगत कराते हुए, मुख्यमंत्री ने 2015 में कंथराज समिति सहित विभिन्न समितियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों का उल्लेख किया, जिन्होंने 1.3 करोड़ परिवारों का सर्वेक्षण किया था।

'उदयपुर फाइल्स' के प्रदर्शन पर लगी रोक हटाने से सुप्रीम कोर्ट का फिलहाल इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल तेली की हत्या पर बनी हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' पर लगी अदालती रोक हटाने से बुधवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के अंतरिम रोक संबंधी आदेश में फिलहाल हस्तक्षेप से इनकार करते हुए कहा कि केंद्र सरकार निर्देशानुसार (दिल्ली उच्च न्यायालय के) फिल्म की जांच कर सकती है और तब तक ये मामला संबंधित याचिकाओं पर कोई सुनवाई के लिए लंबित रहेगा। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम मामले को लंबित रखेंगे। हम उच्च न्यायालय के समक्ष भारत सरकार के दृष्टिकोण का लाभ उठा सकते हैं। मान लीजिए केंद्र कुछ गलत नहीं कहती है तो हम उसे देखेंगे। अगर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड फिल्म में कुछ कटौती करता है तो भी हम उसका अध्ययन कर सकते हैं। अगर केंद्र इस मामले को नहीं ले रहा है, तो अलग बात है। हमें बताया गया है कि समिति गठित कर दी गई है और केंद्र इस पर विचार कर रहा है... हम एक-दो दिन इंतजार कर सकते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि फिल्म से संबंधित आपत्तियों पर कोई निर्णय लेने के लिए गठित समिति को इस मुद्दे पर तत्काल निर्णय लेना चाहिए। पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख मुकर्रर करते हुए कहा, हमें उम्मीद है कि समिति बिना समय गंवाएं पुनरीक्षण याचिका पर तुरंत निर्णय लेगी।

गौरतलब है कि यह फिल्म 11 जुलाई से प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन उससे पहले 10 जुलाई को दिल्ली उच्च न्यायालय ने उस पर अंतरिम रोक लगा दी थी। अदालत ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद रोक संबंधी आदेश पारित किया था। इस रोक संबंधी के आदेश को फिल्म निर्माता कंपनी ने शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। दूसरी ओर, कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपियों में शामिल मोहम्मद जावेद ने फिल्म पर रोक लगाने की गुहार लगाते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

एनएलसीआईएल को सात हजार करोड़ रुपये के निवेश की मिली मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) पर लागू मौजूदा निवेश दिशानिर्देशों से एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) को विशेष छूट देने की मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रिमंडलीय समिति ने नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) पर लागू निवेश संबंधी मौजूदा दिशानिर्देशों से एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) को विशेष रियायत प्रदान की है। इस रणनीतिक निर्णय से एनएलसीआईएल अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआईआरएल) में सात हजार करोड़ रुपये का निवेश कर सकेगी और बदले में एनआईआरएल मौजूदा शक्तियों के प्रत्यायोजन के तहत पूर्वानुमति की आवश्यकता के बिना, सीधे या संयुक्त उद्यम बनाकर विभिन्न परियोजनाओं में निवेश कर सकेगी। इन रियायतों का उद्देश्य एनएलसीआईएल के 2030 तक 10.11 गीगावाट अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षमता विकसित करने और 2047 तक इसे 32 गीगावाट तक विस्तारित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करना है। यह अनुमोदन सीओपी (कॉप) 26 के दौरान कार्बन उत्सर्जन से मुक्त अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव और सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है। देश ने 'पंचामृत' लक्ष्यों और 2070 तक कार्बन उत्सर्जन से पूरी तरह मुक्ति प्राप्त करने की अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के तहत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता का निर्माण करने का संकल्प लिया है।

श्री वैष्णव ने बताया कि वर्तमान में, एनएलसीआईएल 2 गीगावाट की कुल स्थापित क्षमता वाली सात अक्षय ऊर्जा परिसंपत्तियों का संचालन करती है, जो या तो चालू हैं या वाणिज्यिक संचालन के करीब हैं। कैबिनेट की इस मंज़ूरी के बाद ये परिसंपत्तियां एनआईआरएल को हस्तांतरित कर दी जायेंगी। इस अनुमोदन से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने, कोयला का आयात कम करने तथा देश भर में 24 घंटे सातों दिन विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने के कारण हरित ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है।

राजकमल प्रकाशन की नई पहल—'राजकमल उर्दू' : दो ज़ुबानें एक रास्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राजकमल प्रकाशन ने उर्दू और हिन्दी के बीच संवाद को बढ़ाने की दिशा में एक नई पहल की घोषणा की है। प्रकाशन ने कहा है कि वह 'राजकमल उर्दू' के तहत उर्दू का चुनिंदा और महत्वपूर्ण साहित्य देवनागरी लिपि में प्रकाशित करेगा।

राजकमल पिछले अस्सी वर्षों से हिन्दी के श्रेष्ठ लेखन के साथ-साथ उर्दू का चुनिंदा साहित्य भी देवनागरी में प्रकाशित करता रहा है। हिन्दीभाषी समाज को अगर समग्रता में समझना है तो हिन्दी और उर्दू?दोनों ज़ुबानों के साहित्य को पढ़ने की ज़रूरत स्वाभाविक है। उर्दू का साहित्य-संसार अनोखा और बड़ा है। अब तक बहुत काम होने के बावजूद उसका एक छोटा-सा हिस्सा ही हमारे सामने आ सका है; और यह फ़ासला समय के साथ बड़ा होता गया है। इस ज़रूरत पर अरसे से चर्चा बनी हुई है कि इस बढ़ते फ़ासले को कम किया जाए। राजकमल प्रकाशन इसी मंशा से 'राजकमल उर्दू' की शुरूआत करने जा रहा है।

'राजकमल उर्दू' के सम्पादन की ज़िम्मेदारी कथाकार, शायर और पॉडकास्टर तसनीफ़ हैदर संभाल रहे हैं। उन्होंने अपनी 'और' नामी पत्रिका और वेबसाइट दोनों के ज़रिये हिन्दी के कई लेखकों, कवियों को उर्दू के पाठकों तक पहुँचाया है और उर्दू के अदीबों का काम भी हिन्दी पाठकों के लिए लाते रहे हैं। उनका 'अदबी दुनिया' के नाम से एक ऑडियोबुक चैनल भी है जिसके ज़रिये हज़ार से ज़्यादा उर्दू कहानियाँ, अहम शायरों के कई मजमूए और क़ाबिल-ए-ज़िक्र उपन्यास पेश किए जा चुके हैं।

'राजकमल उर्दू' की घोषणा करते हुए राजकमल प्रकाशन समूह के अध्यक्ष अशोक महेश्वरी ने बुधवार को कहा, हिन्दी और उर्दू साझी ज़मीन की ज़ुबानें हैं। एक-दूसरे के बिना ये नामुक्कमल हैं। हमारे अनुभव में उर्दू से हिन्दी में आने के लिए 'अनुवाद' नहीं, सिर्फ़ 'लिप्यन्तरण' की ज़रूरत होती है क्योंकि भाव, व्याकरण, मुहावरे, सब साझे होते हैं। उन्होंने कहा, आज जब उर्दू शायरी हिन्दी भाषी युवाओं में आश्चर्यजनक रूप से लोकप्रिय हो रही है, जब दोनों भाषाओं के लेखक और पाठक साझा मंचों पर आ रहे हैं, तब यह ज़रूरी है कि प्रकाशन जगत भी इस संवाद को मजबूती दे। हमारा मानना है कि भाषाओं के बीच दूरियाँ तभी दूर हो सकेंगी जब हम उनके बीच संवाद को बढ़ाएँगे। इस मौक़े पर तसनीफ़ हैदर ने कहा, 'राजकमल उर्दू' की शुरुआत इस एहसास से हो रही है कि देवनागरी पढ़नेवाले बड़े हिन्दी पाठकवर्ग तक उर्दू की अहम किताबों को पहुँचाना अब एक ज़रूरत बन चुका है। तमाम कोशिशों के बावजूद हिन्दी समाज उर्दू के बेहतरीन लेखन से एक अरसे से महरूम रहा है। ऐसे वक़्त में, जब ज़बानों के नाम पर हर तरफ़ नाइत्तिफ़ाक़ियाँ गहराती जा रही हैं, इन दो जुड़वां तहज़ीबों—हिन्दी और उर्दू—को क़रीब लाने की सख़्त ज़रूरत है, ताकि हिन्दी साहित्य और समाज में उर्दू की अहमियत और उसकी तहज़ीबी समझ को नए सिरे से पैदा किया जा सके।

शांति सैनिकों पर हमलों की जवाबदेही बेहद जरुरी : भारत

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने कहा है कि शांति सैनिकों पर हमलों के मामले में जवाबदेही का होना न केवल इंसाफ के लिए बल्कि दुनियाभर में इस संगठन के शांति अभियानों के लिए भी जरुरी है।

श्री हरीश ने यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को खतरनाक क्षेत्रों में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन कई मामलों में उनके खिलाफ हुए अपराधों की कोई सजा नहीं मिलती। जवाबदेही की यह कमी अंतर्राष्ट्रीय शांति प्रयासों को कमजोर बनाती है और इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है। यह कार्यक्रम 'ग्रुप ऑफ फ्रेंडस' नाम के एक समूह ने आयोजित किया था। उन्होंने अपराधियों को सजा दिलाने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की रणनीतियों पर जोर देते हुए कहा, ''न्याय से शांति सैनिकों की सुरक्षा में प्रत्यक्ष रूप से सुधार होता है, जिससे वे अपने खास मिशन को पूरा कर पाते हैं। इस जिम्मेदारी को पूरा करना हमारा साझा कर्तव्य है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने एक बयान में कहा कि जवाबदेही, केवल व्यक्तियों के लिए न्याय का मामला नहीं है, बल्कि दुनिया भर में भविष्य में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के प्रभाव और विश्वसनीयता का आधार है। .इस कार्यक्रम में करीब 40 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया और शांति सैनिकों के विरुद्ध अपराध करने वालों को कानून के दायरे में लाने के लिए रणनीतियों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया।

खेत-किसान के हिसाब से होंगे अनुसंधान, छोटी जोत के लिए बनेंगी छोटी मशीनें : शिवराज

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि देश में छोटी जोत के हिसाब से छोटी मशीनें तैयार की जायेंगी तथा किसानों के साथ खाद-बीज आदि में धोखाधड़ी रोकने के लिए एक टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा। उन्होंने वैज्ञानिकों से प्राकृतिक खेती के जरिए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद की दिशा में काम करने का आह्वान किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 97वें स्थापना दिवस के अवसर पर यहां पूसा के एन.ए.एस.सी. कॉम्प्लेक्स स्थित भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री ने उत्कृष्ट योगदान के लिए वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान पुरस्कार भी वितरित किये। उत्कृष्ट महिला वैज्ञानिक, युवा वैज्ञानिक, नवाचार वैज्ञानिक सहित विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार वितरण किये गये। केंद्रीय कृषि मंत्री ने परिसर में आयोजित विकसित कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। साथ ही विभिन्न कृषि उत्पादों और प्रौद्योगिकी की जानकारी भी ली। कार्यक्रम में 10 कृषि प्रकाशनों का विमोचन किया गया। साथ ही कृषि क्षेत्र के विभिन्न समझौता ज्ञापनों का विमोचन भी किया गया। श्री चौहान ने समस्त देशवासियों की तरफ से स्थापना दिवस पर आईसीएआर की टीम को बधाई दी।

उन्होंने वैज्ञानिकों को आधुनिक महर्षि की संज्ञा देते हुए कहा कि हमारे वैज्ञानिकों की बौद्धिक क्षमता अतुलनीय है। अपनी कार्य क्षमता के बल पर वैज्ञानिक किसान कल्याण और विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुसंधान अब पूसा में तय नहीं होगा, खेत और किसान के हिसाब से आगे के शोध के रास्ते तय होंगे। उन्होंने आईसीएआर के महानिदेशक को 'एक टीम-एक लक्ष्य' की संकल्पना पर भी काम करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि एक केंद्रित लक्ष्य के साथ वैज्ञानिकों की टीम बनाकर, किसान कल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, छोटी जोत, वायरस

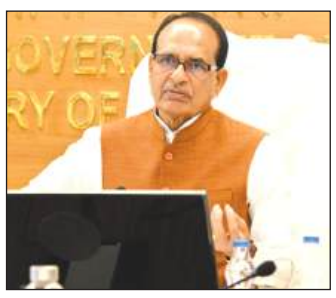

अटैक और पशुपालन से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों के बावजूद उत्पादन में लगातार वृद्धि की दिशा में वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की और प्राकृतिक खेती के जरिए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद की दिशा में काम करने का आह्वान किया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि दलहन और तिलहन में प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ाने के लिए कदम उठाने और बड़े पैमाने पर शोध करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में जोत के आकार छोटे हैं, इसलिए बड़ी मशीनों की जरूरत नहीं। छोटी मशीनें बनाने पर जोर देना होगा। जल्दी खराब होने वाले कृषि उत्पादों की सेल्फ लाइफ बढ़ाने की दिशा में शोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समझौता ज्ञापन करते समय ध्यान दिया जाये कि जिन कंपनियों के साथ समझौते हो रहे हैं वे किस कीमत पर बीज और उत्पाद बेच रही हैं इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए अन्यथा वैज्ञानिकों के शोध का लाभ किसानों को नहीं मिल पायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि किसानों की शिकायतों के लिए आधिकारिक तौर पर एक टोल फ्री नंबर जारी किया जायेगा। मानक से कमतर उर्वरक या बीज कोई उनके साथ धोखा करता है तो किसान इस नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि 30 हजार बायोस्टिमुलेंट बेचे जा रहे थे जिसके संबंध में सख्ती से कदम उठाया गया है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखकर इस संबंध में उचित कार्रवाई के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान को गैर-उपयोगी उत्पाद खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि जिस प्रकार से जन औषधि केंद्रों के रूप में सस्ती दवाइयों की दुकान हैं, उसी तर्ज पर सस्ते उर्वरकों के लिए भी केंद्र या दुकान खोलने पर विचार किया जा सकता है। श्री चौहान ने कहा, ल्ल देश में अन्न के भंडार भरे हुए हैं। हम गेहूं का निर्यात कर रहे हैं। चावल उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज कैबिनेट की बैठक में चावल के स्टोरेज को लेकर चर्चा की गयी। चावल का इतना उत्पादन हुआ है कि रखने के लिए अतिरिक्त जगह का प्रबंध किया जा रहा है। पिछले 11 साल में खाद्यान्न उत्पादन में ढाई से तीन गुना वृद्धि देखी गई। इसी तरह बागवानी के क्षेत्र में साल 2014 से 2025 के बीच एक करोड़ दो लाख टन प्रति वर्ष की वृद्धि दर्ज की गयी। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट सहित देश भर से आये भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुये।

पेज एक का शेष

मोदी कैबिनेट...

की असीम आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में पारित संकल्प को पढ़ते हुए कहा, ''मंत्रिमंडल, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने ऐतिहासिक 18 दिवसीय मिशन के सफल समापन के बाद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी पर वापसी का जश्न मनाने में राष्ट्र के साथ शामिल है। संकल्प में कहा गया है कि यह मिशन अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में भारत को ऊंचाइयों पर ले जाता है। इसमें कहा गया है, ''यह गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन सहित भारत की अपनी मानव अंतरिक्ष उड़ान महत्वाकांक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मानव अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी रहने के भारत के संकल्प की पुष्टि करता है। एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्री 25 जून 2025 को अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए थे। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इसमें मिशन पायलट के रूप में शामिल थे। मंत्रिमंडल ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और देश के वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों के पूरे समुदाय की सराहना की, जिनके अथक प्रयासों से यह उपलब्धि संभव हो पाई। आईएसएस पर रहते हुए ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ मिलकर अनेक प्रयोग किए। यह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सहयोग में भारत के बढ़ते नेतृत्व भूमिका का प्रमाण है।

वाराणसी, मुजफ्फरनगर...

27 जनवरी 2025 और 7 अप्रैल 2025 समेत कुल 14 बोर्ड बैठकों में उपस्थित नहीं रहीं। उन्होंने अपने स्थान पर रईस मियां को ऑडियो कॉल द्वारा 'वर्चुअली बैठकों में प्रतिनिधि के रूप में प्रतिभाग कराया। नगर पालिका अधिनियम, 1916 के अनुसार ऐसा नहीं किया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी की जांच रिपोर्ट को जिलाधिकारी शाहजहांपुर द्वारा शासन भेजे जाने के बाद उन्हें बताओ नोटिस दिया गया है।

यूपी के विधायकों ...

भाषणों और दस्तावेजों का विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने में सक्षम है। एआई डैशबोर्ड के माध्यम से सरकारी परियोजनाओं की प्रगति और खर्च की रियल-टाइम निगरानी की जा सकेगी। इस पहल के तहत भविष्य में विधानसभा में विशेष एआई सहायता इकाइयों के गठन का सुझाव भी रखा गया है। ये इकाइयां विधायकों को कानूनी अनुसंधान, दस्तावेजों की जांच और नीतिगत अध्ययनों में तकनीकी सहयोग प्रदान करेगी। विधानसभा सचिवालय की योजना है कि सदस्यों और उनके कर्मचारियों के लिए नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि वे एआई उपकरणों के उपयोग में दक्ष हो सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम न केवल विधायी प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाएगा, बल्कि उत्तर प्रदेश को डिजिटल विधायी क्रांति के पथ पर अग्रणी राज्य भी बनाएगा।

रूस ने अमेरिकी...

चाहिए''। गौरतलब है कि इस स्पष्टीकरण से ठीक एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि अमेरिका नाटो के ज़रिए यूक्रेन को हथियार भेजेगा और 50 दिनों में युद्धविराम समझौता न होने पर रूस पर ''कड़े टैरिफ'' भी लगाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पैट्रियट मिसाइल प्रणालियाँ ''कुछ ही दिनों में'' यूक्रेन पहुँच सकती हैं। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने भी साफ किया कि श्री ट्रंप का 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का मतलब ''आर्थिक प्रतिबंध'' से ही है। इस बीच रूसी विदेश मंत्रालय ने हथियारों की आपूर्ति की निंदा करते हुए कहा कि यह इस बात का सबूत है कि नाटो देश शांति में रुचि नहीं रखते। उधर यूक्रेन की संसद ने मंगलवार को देश की युद्धकालीन स्थिति और सैन्य लामबंदी को पांच नवंबर यानि 90 दिनों तक बढ़ाने के लिए मतदान किया। सांसदों ने ओटावा कन्वेंशन से अस्थायी रूप से हटने को भी मंजूरी दी जो एक अंतरराष्ट्रीय संधि है और सैनिकों के खिलाफ बारूदी सुरंगों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाती है।

न्यायालय वकीलों ...

मसौदा तैयार करने का अनुरोध कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि विधेयक विचाराधीन है। याचिका में वकीलों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा के मकसद से अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 10(3) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत संबंधित अधिकारियों को एक समिति गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। अधिनियम की धारा 10 अनुशासन समितियों के अलावा अन्य समितियों के गठन से संबंधित है। याचिका में कहा गया है कि अधिवक्ता (संरक्षण) विधेयक के भारतीय विधि आयोग के समक्ष विचाराधीन रहने के दौरान याचिकाकर्ता ने अधिवक्ता अधिनियम की धारा 7(डी) के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए अधिवक्ताओं के विशेषाधिकारों की रक्षा से जुड़े नियम लागू करने के लिए बीसीआई को पत्र लिखा था। इसमें कहा गया है, 'मौजूदा याचिका, जो जनहित में दायर की जा रही है, विभिन्न घटनाओं के कारण आवश्यक हो गई है, जिनसे पता चलता है कि बार काउंसिल के लिए विशेषाधिकारों के उल्लंघन से जुड़ी चिंताओं को संबोधित करना और ऐसे उल्लंघनों से अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी उपाय करना जरूरी है। याचिका में कहा गया है कि एक प्रभावी न्याय व्यवस्था के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वकीलों के विशेषाधिकारों का उल्लंघन न हो, ताकि वे बिना किसी डर के और स्वतंत्र रूप से अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें। इसमें वकीलों पर हमले से जुड़ी घटनाओं का भी जिक्र किया गया है। याचिका में कहा गया है, 'वकीलों पर हमले से न केवल अधिवक्ताओं की व्यक्तिगत गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि इससे न्याय प्रशासन की प्रतिष्ठा और कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।'

अदालतों में टॉयलेट...

निर्देश देते हुए सभी उच्च न्यायालयों, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि वे पुरुषों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अलग-अलग शौचालय सुविधाएं सभी अदालत परिसरों और न्यायाधिकरणों में उपलब्ध कराएं। पिछली सुनवाई में चार महीने के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया था।

अयोध्या में फिर...

का आनंद ले सकेंगे। इसके लिए भी प्लान बनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान अयोध्या वासियों को भीड़ से कोई तकलीफ न हो, इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। ध्वज पूजन समारोह के पहले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र सभी सनातनी मंदिरों से अपील कर सकता है कि सभी लोग मंदिर के शिखर पर 25 नवंबर को नया ध्वज पताका फहराकर अपने-अपने मंदिरों में इस समारोह को पूरी उल्लास के साथ मनाएं और अपने आसपास के लोगों को भी समारोह में सम्मिलित करें। मंदिर की कुल ऊंचाई 203 फीट है। 29 अप्रैल को मंदिर के शिखर पर 42 फीट ऊंचा धर्म ध्वज दंड लगाया गया था। ट्रस्ट के मुताबिक मंदिर का शिखर 161 फीट ऊंचा है। ध्वज लगने के बाद मंदिर की ऊंचाई 203 फीट हो गई है। ध्वज दंड का वजन 5.5 टन है और यह पीतल ''ब्रास'' से बना है, 60 कारीगरों ने 7 महीने में तैयार किया है। नवंबर 2019 में उच्चतम न्यायालय ने राम मंदिर पर अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया, 5 फरवरी 2020 को संसद ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया। महंत नृत्य गोपाल दास अध्यक्ष और चंपत राय महासचिव बने ट्रस्ट ने समर्पण निधि कार्यक्रम चलाया जिससे धन इकट्ठा हुआ। पांच अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमि पूजन किया और मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की, 5 जून 2025 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की और अब नवंबर 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा मंदिर के शिखर पर ध्वज पताका फहरायेंगे और इसी के साथ श्री राम मंदिर के निर्माण का कार्य संपन्न हो जाएगा। मंदिर परिसर और परकोटे के बाहर अन्य कार्य चलता रहेगा।

कमजोर लिस्टिंग और लोअर सर्किट के बाद एस्टन फार्मा की जोरदार वापसी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। फार्मा प्रोडक्ट्स बनाकर दुनिया के कई देशों में उनका निर्यात करने वाली कंपनी एस्टन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 123 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 3.25 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ इसकी लिस्टिंग 119 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 113.05 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू करके न केवल लोअर सर्किट को ब्रेक किया, बल्कि जबरदस्त खरीदारी करेक इस

शेयर को 124.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंचा दिया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में डिस्काउंट लिस्टिंग के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक 1.59 प्रतिशत का मुनाफा कमाने में सफल रहे।

एस्टन फार्मास्यूटिकल्स का 27.56 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 186.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 85.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 353.14 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 172.06 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले 22.41 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मशीनरी खरीदने, पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.36 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.33 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 2022-23 के 7.19 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 के अंत तक 25.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीने अप्रैल और मई के दौरान कंपनी को 1.32 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' की गंभीर वित्तीय अनियमितताओं की जांच करेगी एसीबी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वर्ष 2020-21 में आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार द्वारा चलाई गई 'जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना' में गंभीर वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का बजट सिर्फ 15 करोड़ रुपये, लेकिन आआपा सरकार ने 142 करोड़ रुपये से ज्यादा के फर्जी बिलों वाली फाइलों को आगे बढ़ा दिया। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) अब इन वित्तीय अनियमितताओं की जांच करेगी। बहुत जल्द दूध का दूध और पानी का पानी होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आआपा ने दलितों के नाम पर सत्ता हथिया कर दलित बच्चों के भविष्य को लूटा है। इन्होंने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के आदर्शों का अपमान किया है और शिक्षा जैसे पवित्र क्षेत्र को भी अपनी भ्रष्ट नीतियों से गंदा किया है। उन्होंने कहा कि जिन दलित बच्चों को कोचिंग मिलनी थी उनके नाम पर बिना दस्तावेज के दावे, बिना हस्ताक्षर के आवेदन और कई संस्थानों के तो 100 फीसद दावे ही फर्जी पाए गए। बाबा साहेब के नाम पर भ्रष्टाचार करने वाली आआपा को पाई-पाई का हिसाब देना होगा। आआपा की राजनीति हमेशा दलितों के नाम पर दिखावा करती रही है लेकिन जब जिम्मेदारी निभाने की बारी आई तो उन्हीं के हक पर डाका डालने से भी नहीं चूकी। अब इनका असली चेहरा जनता के सामने आएगा।

संक्षिप्त समाचार

साइबर थाना की कार्रवाई: ठगी के शिकार युवक को वापस दिलाए गए 15,000 रुपये

पूर्णिया। साइबर अपराध की रोकथाम और पीड़ितों को राहत देने की दिशा में पूर्णिया साइबर थाना द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। आज थाना की तत्परता से साइबर ठगी के शिकार रूपेश कुमार यादव को 15,000 रुपये की राशि वापस दिलाई गई। बताया गया कि रूपेश कुमार यादव किसी अज्ञात साइबर अपराधी के झांसे में आकर 15,000 रुपये की ठगी का शिकार हो गए थे। मामले की जानकारी मिलते ही साइबर थाना टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैंक और संबंधित माध्यमों से समन्वय स्थापित किया और पीड़ित की राशि को रिकवर करवा दिया।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये समर्थ पोर्टल खुला

नैनीताल । सत्र 2025-26 में कुमाऊँ विश्वविद्यालय सहित राज्य के श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय तथा इनके संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 15 जुलाई की मध्य रात्रि से समर्थ पोर्टल को खोल दिया गया है। बताया गया है कि पोर्टल आगामी 26 जुलाई 2025 की रात्रि 12 बजे तक खुला रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी समर्थ पोर्टल से पंजीकरण शुल्क 50 रुपये जमा कर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के उपरांत बैंक शुल्क रसीद और आवेदन पत्र का प्रिंट सुरक्षित रखना अनिवार्य बताया गया है, जो आगे की प्रक्रिया के लिये आवश्यक होगा।

चंपावत में नदी महोत्सव-2025 : गौड़ी नदी के संरक्षण के लिए जागरूकता, स्वच्छता और पौधरोपण का संकल्प

चंपावत । नदी महोत्सव-2025 के तहत गौड़ी, गंडक नदी के संरक्षण व जन-जागरूकता के लिसए सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जागरूकता गोष्ठी, पौधरोपण, स्वच्छता अभियान और जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय सभागार में हुई गोष्ठी से हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रेरक वक्तव्य दिए गए।
डीएफओ ने पहाड़ी जल संकट पर चिंता जताते हुए जल स्रोतों की रक्षा के लिए जीवनशैली में बदलाव की आवश्यकता बताई। वहीं, मुख्य विकास अधिकारी ने हरेला और नदी महोत्सव जैसे आयोजनों को सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ते हुए 'खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में' की अवधारणा को दोहराया।
जिलाधिकारी मनीष कुमार ने पर्यावरण को सांस्कृतिक पहचान बताते हुए प्रत्येक नागरिक को पेड़ लगाने और उसकी रक्षा का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। इसके बाद वृक्षारोपण और गौड़ी नदी क्षेत्र में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का समापन जन-जागरूकता रैली से हुआ, जो डिग्री कॉलेज से फुलार गांव तक निकाली गई।
नदी महोत्सव के समन्वय नोडल अधिकारी धनपत कुमार ने बताया कि जनपद की तीन प्रमुख नदियाँ गौड़ी/गंडक, लोहावती और कालसन है के लिए दीर्घकालिक पुनर्जीवन योजना तैयार की जा रही है। इसमें तकनीकी उपायों के साथ कैचमेंट एरिया संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

हरेला पर्व पर एसडीआरएफ ने चलाया वृहद पौधरोपण अभियान

देहरादून । उत्तराखंड के पारंपरिक लोक पर्व हरेला के अवसर पर एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय, जॉलीग्रांट व प्रदेश में स्थापित विभिन्न पोस्टों पर पर्यावरण संरक्षण की भावना के साथ वृहद पौधरोपण अभियान का आयोजित किया गया।
कमांडेंट एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस अभियान में अधिकारियों, जवानों व उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रुद्राक्ष, आँवला, जामुन, अशोक, आम, पिलखन, जैसे छायादार व फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। इस पहल के माध्यम से राज्य की पारंपरिक सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी जनसामान्य तक पहुँचाया गया। उत्तराखंड की लोकपरंपराओं में प्रकृति के संरक्षण की भावना सदैव रही है और एसडीआरएफ इस भावना को अपनाते हुए निरंतर पर्यावरणीय उत्तरदायित्वों का निर्वहन करती आ रही है।

श्री दरबार साहिब को लगातार तीसरे दिन बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ । अमृतसर स्थित श्री दरबार साहिब को बुधवार को लगातार तीसरे दिन आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई है। ई-मेल के माध्यम से मिल रही धमकियों के बाद सुरक्षा को पहले से और ज्यादा बढ़ा दिया गया है। दरबार साहिब परिसर के बाहर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को तैनात कर दिया गया है। बुधवार को धमकी मिलने के बाद पुलिस ने यहां बम निरोधक दस्ते को स्थाई रूप से तैनात कर दिया है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) को इससे पहले सोमवार तथा मंगलवार को भी मेल आ चुकी है। बुधवार को मिली ई-मेल में दावा किया गया कि पाइपों में आरडीएक्स भरकर मंदिर के अंदर धमाके किए जाएंगे। मेल मिलने के बाद एसजीपीसी की सूचना पर पुलिस ने परिसर में सर्च ऑपरेशन चलाया। जांच के लिए डॉग और बम स्क्वायड पहुंचा। लगातार मिल रही धमकियों के बाद पुलिस अलर्ट पर है। मंगलवार को धमकी मिलने के बाद दरबार साहिब परिसर में बीएसएफ जवान और पुलिस कमांडो तैनात किए गए हैं। हर आने-जाने वाले की जांच की जा रही है। एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने बताया कि 15 जुलाई को दूसरी ई-मेल केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व चीफ जस्टिस की फ़ेक आईडी से भेजी गई थी। आज सुबह आसिफ कपूर नाम के ई-मेल एड्रेस से ईमेल आई। ये ईमेल मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी भेजी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले लंबे समय से हमारे आस्था के केंद्र गोल्डन टेंपल को टारगेट किया जा रहा। वर्ष 1984 में श्री दरबार साहिब का बहुत नुकसान हुआ था। गुरुओं द्वारा दिए गए उपदेश कुछ लोगों को अच्छे नहीं लग रहे। 14 जुलाई से लगातार धमकी भरी ईमेल आ रही हैं। पुलिस को इस मामले में ठोस कार्रवाई करते हुए आरोपित को पकड़ना चाहिए।

उद्योग में नई इबारत लिखेगा बिहार औद्योगिक हब बनाने की तैयारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार अब औद्योगिकरण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। सिर्फ पटना ही नहीं दूसरे जिलों में भी बड़े पैमाने पर औद्योगिक पार्क या हब विकसित किए जा रहे हैं। गयाजी, मुंगेर, मधबुनी समेत अन्य स्थानों पर औद्योगिक पार्क को तेजी से विकसित किया जा रहा है, जिससे राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलेगी। पटना के बिहटा के बाद अब गयाजी सबसे बड़े औद्योगिक हब के रूप में स्थापित होने जा रहा है। यहां 1,670 एकड़ में एक अत्याधुनिक औद्योगिक पार्क की स्थापना की जाएगी। गयाजी में औद्योगिक विकास की बड़ी तस्वीर उभर रही है जहां राज्य के सबसे बड़ा औद्योगिक क्लस्टर स्थापित होने वाला है। अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत डोभी क्षेत्र में इंटिग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर का निर्माण किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट पर 1,339 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस प्रक्रिया से लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे जिससे बिहार के चौमुखी विकास को गति मिलेगी।

इस हब में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए 192.05, फर्नीचर के लिए 83.50, रेडिमेड परिधान और लेदरलाइट के लिए 192.05, तकनीकी उद्योग क्लस्टर के लिए 233.80, भवन निर्माण सामग्री के लिए 133.72, हथकरघा एवं हस्तशिल्प के लिए 16.70,लॉजिस्टिक्स के लिए 50.10 और सामान्य रेडी शेड्स के लिए 16.70 एकड़ जमीन का उपयोग किया जाएगा। यहां 43 हजार रोजगार के अवसर विकसित होंगे। इसमें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से औद्योगिक क्षेत्र में 57 हजार और 9 हजार वाणिज्यक रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

प्रदेश में भाजपा कोटे से उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने इस बाबत बातचीत में बताया कि आने वाले वर्षों में बिहार में उद्यम स्थापित करने के लिए अधिक से अधिक भूमि मिल सके, इस दिशा में विभाग लगातार काम कर रहा है।उन्होंने कहा कि

मुंगेर से मधुबनी और चम्पारण से किशनगंज तक औद्योगिक विकास को लेकर विभागा लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुंगेर के संग्रामपुर अंचल में 50 एकड़ सराकरी जमीन उद्योग विभाग को सौंपी जा चुकी है। जहां इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण चल रहा है। वैशाली जिले के जनदाहा, राजा पाकड़ और महुआ में कुल 1243.45 एकड़, सीतामढ़ी के नानपुर और सोनवर्षा, मधुबनी के झंझारपुर में 712 एकड़ औद्योगिक पार्क बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

कर्नल बाठ और उनके बेटे के साथ मारपीट की जांच करेगी सीबीआई

चंडीगढ़ । पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने पटियाला में भारतीय सेना के कर्नल पुषपिंदर बाठ और उनके बेटे के साथ हुई मारपीट मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के आदेश जारी किए हैं। हाई कोर्ट ने बुधवार को यह आदेश जारी किए हैं।

पटियाला में 13-14 मार्च की रात को कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ और उनके बेटे से मारपीट की गई थी, तब पुलिस ने कार्रवाई नहीं की थी। इसके बाद मामला रक्षा मंत्रालय और आर्मी हेडक्वार्टर पहुंचा तो पुलिस ने 9 दिन बाद आरोपितों के नाम के साथ मामला दर्ज करके 12 पुलिसवालों को निलंबित कर दिया था। इसमें 5 इंस्पेक्टर भी शामिल थे। इसके बाद हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस को मामले की जांच सौंपी थी। हाई कोर्ट में इस केस की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि एसआईटी को केस ट्रांसफर हुए भी तीन महीने हो चुके हैं, लेकिन अभी इस मामले में कोई भी आरोपित गिरफ्तार नहीं किया गया है। अदालत ने सारे तथ्यों पर पड़ताल की थी। इसके बाद यह मामला चंडीगढ़ पुलिस को सौंपा गया था।

पौड़ी को टीवी मुक्त बनाने के लिए सभी विभाग सामूहिक जिम्मेदारी से उठाएं ठोस कदम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पौड़ी गढ़वाल । प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि जनपद पौड़ी को टीबी मुक्त बनाने में समस्त विभागों को सामूहिक जिम्मेदारी के साथ ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने सभी विकास खंडों में विभागीय समन्वय से टीबी मरीजों को गोद लेने, प्रतिदिन निगरानी तथा निक्षय पोषण योजना का लाभ शत-प्रतिशत मरीजों तक पहुंचाए जाने के निर्देश दिए। बुधवार को डीएम कार्यालय सभागार में स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में जनपद पौड़ी में टीबी मुक्त अभियान की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस वर्ष राज्य को टीबी मुक्त करना हमारा संकल्प है। उन्होंने डीएम पौड़ी को सभी नगर निकायों में अधिशासी अधिकारियों एवं आयुक्तों की बैठक लेकर प्रत्येक वार्ड को टीबी मुक्त बनाने के लिए विशेष योजना बनाए जाने के निर्देश दिए। बीडीओ एवं बीईओ, समस्त चिकित्सकों को निक्षय मित्र बनाया जाने और मरीजों की पोषण संबंधी जानकारी नियमित लिए जाने के निर्देश दिए। मंत्री ने एसपीएस की होम विजिट सुनिश्चित किए जाने, 15 दिन के भीतर विस्तृत एक्शन प्लान बनाए जाने और नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों को टीबी मुक्त बनाए जाने के लिए शपथ दिलाए जाने के निर्देश दिए। बताया कि सहकारी बैंक पूरे राज्य में टीबी मुक्तिकरण के लिए अपने लाभ का एक करोड़ रुपये खर्च करेंगे। जिला क्षयरोग नियंत्रण अधिकारी डा. रमेश कुंवर ने बताया कि जिले में टीबी के 650 चिन्हित मरीजों में से 633 मरीजों का उपचार प्रारंभ हो चुका है।

मिथिलांचल क्रिएटर कम्युनिटी अवार्ड का आयोजन

सहरसा। आजकल समाज में सोशल मीडिया का क्रेज बढ़ता ही जा रहा है।सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर क्रिएटर अपनी कंटेंट को दिन रात डालते हैं। वही यूट्यूब के माध्यम से हिंदी मैथिली भोजपुरी में अपने रील्स एवं समाचार के माध्यम से लोगों को सूचनाओं देकर मनोरंजन भी प्रदान कर रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक रविंद्र स्टार एवं प्रबंधक प्रणव कुमार ने बताया कि मिथिला की धरती पर पहली बार सोशल मीडिया पर सक्रिय सभी क्रिएटर को बुधवार को एक मंच पर लाकर उनको सम्मानित किया गया है।उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर अपनी वीडियो रिलीज समाचार एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों की जानकारी अपलोड कर लाखों रुपए कमा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सोशल

मीडिया चलाने वाले लोगों को इसमें हो रही परेशानी को दूर करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है ताकि अधिक से अधिक लोग अपने कंटेंट के माध्यम से आमदनी कर सके।कार्यक्रम में भाग लेने वाले मैथिली के बहुत सारे कलाकारों ने अपने कंटेंट के माध्यम से काफी लाइक एवं कमेंटस बटोर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन राजकीय सम्मान प्राप्त शिक्षक आनंद झा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक डॉक्टर आलोक रंजन, मुक्तेश्वर सिंह, विष्णु स्वरूप, पी अल्बर्ट, उप महापौर गुड्डू हयात सहित अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। वही कार्यक्रम का शुभारंभ शांभवी कुमारी के द्वारा जय जय भैरवी गीत गायन के माध्यम से किया गया।विधायक डॉ आलोक रंजन ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से सुंदर स्वस्थ समाज बनाने के लिए सकारात्मक कंटेंट डालने की आवश्यकता है। जो समाज को नई दिशा प्रदान कर सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया के माध्यम से सभ्य एवं सुंदर समाज का निर्माण किया जा सकता है। इसके लिए अच्छे क्रिएटर को सदैव सम्मानित किया जाना चाहिए।

उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय में नई कुलपति डॉ. तृप्ता ठाकुर की नियुक्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून । आखिरकार छात्रों का छह माह लम्बा संघर्ष रंग लाया। राज्यपाल ने उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय के विवादित कुलपति डॉ. ओमकार यादव को हटाकर राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण प्रतिष्ठान, फरीदाबाद की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर को उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय की नई कुलपति नियुक्त किया है। डीएवी पीजी कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने इसे छात्र शक्ति की जीत बताते हुए मीडिया का आभार जताया। उन्होंने कहा कि छात्र प्रतिनिधिमंडल जल्द नए कुलपति का अभिनन्दन करेगा व छात्रों की समस्याओं से अवगत कराएगा । उन्होंने मांग की कि परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल को भी तुरंत बर्खास्त किया जाए एवं विश्विद्यालय के आठ करोड़ रुपये के घालमेल की रिकवरी के लिए डॉ. ओमकार सिंह व संलिप्त अधिकारिओ के विरुद्ध जाँच को तेजी से आगे बढ़ाया जाये एवं ईडी की भी मदद ली जाए।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय में चल रहे फ़र्ज़ी डिग्री जांच प्रकरण, भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनिमिताओ की शिकायतों को लेकर डीएवी छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में छात्र पिछले छह माह से आंदोलनरत थे । उल्लेखानीय है कि हाल ही में तकनीकी शिक्षा सचिव की जांच के दौरान विश्वविद्यालय में सॉफ्टवेयर विकास के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटाले का खुलासा हुआ था। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने लखनऊ स्थित एक कंपनी के साथ अनुबंध करके एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग और यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम सॉफ्टवेयर का निर्माण कराया। विश्वविद्यालय में सॉफ्टवेयर विकास के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटाले की जांच के लिए बीते 5 मई को पांच सदस्यीय कमेटी गठित किए जाने का निर्णय लिया गया। जांच समिति गठन करने के बाद समिति को 15 दिनों का समय भी दिया गया था। 9 दिन बाद यानी 14 मई को आईएएनस नितिका खंडेलवाल को निदेशक आटीडीए के पद से हटा दिया गया। इसके बाद यह जांच फिलहाल लटकती हुई नजर आ रही है। छह माह से सरकार केवल खाना पूर्ति एवं आश्वासन तक ही सीमित है परन्तु आज नए कुलपति की नियुक्ति से छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गयी। अब बाकी संलिप्त अधिकारिओ के विरुद्ध भी आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान सौरभ सेमवाल, स्वयं रावत, दक्ष रावत, मंथन, आकाश, आर्यन, नितिन आदि मौजूद रहे।

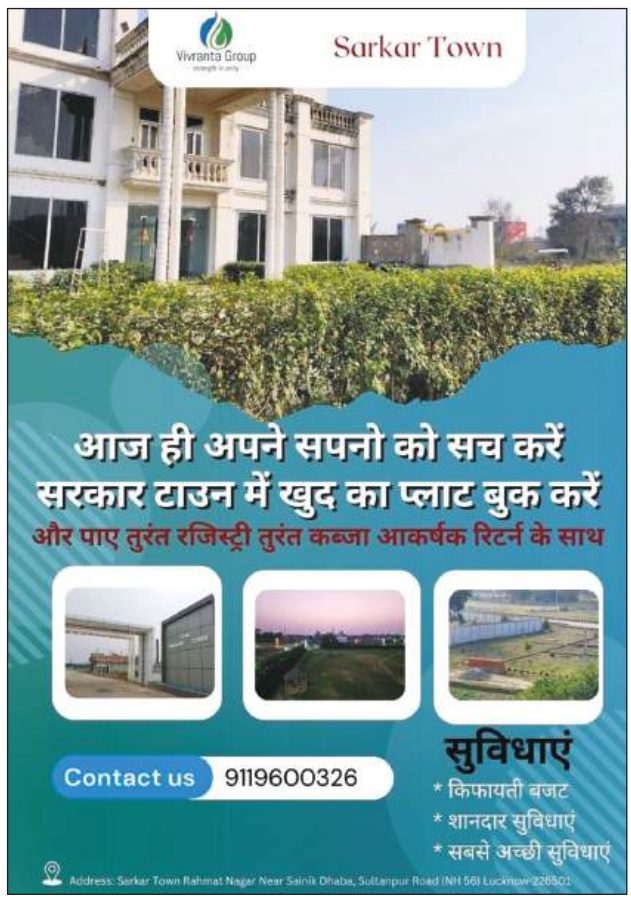

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063